जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 8 अगस्त, 2026

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

वैज्ञानिक चेतना का क्षरण: क्या भारत तर्क और अनुसंधान से दूर होता जा रहा है?

भारत को विश्व की सबसे प्राचीन ज्ञान-परंपराओं वाला देश माना जाता है। शून्य की खोज, दशमलव प्रणाली, आयुर्वेद, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान और गणित में भारत का योगदान विश्व इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। आर्यभट्ट ने ग्रहों की गति का वैज्ञानिक अध्ययन किया, चरक और सुश्रुत ने चिकित्सा विज्ञान को नई दिशा दी और नालंदा तथा तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरी दुनिया को ज्ञान प्रदान किया। विडंबना यह है कि जिस देश की पहचान कभी वैज्ञानिक जिज्ञासा और ज्ञान के कारण थी, उसी देश में आज वैज्ञानिक चेतना के क्षरण की चिंता बढ़ती जा रही है।

यह चिंता केवल इसलिए नहीं है कि लोग धार्मिक स्थलों पर अधिक जा रहे हैं, बल्कि इसलिए है कि तर्क, प्रमाण और वैज्ञानिक सोच का स्थान धीरे-धीरे भावनाएँ, चमत्कारों की अपेक्षा और अप्रमाणित दावों पर विश्वास लेते दिखाई दे रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और आधुनिक समाज के लिए यह प्रवृत्ति दीर्घकाल में विकास के लिए बाधक सिद्ध हो सकती है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51(क)(ह) में प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य बताया गया है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद तथा जिज्ञासा एवं सुधार की भावना का विकास करे। दुर्भाग्य से यह संवैधानिक आदर्श हमारे सामाजिक व्यवहार में पर्याप्त रूप से परिलक्षित नहीं होता। आज भी बीमारी का उपचार वैज्ञानिक चिकित्सा से अधिक चमत्कारिक उपायों में खोजा जाता है, ग्रह-नक्षत्रों के नाम पर अनेक आर्थिक और सामाजिक निर्णय लिए जाते हैं और सोशल मीडिया पर बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण के फैलाए गए संदेश लाखों लोगों द्वारा सत्य मान लिए जाते हैं।

यह भी सत्य है कि देश में धार्मिक आयोजनों, मंदिरों और विभिन्न आध्यात्मिक गुरुओं के प्रवचनों में भारी भीड़ उमड़ रही है। आस्था भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और उसका सम्मान होना चाहिए। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब आस्था तर्क का स्थान लेने लगे या वैज्ञानिक तथ्यों को चुनौती देने लगे। इतिहास बताता है कि भारतीय दर्शन ने भी प्रश्न पूछने और सत्य की खोज की परंपरा को कभी नहीं रोका। इसलिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आध्यात्मिकता परस्पर विरोधी नहीं हैं; विरोध तब है जब अंधविश्वास विज्ञान पर हावी होने लगे।

शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी चिंता का विषय है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में विज्ञान तथा गणित की पढ़ाई का स्तर लगातार चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अनेक स्थानों पर प्रयोगशालाएँ केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं। विद्यार्थियों को प्रयोग करने, मॉडल बनाने, अनुसंधान करने और समस्याओं का समाधान खोजने की प्रेरणा कम मिलती है। विज्ञान की शिक्षा रटने तक सीमित हो गई है, जबकि वैज्ञानिक सोच प्रयोग, प्रश्न और खोज की संस्कृति से विकसित होती है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि इतिहास, साहित्य, राजनीति विज्ञान या अन्य कला विषय महत्वहीन हैं। एक विकसित समाज को वैज्ञानिकों के साथ-साथ इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों, समाजशास्त्रियों और साहित्यकारों की भी आवश्यकता होती है। वास्तविक समस्या विषयों के महत्व की नहीं, बल्कि विज्ञान और गणित के प्रति घटती रुचि तथा अनुसंधान की कमजोर होती संस्कृति की है। यदि विज्ञान और गणित में उत्कृष्ट प्रतिभाएँ कम होंगी तो देश की तकनीकी क्षमता भी सीमित हो जाएगी।

भारत की सबसे बड़ी कमजोरी शोध एवं विकास पर होने वाला कम निवेश है। किसी भी देश की वैज्ञानिक प्रगति का सबसे बड़ा मापदंड यह है कि वह अनुसंधान पर कितना व्यय करता है। इस दृष्टि से भारत अभी भी अग्रणी देशों से काफी पीछे है। उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय आँकड़ों के अनुसार भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल लगभग 0.6 से 0.7 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है। इसके विपरीत इज़राइल लगभग 6.8 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया लगभग 5.1 प्रतिशत, संयुक्त राज्य अमेरिका लगभग 3.4 प्रतिशत, चीन लगभग 2.6 से 2.7 प्रतिशत, जबकि ओईसीडी देशों का औसत लगभग 2.7 प्रतिशत है। अर्थात भारत की तुलना में दक्षिण कोरिया लगभग आठ गुना, इज़राइल लगभग दस गुना और चीन लगभग चार गुना अधिक अनुपात में शोध पर निवेश करता है।

भारत की महान वैज्ञानिक परंपरा हमें यह सिखाती है कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा और जिज्ञासा दोनों से होती है। श्रद्धा मनुष्य को नैतिक बनाती है, जबकि विज्ञान उसे समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता देता है। इसलिए आवश्यकता किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक मूल्यों के संतुलित समन्वय की है।

यही कारण है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी, रक्षा तकनीक, हरित ऊर्जा, रोबोटिक्स और चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विश्व के अग्रणी आविष्कार मुख्यतः इन्हीं देशों से सामने आते हैं। भारत ने भी अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, वैक्सीन निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं, परंतु समग्र शोध संस्कृति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सकी है।

एक गंभीर समस्या प्रतिभा पलायन की भी है। देश के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी उच्च शिक्षा और शोध के लिए विदेशों का रुख करते हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर प्रयोगशालाएँ, पर्याप्त शोध अनुदान, आधुनिक उपकरण और स्वतंत्र अनुसंधान का वातावरण भी है। यदि भारत को विश्व स्तरीय शोध शक्ति बनना है तो उसे अपने विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को वैश्विक स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध करानी होंगी।

दुखद तथ्य यह भी है कि भारत में कुल अनुसंधान व्यय का बड़ा हिस्सा सरकार वहन करती है, जबकि विकसित देशों में निजी उद्योग अनुसंधान का प्रमुख वित्तपोषक होता है। भारतीय उद्योगों को अनुसंधान एवं नवाचार में अधिक निवेश करना होगा। विश्वविद्यालय, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान का युग है। भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था उन्हीं देशों के हाथ में होगी जो ज्ञान और नवाचार में अग्रणी होंगे। यदि भारत केवल उपभोक्ता बना रहा और नई तकनीकों का निर्माता नहीं बन पाया, तो विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य कठिन हो जाएगा।

मीडिया की भी बड़ी जिम्मेदारी है। यदि समाचारों में विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की उपलब्धियों को पर्याप्त स्थान मिले तथा वैज्ञानिक विषयों को सरल भाषा में समाज तक पहुँचाया जाए, तो युवाओं में विज्ञान के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आज सोशल मीडिया पर अप्रमाणित सूचनाएँ वैज्ञानिक तथ्यों की तुलना में अधिक तेजी से फैलती हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देना आवश्यक है।

परिवार और विद्यालयों को भी बच्चों में प्रश्न पूछने की आदत विकसित करनी होगी। यदि कोई बच्चा 'क्यों' पूछता है तो उसे चुप कराने के बजाय उसका उत्तर खोजने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। विज्ञान जिज्ञासा से जन्म लेता है, भय से नहीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विज्ञान, गणित, नवाचार और कौशल विकास पर बल दिया गया है। अब आवश्यकता उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। प्रत्येक विद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएँ हों, विज्ञान प्रदर्शनियों को प्रोत्साहन मिले, विश्वविद्यालयों में शोध अनुदान बढ़े, उद्योगों को अनुसंधान में निवेश के लिए कर प्रोत्साहन दिया जाए तथा देश के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो शोध एवं विकास पर व्यय को आने वाले वर्षों में चरणबद्ध तरीके से कम-से-कम के दो प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

भारत की महान वैज्ञानिक परंपरा हमें यह सिखाती है कि ज्ञान की प्राप्ति श्रद्धा और जिज्ञासा दोनों से होती है। श्रद्धा मनुष्य को नैतिक बनाती है, जबकि विज्ञान उसे समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता देता है। इसलिए आवश्यकता किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक मूल्यों के संतुलित समन्वय की है।

यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो केवल विशाल अर्थव्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी। हमें वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान संस्कृति और नवाचार को राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाना होगा। जिस दिन देश का प्रत्येक बच्चा बिना भय के प्रश्न पूछ सकेगा, प्रत्येक विश्वविद्यालय शोध का केंद्र बनेगा, प्रत्येक उद्योग नवाचार में निवेश करेगा और प्रत्येक नागरिक प्रमाण के आधार पर निर्णय लेना सीखेगा, उसी दिन भारत वास्तव में ज्ञान महाशक्ति बनने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका होगा। यही वैज्ञानिक भारत की सबसे मजबूत नींव होगी और यही विकसित भारत का वास्तविक मार्ग भी।

–अतिथि सम्पादक,
राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

महिला सुरक्षा संकल्प : राजस्थान में सकारात्मक परिवर्तन की शुरूआत

मंजू बाघमार

सभ्य समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन इस बात से किया जाता है कि वहां की महिलाएं स्वयं को कितना सुरक्षित, सम्मानित और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं। सड़क से लेकर विद्यालय, कार्यस्थल से लेकर घर और डिजिटल दुनिया से लेकर सार्वजनिक जीवन तक महिलाओं को उपलब्ध निर्भय वातावरण से ही विकास की अवधारणा सार्थक मानी जा सकती है। राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिला सुरक्षा को कानून-व्यवस्था की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण मानने के साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसहभागिता का व्यापक अभियान बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। इसी सोच का सशक्त उदाहरण राजस्थान पुलिस द्वारा जुलाई माह में संचालित राज्यव्यापी महिला सुरक्षा संकल्प अभियान है। यह अभियान अपराध नियंत्रण के साथ महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी सुरक्षा, आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा पुलिस से सहज संवाद स्थापित करने का व्यापक जनआंदोलन बनकर सामने आया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला सुरक्षा को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में माना है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप पुलिस प्रशासन को संवेदनशील, जवाबदेह और तकनीक-सक्षम बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महिला सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस और समाज के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत करने तथा प्रत्येक नागरिक स्वयं को इस अभियान का सहभागी बनाने के उद्देश्य से महिला सुरक्षा संकल्प संचालित किया गया।

इस अभियान की शुरुआत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के विशेष प्रशिक्षण से हुई। जेंडर सेंसिटाइजेशन, महिला अपराधों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, राजकॉप ऐप, महिला बीट अधिकारी योजना, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, गरिमा हेल्पलाइन 1090, साइबर हेल्पलाइन 1930, पोक्सो ई-बॉक्स तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों की विस्तृत जानकारी देकर पुलिस बल को अधिक उत्तरदायी बनाया गया। पुलिस अधिकारियों के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि महिला सुरक्षा अपराध होने के बाद की कार्यवाही के साथ अपराध की रोकथाम और संवेदनशील पुलिसिंग का भी प्रश्न है।

महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम आत्मविश्वास है। इसी उद्देश्य से अभियान के दौरान छात्राओं, महिलाओं, गृहिणियों, सुरक्षा सखियों, पीटीआई प्रशिक्षकों तथा लखपति दीदी जैसी विभिन्न श्रेणियों की महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण से जोड़कर उनमें आत्मविश्वास विकसित किया गया। प्रतिभागियों ने स्वयं स्वीकार किया कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करने का साहस और मानसिक मजबूती प्रदान की।

इस अभियान की एक बड़ी विशेषता यह रही कि इसे केवल पुलिस तक सीमित नहीं रखा गया। सुरक्षा सखियों, महिला सीएलजी सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, एनएसएस, एनसीसी, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला अधिवक्ताओं, शिक्षकों और गृहिणियों को जोड़कर व्यापक सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित की गई। महिलाओं को पोश एक्ट, पोक्सो कानून, वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर, महिला बीट अधिकारी योजना, साइबर अपराधों से बचाव और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। इससे महिला सुरक्षा को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप मिला।

राजस्थान पुलिस ने इस अभियान के माध्यम से समाज के उन वर्गों तक भी पहुंचने का प्रयास किया, जो अक्सर सरकारी अभियानों की मुख्यधारा से दूर रह जाते हैं। अकेले रहने वाली वृद्ध महिलाओं, वरिष्ठ नागरिक दंपतियों तथा एकाकी महिलाओं के घर-घर जाकर पुलिस ने उनका हालचाल जाना और उन्हें आपातकालीन सेवाओं, 112, 1090, 1930, राजकॉप ऐप तथा किरायेदार एवं घरेलू सहायकों के सत्यापन जैसी व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी। यह पहल संवेदनशील पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

अभियान के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों ने मलिन बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ियों, निर्माण स्थलों, ईंट-भट्टों तथा प्रवासी श्रमिक महिलाओं तक पहुंचकर उन्हें गुड टच-बैड टच, महिला अधिकारों, आत्मरक्षा और कानूनी सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। राज्य सरकार महिला सुरक्षा को केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा का विश्वास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यालयों और महाविद्यालयों में आयोजित ऑनलाइन संवादों ने इस अभियान को भविष्य की पीढ़ी से भी जोड़ दिया। छात्र-छात्राओं को लैंगिक संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा, पोक्सो कानून, महिला हेल्पलाइन, आत्मरक्षा तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी देकर बचपन से ही सम्मानजनक सामाजिक व्यवहार की संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया गया। महिला सुरक्षा की स्थायी नींव शिक्षा और जागरूकता से ही रखी जा सकती है। महिला सुरक्षा केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। इसे प्रभावी बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वन स्टॉप सेंटर तथा हेल्पलाइन सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित किया गया। इस अंतरविभागीय सहयोग से राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए एक समठा तंत्र विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

अभियान के अंतिम चरण में बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल मार्च, वाहन रैलियां तथा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों को महिला सुरक्षा कानूनों, हेल्पलाइन सेवाओं, महिला बीट अधिकारी योजना तथा राजकॉप सिटीजन ऐप के उपयोग के प्रति प्रेरित किया गया। इससे यह संदेश गया कि महिला सुरक्षा सरकार की योजना भर नहीं, बल्कि पूरे समाज का साझा संकल्प है।

महिला सुरक्षा संकल्प ने पुलिस और जनता के बीच संवाद को मजबूत किया है, महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है तथा समाज में सुरक्षा के प्रति सामूहिक चेतना विकसित करने का प्रयास किया है। यह पहल दर्शाती है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार महिला सुरक्षा को विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय के मूल एजेंडे का अभिन्न हिस्सा मानती है। महिला सुरक्षा का वास्तविक अर्थ अपराधों में कमी लाने के साथ ही ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां प्रत्येक बेटी, बहन और महिला बिना भय के अपने सपनों को साकार कर सके। सरकार की संवेदनशील नीतियां, पुलिस की जवाबदेही और समाज की सक्रिय भागीदारी से राजस्थान महिला सुरक्षा और सम्मान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान और अधिक मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। महिला सुरक्षा संकल्प इसी सकारात्मक परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी शुरुआत है।

–मंजू बाघमार,
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री

विदेशी फंडिंग पर नियंत्रण: एफ.सी.आर.ए. संशोधन क्यों है समय की मांग

डॉ. नीरज रावत

भारत में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में प्रस्तावित 2026 संशोधनों को लेकर पश्चिमी देशों (विशेषकर अमेरिका) की तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। लेकिन यह प्रतिक्रिया किसी सिद्धांत-गत चिंता से अधिक उस प्रभाव के कमजोर पड़ने की बेचैनी है, जिसे वर्षों से विदेशी फंडिंग के माध्यम से विकसित देशों ने भारत जैसे देशों में स्थापित किया है।

भारत सरकार द्वारा संसद में प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन और जून 2026 में अधिसूचित नियमों का मूल उद्देश्य स्पष्ट है कि विदेशी धन के प्रवाह को पारदर्शी, उद्देश्य-निर्धारित और जवाबदेह बनाना। अब किसी भी संस्था को न केवल यह बताना होगा कि वह विदेशी धन किस उद्देश्य से ले रही है, बल्कि उसे यह भी स्पष्ट करना होगा कि वह किन राज्यों या क्षेत्रों में उसका उपयोग करेगी।

इसके साथ ही, प्रोसेलिटाइजेशन अर्थात धर्मांतरण-उन्मुख गतिविधियों को विदेशी फंडिंग के दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है। प्रस्तावित 2026 विधेयक में इससे भी आगे बढ़ते हुए यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई संस्था एफसीआरए पंजीकरण का उल्लंघन करती है या उसका नवीनीकरण नहीं होता, तो विदेशी धन से निर्मित संपत्तियों का प्रबंधन एक निर्धारित प्राधिकरण के हाथ में जा सकता है।

साथ ही, निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया है, दंड प्रावधानों को तार्किक बनाया गया है, और अपील का अधिकार भी सुनिश्चित किया गया है। स्पष्ट है कि यह कानून किसी भी प्रकार की वैध सामाजिक गतिविधि को रोकने के लिए नहीं, बल्कि विदेशी धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए है।

विदेशी फंडिंग: विकास का साधन या प्रभाव का औजार?–यह प्रश्न अब टाला नहीं जा सकता कि विदेशी फंडिंग का वास्तविक स्वरूप क्या रहा है। क्या यह केवल विकास का साधन है, या इसके माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी स्थापित किया जाता रहा है? भारत में पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि कड़े नियमों के बावजूद विदेशी फंडिंग का प्रवाह जारी है, बल्कि कई मामलों में बढ़ा भी है। यह इस बात का संकेत है कि भारत विदेशी दाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना हुआ है और यही कारण है कि नियंत्रण कड़ा होने पर असहजता भी बढ़ती है। इतिहास में अनेक उदाहरण ऐसे रहे हैं, जहां विदेशी फंडिंग का उपयोग केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि:–स्थानीय आंदोलनों को प्रभावित करने, विकास परियोजनाओं के खिलाफ लामबंदी करने, नीति-निर्माण पर दबाव बनाने, और वैचारिक एजेंडा स्थापित करने जैसे कार्यों में भी इसका उपयोग हुआ है। कई बार यह देखा गया है कि विदेशी फंड से संचालित अभियान जन आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि उनके पीछे बाहरी वित्तीय और वैचारिक समर्थन मौजूद होता है। इससे लोकतांत्रिक विमर्श की स्वाभाविकता प्रभावित होती है।

धर्मांतरण और सामाजिक संतुलन का प्रश्न–विदेशी फंडिंग का सबसे संवेदनशील पहलू धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा है। दशकों से यह आरोप लगता रहा है कि विदेशी धन का एक बड़ा हिस्सा मिशनरी गतिविधियों में लगाया जाता है, विशेष रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लक्षित कर। भारत का संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता किसी प्रकार के आर्थिक प्रलोभन या बाहरी हस्तक्षेप के माध्यम से धर्म परिवर्तन की अनुमति नहीं देती। जब धर्मांतरण एक सुनियोजित और वित्त-पोषित प्रक्रिया बन जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं रह जाता–यह सामाजिक संतुलन, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। एफसीआरए संशोधन इसी बिंदु पर निर्णायक रुख अपनाता है और धर्म आधारित सेवा कार्य स्वीकार्य हैं, लेकिन विदेशी धन के माध्यम से समाज की जन-सांख्यिकीय संरचना को प्रभावित करने का प्रयास नहीं।

संप्रभुता बनाम हस्तक्षेप: मूल विवाद यही है

पश्चिमी देशों की आलोचना का मूल कारण सिविल सोसाइटी की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि उनके प्रभाव क्षेत्र का सीमित होना है। अमेरिका सहित कई देश स्वयं विदेशी हस्तक्षेप के मामलों में अत्यंत कठोर कानून लागू करते हैं। वहां विदेशी लॉबिंग, राजनीतिक फंडिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में सख्त नियंत्रण है।

ऐसे में भारत द्वारा अपने संदर्भ में समान कदम उठाना न केवल तार्किक है, बल्कि अनिवार्य भी है। आज का भारत 1970 या 1990 का भारत नहीं है। यह एक आत्मविश्वासी, उभरती हुई वैश्विक शक्ति है, जो अपनी नीतियों और सामाजिक संरचना पर बाहरी प्रभाव को बिना जांच-परख के स्वीकार नहीं कर सकता।

स्पष्ट संदेश: भारत अपने हितों पर समझौता नहीं करेगा

एफसीआरए संशोधन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत अब ओपन सोसाइटी के नाम पर असीमित विदेशी प्रभाव को स्वीकार नहीं करेगा। सहयोग का स्वागत है, लेकिन शर्त यह है कि वह पारदर्शी हो, जवाबदेह हो और भारत के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हो। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित संशोधन पूर्वव्यापी (ीूदेजमून) नहीं होंगे और सभी हितधारकों से संवाद किया जा रहा है, जिससे अनावश्यक आशंकाओं को दूर किया जा सके।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि एफसीआरए किसी संस्था या समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह एक प्रणालीगत सुधार है, जो यह सुनिश्चित करता है कि भारत में आने वाला हर विदेशी रुपया देश के विकास और सामाजिक कल्याण में योगदान दे, न कि, किसी बाहरी एजेंडे का साधन बने।

भारत को अपने लोकतंत्र की मजबूती के लिए केवल चुनावी प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि उसके आसपास के वैचारिक और वित्तीय ढांचे की भी सुरक्षा करनी होगी। एफसीआरए संशोधन उसी दिशा में एक निर्णायक और आवश्यक कदम है। यह केवल एक कानून नहीं बल्कि यह भारत की संप्रभुता, सांस्कृतिक अस्मिता और नीति-स्वतंत्रता का स्पष्ट उद्घोष है।

-डॉ. नीरज रावत,
स्वतंत्र पत्रकार

सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने पर पांच वाहन सीज़

> **तीन स्लीपर बसें और दो स्कूल बाल वाहिनियां सीज़ कर 10 वाहनों पर जुर्माना लगाया**

झुंझुनूं, (निसं)। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन व स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएस) झुंझुनूं ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले पांच वाहनों को सीज कर दिया, जबकि 10 वाहनों पर जुर्माना लगाया। कार्रवाई के दौरान लग्जरी एवं स्लीपर बसों के साथ-साथ स्कूल बालवाहिनियों की भी सघन जांच की गई।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के सदस्य सचिव हरि ओम शर्मा अत्री तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झुंझुनूं के अध्यक्ष सुनील कुमार पंचोली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी के नेतृत्व में पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण अभियान चलाया।

निरीक्षण के दौरान मोटर वाहन अधिनियम एवं राज्य सरकार की एसओपी के तहत लग्जरी और स्लीपर बसों में सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। नियमों की अवहेलना पाए जाने पर 3 स्लीपर बसों को मौके पर ही सीज कर दिया गया, जबकि छह अन्य स्लीपर बसों पर जुर्माना लगाया गया।

इस दौरान डॉ. महेंद्र के. सिंह सोलंकी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर लोगों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित गति, ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ही अधिकांश जानलेवा हादसों का प्रमुख कारण बनती है, इसलिए ऐसे मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि जब्त की गई बसों के यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए उन्हें अन्य बसों में सुरक्षित बैठाकर उनके गंतव्य तक रवाना किया गया। साथ ही आमजन से अपील की गई कि बस में यात्रा करने से पहले वाहन की वैधता, फिटनेस और अन्य आवश्यक जानकारी अवश्य जांच लें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सके। अभियान के तहत स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालवाहिनियों की भी गहन जांच की गई। सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली 2 स्कूल बालवाहिनियों को सीज किया गया, जबकि 4 अन्य बालवाहिनियों पर जुर्माना लगाया गया।

प्राधिकरण सचिव ने वाहन चालकों एवं स्कूल प्रबंधन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर बच्चों एवं आमजन की जान से खिलवाड़ करने वाले किसी भी वाहन संचालक को बख्शा नहीं जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे। निरीक्षण दल में साइबर थाना झुंझुनूं के थानाधिकारी रामखिलाड़ी , परिवहन निरीक्षक सुमित कुमार, परिवहन निरीक्षक रोहिताश कुमार, राजेश कुमार तथा अनिल कुमार शामिल रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 8 अगस्त, 2026

सावन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, रोहिणी नक्षत्र सायं 4:51 तक, ध्रुव योग प्रातः 9:02 तक, विष्टि करण दिन 2:00 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:49 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 2:00 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 4:51 तक है। आज भद्रा दिन 2:00 तक है। आज रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:34 से 9:14 तक, चर 12:32 से 2:11 तक, लाभ-अमृत 2:11 से 2:23 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:06

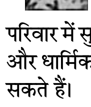

मेष
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

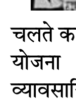

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव दूर होगा।

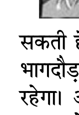

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

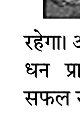

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

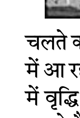

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

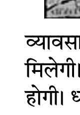

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

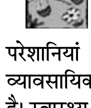

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

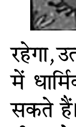

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

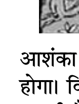

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

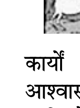

मकर
व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

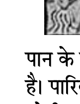

कुंभ
घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

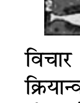

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार एवं नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में आज मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

What Poland Left Me With

During communist rule, anti-government graffiti was often painted over by the authorities, so, activists began painting dwarfs over the covered-up spots as a humourous form of protest

It's Time to Celebrate Our Furry Companions

टर्की, सऊदी अरब और पाक का गठबंधन अमेरिका के घटते रुतबे का प्रतीक है

सऊदी अरब ने महसूस किया है कि मिडिल ईस्ट वॉर की स्थिति में, अमेरिका अब उसकी सुरक्षा की गारंटी नहीं ले सकता, इसलिए यह रक्षा समझौता किया गया है

- इस रक्षा समझौते ने क्षेत्र के सभी राजनैतिक व कूटनीतिक समीकरणों को चुनौती दी है। अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले की वजह से ईरान सऊदी अरब में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ-साथ नागरिक क्षेत्रों को भी निशाना बना रहा है। सऊदी अरब को इन हमलों से सुरक्षा की सख्त जरुरत है, पर, अब उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं है।
- यह समझौता पाकिस्तान के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, पर, सवाल है कि अगर सऊदी अरब व ईरान के बीच युद्ध हुआ तो क्या पाकिस्तान उसमें शामिल होगा? पाकिस्तान का ईरान के साथ लंबा साझा बॉर्डर है और ईरान, पाकिस्तान के लिए भारी परेशानी पैदा कर सकता है, खासकर बलूचिस्तान एवं पीओके के मामले में।
- भारत पर समझौते का भले ही तत्काल कोई प्रभाव ना पड़े, क्योंकि इस समझौते में शामिल दो देश, पाकिस्तान व टर्की, भारत के शत्रु देश हैं, पर, सऊदी को भारत का मित्र माना जाता है, लेकिन अगर वह भारत के खिलाफ जाता है तो भारत को ईरान के साथ अपनी मित्रता बढ़ानी होगी।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुका और मदद के लिए दुनिया के सामने हाथ फैलाने वाला पाकिस्तान, गंभीर घरेलू आर्थिक संकट से जूझने के बावजूद, मध्य पूर्व के देशों के बीच आश्चर्यजनक रूप से व्यापक कूटनीतिक स्वीकार्यता हासिल करने में सफल रहा है। इसी के चलते, वह तीन देशों के बीच आपसी रक्षा संधि कराने में भी सफल रहा।

क्षेत्र के तीन प्रमुख सुन्नी सैन्य देशों के बीच हुई इस आपसी रक्षा संधि ने मौजूदा कूटनीतिक समीकरणों को बदल दिया है।

सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने आपसी रक्षा के लिए नाटो जैसी आपसी रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते ने अब तक के सभी राजनीतिक और कूटनीतिक समीकरणों को चुनौती दी है। खास बात यह है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच इस आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर होने से मौजूदा रिश्ते और भी बदल गए हैं।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के कारण ईरानी हमलों से सुरक्षा की सख़्त जरूरत महसूस कर रहे सऊदी अरब ने आखिरकार अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर भरोसा नहीं करने का फैसला किया है। अमेरिका के हमलों के जवाब में, ईरान लगातार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने अधिक अनुदान लेने पर पिंजरापोल गौशाला से जवाब मांगा

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला की ओर से अधिक अनुदान उठाने, परिसर में मैरिज गार्डन संचालित करने सहित, गायों की स्थिति को लेकर मुख्य सचिव, पशुपालन सचिव, स्वास्थ्य सचिव, गोपालन निदेशक, कलेक्टर और गौशाला प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस

- गौशाला परिसर में नियमों के विपरीत मैरिज गार्डन चलाने पर भी नोटिस दिया।

संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश मुनीश कुमार शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता आरके शर्मा ने अदालत को बताया कि पिंजरापोल गौशाला पंजीकृत धर्मार्थ ट्रस्ट है। महालेखाकार जयपुर की रिपोर्ट में माना गया है कि साल 2021 से 2025 तक गौशाला को 2.21 करोड़ रुपए से अधिक राशि का अनियमित अनुदान दिया गया। गौशाला की ओर से अनुदान के लिए किए गए आवेदन में 94 गौवंश के टैग की पुनरावृति की गई और 1307 मृत गौवंश के भी टैग प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा, अनुदान आवेदन में अंकित 4858 गौवंश टैग भारत पशुधन एप पर पंजीकृत नहीं थे। वहीं गौशाला में 120

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तनाव के बावजूद भारत और पाकिस्तान के बीच आवश्यक संपर्क कायम है'

विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने संसद को बताया कि दोनों देशों में "फंक्शनल एंगेजमैंट्स" जारी हैं

- जयशंकर ने बताया कि दोनों देशों के बीच डीजीएमओ के स्तर पर सैन्य वार्ता, बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण की अग्रिम सूची का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों की लिस्ट का आदान-प्रदान होता है और कैदियों की लिस्ट साझा की जाती है।
- जयशंकर ने स्पष्ट किया कि हालांकि पाकिस्तान अभी भी भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीति पर कायम है।
- जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच यह संपर्क अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण हमले, ऑपरेशन सिंदूर के समय भी बना हुआ था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को संसद को बताया कि द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बावजूद, भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ आवश्यक संस्थागत संपर्क (फंक्शनल एंगेजमेन्ट्स) अब भी बने हुये है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) स्तर की वार्ता, बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण की अग्रिम सूचना का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों की वार्षिक सूची का आदान-प्रदान तथा एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद कैदियों की सूची के आदान-प्रदान की प्रक्रिया नियमित रूप से जारी है।

जयशंकर ने संसद में दिए अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि पाकिस्तान अब भी भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने और आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करने की नीति पर कायम है।

उन्होंने कहा, "भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे की राजधानियों में अपने-अपने राजनयिक मिशन बनाए हुए हैं। दोनों देशों के बीच डीजीएमओ स्तर की वार्ता, बैलिस्टिक मिसाइलों के उड़ान परीक्षण की अग्रिम सूचना, परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची तथा एक-दूसरे की हिरासत में बंद कैदियों की सूची के आदान-प्रदान जैसे कार्यात्मक संपर्क जारी हैं।"

भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच एक हॉटलाइन संचालित है, जो दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण परिस्थितियों के दौरान भी सक्रिय रही है। अतीत में इस माध्यम का उपयोग सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों के प्रबंधन और सैन्य संचालन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए किया जाता रहा है।

दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का वार्षिक आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों एवं सुविधाओं पर हमलों के निषेध संबंधी समझौते (एग्रीमेन्ट ऑन द प्रॉहिबिशिन ऑफ अटैक अगेंस्ट न्यूक्लियर इन्स्टॉलेशन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुनेत्रा पवार की प्रशांत किशोर से मुलाकात से असहज हुई भाजपा

भाजपा के एक मंत्री ने इस मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे गठबंधन में गलतफहमियां उत्पन्न हों

- जनवरी में बारामती के निकट एक विमान हादसे में अजीत पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार की प्रशांत किशोर से यह दूसरी मुलाकात है। पहली मुलाकात के बाद सुनेत्रा के पुत्र एवं पार्टी नेता पार्थ पवार ने कहा था कि प्रशांत किशोर हमारे परिवार के परिचित हैं।
- प्रशांत किशोर एक जाने-माने चुनाव रणनीतिकार रहे हैं तथा नरेन्द्र मोदी, ममता बनर्जी व अरविन्द केजरीवाल के लिए सफल चुनावी रणनीतियां बना चुके हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। बिहार उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को हराकर हाल ही में जीत दर्ज करने वाले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख एवं महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से भेंट की। इस मुलाकात के बाद महाराष्ट्र भाजपा के एक मंत्री ने सुनेत्रा पवार को सलाह दी कि वे गठबंधन को प्रभावित करने वाला कोई कदम न उठाएं।

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री तथा नागपुर और अमरावती जिलों के संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, "ऐसा कोई कदम न उठाएं जिससे महायुति गठबंधन में दरार पड़ने की आशंका हो।" उनके इस बयान को सुनेत्रा पवार के लिए नसीहत के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा मंत्री बावनकुले ने कहा, "यह सुनेत्रा पवार की पार्टी का आंतरिक मामला है। लेकिन महायुति गठबंधन का हिस्सा रहते हुए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे सहयोगी दलों के बीच संदेह पैदा हो या किसी दल को नुकसान पहुंचे। सभी को महायुति की आचार संहिता का पालन करना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

107 साल पुराने सैंट्रल सैक्रेटेरियट क्लब की मान्यता रद्द

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। दिल्ली जिमखाना क्लब और जयपुर पोलो ग्राउंड के बाद अब 107 साल पुराना सेंट्रल सेक्रेटेरिएट क्लब बेदखली के विवाद के केन्द्र में आ गया है।

केन्द्र सरकार ने प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते

- दिल्ली जिमखाना, जयपुर पोलो ग्राउण्ड के बाद अब सैंट्रल सैक्रेटेरियट क्लब को खाली कराए जाने की तैयारी है।

हुए क्लब की मान्यता वापस ले ली। इसके बाद क्लब के परिसर को अपने कब्जे में लेकर उस पर ताला लगा दिया गया।

क्लब ने इस कार्रवाई को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। क्लब का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा और अकाली दल गठबंधन की राह पर हैं?

इनका मकसद है एंटी कांग्रेस एवं आप विरोधी वोटों का विभाजन रोकना

- हालांकि, यह गठबंधन चुनावी गणित की दृष्टि से उचित लगता है, पर, इसमें काफी रुकावटें हैं।
- अकाली दल के लिए अपने कार्यकर्ताओं को समझाना मुश्किल होगा कि किसान विरोधी भाजपा से हाथ क्यों मिला लिया, क्योंकि अकाली दल का कोर वोटर कृषि कानूनों को लेकर भाजपा से नाराज़ है।
- भाजपा के लिए भी अकाली दल से गठबंधन आसान नहीं होगा। सबसे पहले तो उसे राज्य में स्वतंत्र रूप से अपनी "ग्रोथ" रणनीति से ही समझौता करना होगा, इसके अलावा अकाली दल के पूर्व शासन की कारगुजारियों का बोझ भी उठाना होगा।
- अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर अटकलों का बाज़ार गर्म है, खासकर शुक्रवार को संसद परिसर में नरेन्द्र मोदी और सुखबीर सिंह बादल की मुलाकात के बाद।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) के बीच सुलह की बातचीत हो रही है?

शुक्रवार को संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बीच हुई बैठक के बाद इस बारे में अटकलें शुरु हो गईं। आधिकारिक तौर पर बताया गया कि बैठक में पंजाब से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें राज्य की कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या, आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताएं, प्रश्नपत्र लीक, सुशासन से जुड़े मुद्दे तथा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) से संबंधित विषय शामिल थे।

हालांकि किसी भी पक्ष ने बातचीत का ब्यौरा देने या गठबंधन की बातचीत की पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया, फिर भी चुनावों से कुछ महीने पहले हुई इस हाई प्रोफाइल बैठक ने इन पुराने सहयागियों के बीच संभावित सुलह को लेकर व्यापक राजनीतिक अटकलों को हवा दी है, जो दिसंबर 2020 में, अब रद्द हो चुके, कृषि कानूनों को लेकर अलग हो गए थे।

यदि दोनों दलों के बीच समझौता होता है तो पंजाब के बिखरे हुए राजनीतिक परिदृश्य में दोनों को इसका लाभ मिल सकता है। भाजपा के लिए यह गठबंधन शहरी क्षेत्रों से आगे बढ़कर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों तक पहुंच मजबूत करने का अवसर होगा, जहाँ शिरोमणि अकाली दल का सिख मतदाताओं और किसानों के बीच पारंपरिक प्रभाव अब भी बना हुआ है। इससे हाल के चुनावों में कमज़ोर प्रदर्शन के बाद भाजपा की राजनीतिक प्रासंगिकता और सीटों की संभावनाएं बढ़ सकती हैं तथा मुकाबला तीसरे या चौथे स्थान की लड़ाई से निकलकर त्रिकोणीय बन सकता है।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल के लिए भाजपा के साथ साझेदारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार दीवारी के मुख्य मार्गों पर हैरिटेज स्वरुप से छेड़छाड़ रोकें- हाई कोर्ट

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि चारदीवारी के मुख्य मार्गों के हैरिटेज स्वरूप के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, अदालत ने यहां हुए अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार व अन्य

- अदालत ने राज्य सरकार व नगर निगम को अवैध निर्माण हटाने के लिये भी कहा।

से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र शर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि जयपुर करीब तीन सौ साल पुराना शहर है, जो विश्व के प्रसिद्ध और हेरिटेज शहरों की सूची में अपना स्थान रखता है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ऐसी टैक्नॉलजी नहीं हो सकती, जो अपमानजनक और मनगढंत कंटैंट को स्वत: डिलीट कर दे

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायालय के फैसले का इंतज़ार करने में याचिकाकर्ता का काफी समय लगता है

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दायर मानहानि याचिका पर मैटा, एक्स और गूगल को निर्देश दिया कि गडकरी के खिलाफ, उन सभी पोस्ट को हटाया जाए, जो अपमानजनक, अश्लील व गाली गलौच से भरी हैं।
- कोर्ट ने कहा, आपके पास इतनी तकनीक है, क्या आपके पास ऐसा कोई तंत्र नहीं है, जो अश्लील और गाली गलौच से भरे कटैंट को चिन्हित करे और हटा दे।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अगस्त। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि सोशल मीडिया गाली-गलौच और मानहानिकारक सामग्री फैलाने का अनियंत्रित माध्यम नहीं बन सकता। अदालत ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन पोस्टों को तुरंत हटाने का आदेश दिया। साथ ही यह भी पूछा कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म ऐसी सामग्री की पहचान कर उसे खुद से हटाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं।

बुधवार को गडकरी को अंतरिम राहत देते हुए न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर ने मेटा, एक्स कॉर्प और गूगल एलएलसी को अदालत द्वारा "घृणित, अपमानजनक, अश्लील और मानहानिकारक" बताई गई पोस्टों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा, "पहली नज़र में ये पोस्ट अपमानजनक, घृणित और अश्लील हैं।" अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी सामग्री सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध नहीं रहनी चाहिए, खासकर तब जब युवा भी इन्हें देख सकते हैं।

अदालत ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी पर भी चिंता जताई। उसने पूछा कि क्या तकनीक का उपयोग करके साफ तौर पर अपमानजनक सामग्री की पहचान कर उसे हटाया नहीं जा सकता, ताकि पीड़ितों को हर बार अदालत का दरवाजा न खटखटाना पड़े।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति डॉक्टर ने कहा, "जब आपके पास इतनी तकनीक है तो क्या ऐसा कोई सिस्टम नहीं होना चाहिए जो ऐसे मामलों में तुरंत सक्रिय हो जाए? अगर कोई अश्लील या अपमानजनक सामग्री अपलोड करता है, तो उसे तुरंत पहचानकर हटा दिया जाना चाहिए। यह बिल्कुल घृणित है। कोई सिर्फ जहर उगल रहा है।"

अदालत ने कहा कि यदि भविष्य में इसी तरह की सामग्री, जिसमें एआई से बनाई गई या डीपफेक सामग्री भी शामिल हो, अपलोड की जाती है तो मंत्री सीधे संबंधित प्लेटफॉर्म से संपर्क कर सकते हैं और प्लेटफॉर्म को तुरंत कार्रवाई करनी होगी। अदालत ने यह भी कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए कि वे हर बार अदालत के आदेश का इंतजार करने के बजाय ऐसी सामग्री को स्वेच्छा से हटा सकें।

मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। तब तक सभी प्रतिवादियों को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

ये टिप्पणियां उस दीवानी मुकदमे की सुनवाई के दौरान की गईं, जिसे गडकरी ने मेटा, एक्स कॉर्प, गूगल एलएलसी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ कथित मानहानिकारक पोस्टों और एआई-निर्मित डीपफेक के मामले में दायर किया है यह सभी पोस्ट सरकार ने एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से संबंधित है।

अपने वकील संदीप लड्डा के माध्यम से दायर मुकदमे में केंद्रीय मंत्री ने कथित रूप से फर्ज़ी सामग्री को तुरंत हटाने, उसके प्रसार पर स्थायी रोक लगाने और 11 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है।

याचिका के अनुसार, कुछ गुमनाम उपयोगकर्ताओं ने एआई से तैयार किए गए वीडियो और फर्ज़ी पोस्ट अपलोड किए, जिनमें झूठा दिखाया गया कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन कार्यक्रम के लिए गडकरी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं। इनमें यह भी आरोप लगाया गया कि उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को इससे आर्थिक लाभ हुआ है।

मुकदमे में कहा गया है कि ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा ने एमएसएमई संशोधन विधेयक पारित किया

नई दिल्ली, 07 अगस्त। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा ने शुक्रवार को 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके

- दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित।

बाद, लगातार जारी शोर-शराबे और नारेबाजी के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 10 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने पर अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि 09 अगस्त को "भारत छोड़ो" आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ है। वर्ष 1942 में इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देशवासियों को 'करो या मरो' का मंत्र दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

पावटा। बाबा भूतनाथ कांवड सेवा संघ पावटा व संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति के तत्वावधान में नवां कांवड़ सेवा शिविर का बुधवार को शुभारंभ भरतदास धाम टोरडा महंत मंगलदास महाराज, बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर महंत जयराम दास त्यागी महाराज सहित साधु संतों के सानिंध्य व कर कमलो व पंडित मनोज शास्त्री द्वारा पूजा अर्चना कर कावड सेवा शिविर का शुभारम्भ किया गया। वही शक्ति कावड़ सेवा संघ रजि. पावटा द्वारा शिव भक्त कांवड़ियों का पुराना पेट्रोल पंप के पास 26वें शिविर का भरतदास धाम टोरडा महंत मंगलदास महाराज, बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर महंत जयराम दास त्यागी महाराज, गोपाल भैया मंदिर महंत मोहनदास रामायणी सहित साधु संतों के सानिंध्य व पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार, दिनेश शर्मा, हरी सैनी, बंशीलाल गेट, जुगल यादव, रामकरण वर्मा, बद्री प्रसाद चौहान सहित गणमान्य लोगोंकी उपस्थिति म पंडित अश्वनी शास्त्री, पूजा अर्चना करवाकर शुभारम्भ किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की समिति ने अरावली पर्वतमाला व क्षेत्र के संबंध में सुझाव लिए

अलवर। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अनुपालना में गठित उच्च स्तरीय समिति शुक्रवार को अलवर पहुंचकर सर्किट हाउस परिसर में जन परामर्श का आयोजन किया, जिसमें हितधारकों, पर्यावरणविदों एवं स्थानीय लोगों ने अरावली पर्वतमाला एवं क्षेत्र के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव एवं अभ्यावेदन दिए।

उच्च स्तरीय समिति में चेयर पर्सन एचपीसी, डीजी आईसीएफआरई एवं उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्ष कंचन देवी, डीआईजी फोरेस्ट अमित आनन्द व सुभाष आशुतोष, जीएसआई के रिटा. निदेशक राजेन्द्र कुमार शर्मा, वन मंत्रालय के पूर्व सचिव बृजमोहन सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट की इंवायरमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी स्कूल के डीन जगदीश कृष्णा स्वामी तथा सेंट्रल यूनिवर्सिटी

समिति में अध्यक्ष कंचन देवी, अमित आनन्द व सुभाष आशुतोष, राजेन्द्र कुमार शर्मा, बृजमोहन सिंह शामिल रहे।

ऑफ राजस्थान के प्रोफेसर लक्ष्मीकान्त ।शर्मा शामिल रहे।

जन परामर्श में उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्ष कंचना देवी ने कहा कि जन परामर्श में दिए गए सुझावों की विस्तृत विवेचना कर समावेशी रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें अरावली पर्वतमाला की परिभाषा व संरक्षण, वैज्ञानिक सीमांकन, पारिस्थितिकी, जैव विविधता तथा सतत खनन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समाहित किया जाएगा। इस दौरान अरावली पर्वतमाला

> ■ **अध्यक्ष कंचना देवी ने कहा कि जन परामर्श में दिए गए सुझावों की विस्तृत विवेचना कर समावेशी रिपोर्ट तैयार की जाएगी**

एवं क्षेत्र के संबंध में समेकित परामर्श हेतु जनप्रतिनिधिगण, संस्थाओं, हितधारकों एवं आमजन को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान जन परामर्श में जनप्रतिनिधिगण, पर्यावरणविद, संरक्षण विशेषज्ञ, गैर सरकारी संगठन, खनन पट्टा धारक, परियोजना प्रवर्तक, कृषक, खनन श्रमिक, स्थानीय लोगों इत्यादि ने अपने बहुमूल्य सुझाव रखें, जिसमें अरावली क्षेत्र के संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास के लिए जनहित को समाहित करने, वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कानूनों की प्रभावी पालना कराने इत्यादि विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

इसके पश्चात उच्च स्तरीय समिति ने टहला क्षेत्र के ग्राम खोहपालपुर, थाना इत्यादि क्षेत्र का निरीक्षण कर खनन पट्टों व बंद खनन पट्टों की खानों का दौरा किया। इस दौरान खनि विभाग के निदेशक एम.पी मीना, अतिरिक्त पीसीसीएफ टी.जे कविता, सीएफ उपकार बोराना, सीसीएफ सरिस्का संग्राम सिंह कटिहार, डीएफओ अलवर राजेन्द्र हुड्डा, एडीएम शहर अम्बालाल मीणा, खनि अभियन्ता पुष्पेन्द्र सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, पर्यावरणविद, संरक्षण विशेषज्ञ, गैर सरकारी संगठन, खनन पट्टा धारक, परियोजना प्रवर्तक, कृषक, खनन श्रमिक, स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

पावटा अंडरपास बंद होने पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

पावटा। पावटा अंडरपास में लगातार हो रहे जलभराव, गंदे पानी और बरसात के दौरान लगने वाले भीषण जाम की समस्या से परेशान क्षेत्रवासियों ने राहत की उम्मीद में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) बृजेश कुमार चौधरी को समस्या से अवगत कराया।

लोगों को उम्मीद थी कि प्रशासन अंडरपास से पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कर आमजन को राहत दिलाएगा, लेकिन इसके उलट प्रशासन ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अंडरपास के दोनों ओर डिवाइडर लगाकर रास्ता ही बंद करवा दिया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंडरपास में बरसात के समय गंदा पानी भर जाने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। कई बार वाहन पानी में फंस जाते हैं और लंबा जाम लग जाता है। लंबे समय से लोग इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग कर रहे थे, लेकिन जलभराव और जाम से निजात

> ■ **अंडरपास में जलभराव की शिकायत करना आमजन को पड़ा भारी, समाधान की बजाय दोनों ओर डिवाइडर लगाकर रास्ता कराया बंद**

दिलाने के बजाय अंडरपास को पूरी तरह बंद कर देना लोगों के लिए नई मुसीबत बन गया है।

रास्ता बंद होने से दुपहिया वाहन चालकों, महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूली छोटे-छोटे बच्चों तथा राहगीरों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है, वहीं रोजमर्रा की आवाजाही भी प्रभावित हो गई है।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग

टोंक। जिला आदिवासी कांग्रेस की ओर से बांसवाड़ा के मानगढ़धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का पटेल सर्किल टोंक पर पुतला दहन किया गया।

बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग चली आ रही है लेकिन केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत में इसे राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने से साफ मना किया है, इसी मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शुक्रवार को पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष फौजु राम मीणा ने कहा कि 17 नवंबर 1913 को 1500 से अधिक आदिवासियों को ब्रिटिश सरकार ने गोलियों का निशाना बनाया था तथा

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह का पुतला दहन किया।

राजस्थान के जलियांवाला बाग के नाम से मानगढ़ धाम जाना जाता है, स्वतंत्रता के लिए आदिवासियों ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि इसको राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं करना, बीजेपी की सबसे बड़ी नाकामी है तथा इसको लेकर आदिवासी समाज में रोष व्याप्त है।

इस अवसर पर पूर्वकांग्रेस जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, सावंत राम मीणा, चन्द्र प्रकाश मीणा, कोषाध्यक्ष केलाश मीणा एवं अन्य आदिवासी कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

अलवर। जिला रसद अधिकारी महेश चंद शर्मा ने बताया कि जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुसंचालन हेतु खाद्य सुरक्षा एवं सतर्कता समिति की आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना में अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के उपभोक्ताओं को पनी एलपीजी आईडी राशन कार्ड से मैन करावे, ताकि सभी उपभोक्ताओं मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना का लाभ मिल सके। खाद्य सुरक्षा लाभार्थी द्वारा गेहूं लेने उक्त एलपीजी आईडी को अपने उचित मूल्य दुकानदान से मैप करावे। साथ ही उपभोक्ताओं का एलपीजी कनेक्शनों में अपनी गैस एजेंसी पर जाकर ई-केवाईसी कराने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों जिनको बायोमैट्रिक सत्यापन नहीं होने कारण गेहूं प्राप्त नहीं हो रहा है।

डिब्बा बंद वस्तुओं की जांच

अलवर। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को डिब्बा बंद वस्तुओं की सही मात्रा उपलब्ध कराने एवं माप-तौल की नियमित जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 5 से 7 अगस्त तक संचालित विशेष अभियान के तहत आज विधि माप विज्ञान अधिकारी के दल ने जिले में विभिन्न फर्मों की जांच की जिसमें अनियमितता पाए जाने पर 1 लाख 20 हजार रूपये का जुर्माना आरोपित किया।

अभियान के तहत विधि माप विज्ञान अधिकारी नीरज वर्मा, बृजेश सेठी एवं विजय मीणा के दल द्वारा कम्पनियों द्वारा आज अब्राहम फूड लि., आरएसपीएल लि., सीबा मसाला उद्योग लि., निर्मल इंडस्ट्रीज प्रा.लि., प्रीमियर ऑयल्स लि. एवं जयन्ती कोल्ड ड्रिंक स्टोरेज सहित जयन्ती फूड प्रोडक्टस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जांच दल ने निर्मित या पैक किए जाने वाली वस्तुओं की नेट क्वांटिटी के साथ माप तौल उपकरणों के सत्यापन एवं मैन्युफैक्चरिंग/पैकिंग लाइसेंस की जांच की गई। जांच के दौरान अनियमितता मिलने पर संबंधित फर्मों पर 1 लाख 20 हजार रूपये राशि का जुर्माना लगाया गया तथा जुर्माने की राशि को राजकोष में जमा कराई गई। विधि माप अधिकारी नीरज वर्मा ने बताया कि आगामी दिनों में भी इस प्रकार जांच की कार्रवाई जारी रहेगी।

'सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी'

कोटपूतली। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि जिले में सफाई व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये प्रत्येक शहरी निकाय में नियमित, प्रभावी एवं सतत् सफाई सुनिश्चित की जायें। सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी तथा निर्धारित कार्यों में कमी पाये जाने पर संबंधित ठेका फर्मों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

> ■ **कलेक्टर ने बैठक में योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर दिया जोर**

उन्होंने यह निर्देश शुक्रवार को आयोजित शहरी निकायों की समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिये।

बैठक में एडीएम एवं प्रशासक नगर परिषद कोटपूतली ओमप्रकाश सहारण, नगर परिषद आयुक्त कोटपूतली अरुण शर्मा, नगर परिषद

कलेक्टर ने शहरी निकायों की समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बहरोड़ आयुक्त नूर मोहम्मद, नगर पालिका बानसूर के अधिशाषी अधिकारी विशाल यादव सहित जिले के अधिशाषी अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर ने मानसून के मद्देनज़र सभी शहरी निकायों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान नालों, नालियों एवं जल निकासी तंत्र की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि वर्षा जल का निर्बाध निकास हो सके और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न ना हो। जल भराव संभावित क्षेत्रों, निम्न इलाकों, बाजारों, मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार तत्काल सफाई एवं पम्पिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शहर में घर-घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था पूरी क्षमता से संचालित हो तथा कहीं भी कचरे का अनधिकृत ढ़ेर नहीं लगने दिया जायें। सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, मुख्य मार्गों, पार्कों, सरकारी कार्यालयों एवं सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जायें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाये और प्रत्येक कार्य की जवाबदेही तय की जाए।

अलवर निशु हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ मृत्यु के कारणों एवं संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने के मामले में सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विभाग द्वारा संवेदनशीलता के साथ विशेष गंभीरता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि अलवर के नंगला रायसिस स्थित निजी निशु हॉस्पिटल में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रसूता की डिलीवरी कराने के मामले में सख्त एक्शन लिया गया है।

इस मामले में उन्होंने निजी निशु हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। क्लीनिकल इस्टेबिलिशमेंट एक्ट के प्रावधानों के अनुसार अनियमितिता पाए जाने पर लाईसेंस निरस्त करते हुए समस्त गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गयी है। साथ ही अस्पताल संचालक डॉ. भुवनेश कुमार शर्मा के खिलाफ मेडिकल कॉउंसिल तथा नर्सिंगकर्मी ऱफीकन बानो के

> ■ **अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रसूता की डिलीवरी कराने के मामले में अस्पताल को सील किया**

खिलाफ कार्रवाई के लिए नर्सिंग काउंसिल को पत्र लिख दिया गया है। गौरतलब है कि दिनांक 4 अगस्त को अनाधिकृत रूप से चिकित्सक की अनुपस्थिति में डिलेवरी नर्सिंग कार्मिक द्वारा डिलेवरी मामले में प्रसूता अंजुम (पिंकी) पत्नी साहिल खान की मृत्यू हो गई थी। उन्होंने बताया कि इस तरह का मामला संज्ञान में आते ही सख्त एक्शन लिया गया है।

राठौड ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर जांची जाने वाली सभी गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के सही एवं अपडेट आंकडे तैयार कर समयबद्ध रूप से अपलोड किए जाएं। उन्होंने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान के लिए आंकड़ों की स्थानीय स्तर पर गंभीरता से मॉनिटरिंग करते हुए सभी को सेवाएं सुलभ कराने के निर्देश दिए हैं।

किशनगढ़ बास में न्यायपालिका की छत से पानी टपकने पर नगर पालिका को फटकार

किशनगढ़ बास। बारिश में न्यायपालिका और सरकारी दफ्तरों की सीलन से भरी दीवारे, छतों से टपकता पानी तथा बाहर लगे कचरे के ढेर ने न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारी के सामने सरकारी सिस्टम की पोल खोल दी। हुआ यह कि सुबह से हो रही बारिश में जब न्यायाधीश अजीत कुड़ी न्यायालय परिसर में पहुंचे तो देखा छत से पानी टपक रहा था, दीवारें सीलन से भरी थीं और बाहर कचरे के ढेर लगे थे। इसके बाद उन्होंने एसडीएम और पंचायत समिति कार्यालय का भी निरीक्षण कर भवन की स्थिति का जायजा लिया। स्थिति चिताजनक मिलने पर नगर पालिका को तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए।

शुक्रवार को सुबह से ही आ रही बारिश में जब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी न्यायालय पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर अचंभित रह गए। न्यायालय की छत से पानी टपक रहा था, दीवारों में सीलन से क्षित हों रही थी। न्यायाधीश कुड़ी ने इसे गंभीरता से लिया और एसडीएम सत्यवीर सिंह

> ■ **डीएलएसए सचिव अजीत कुड़ी ने निरीक्षण में मिली खामियों का तुरंत समाधान के लिए सम्बंधित विभागों को चिन्हित सभी कमियों का निराकरण सुनिश्चित कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए**

यादव व नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता रवि कुमार के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय सहित परिसर के एसडीएम और पंचायत समिति कार्यालय पहुंचकर बिल्डिंग का बारीकी से निरीक्षण किया।

न्यायाधीश ने निरीक्षण के दौरान पाया कि भवन की दूसरी मंजिल से कई स्थानों पर पानी का रिसाव हो रहा है, जिससे दीवारों में सीलन एवं क्षित की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

केवल पेड़ लगाना काफी नहीं, उसकी देखभाल करना भी जरूरी : शैलेन्द्र व्यास

खैरथल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की और से पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम प्राधिकरण अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास की मुख्य अतिथि में किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों और बच्चों ने मिलकर एक साथ पेड़ लगाएं और पर्यावरण बचाएंगे, धरती को हरा-भरा बनाएंगे का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्राधिकरण जिला अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास ने कहा घरती को हरा भरा रखने के लिए केवल "पेड़ लगाना काफी नहीं है, जब तक वो बड़ा न हो जाए तब तक उसकी माँ की तरह देखभाल भी जरूरी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ पौधे लगाना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी को बढ़ावा देना भी है। न्यायाधीश व्यास ने कहा पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी

खैरथल पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में पौधारोपण करते जिला जज एवं न्यायिक अधिकारी व स्कूल स्टाफ।

जरूरत है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उनकी नियमित सार-संभाल कर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

कार्यक्रम में जिला प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और संवर्धन के प्रति भी हमें सजग रहना होगा। इस दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदीश मीना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा कुमारी, एसीजेएम डॉ. सुरभि सिंह, सिविल न्यायाधीश खुशबू कंवरिया सहित न्यायिक अधिकारियों और विद्यालय प्रभारी प्राचार्य के.आर. मीना ने पौधे लगाकर बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और कम से कम एक

> ■ **पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में न्यायिक अधिकारियों एवं विधालय स्टाफ ने लगाए पेड़**

पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी लेने का आव्हान किया।

न्यायिक अधिकारियों के इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में कल्पवृक्ष, कदम, पिलखन, मोरिंगा, बेलपत्र व आम सहित विभिन्न छायादार तथा औषधीय महत्व के पौधे लगाए गए। इस दौरान सभी ने मिलकर पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। विद्यालय पहुंचने पर जिला जज शैलेन्द्र व्यास सहित न्यायिक अधिकारियों का विद्यालय प्रशासन और बच्चों ने स्वागत किया। वृक्षारोपण का सफल कर्यक्रम प्राधिकरण जिला सचिव अजीत कुड़ी के निर्देशन में पूरा किया गया।

सार-समाचार

निवाई में कलश यात्रा निकाली

निवाई। पंचदश नाम जुना अखाडा सन्यास आश्रम घाटा करीरिया में स्वामी कर्मानन्दगिरी महाराज के पावन सानिध्य में ब्रह्मिलन महामण्डलेश्वर संत स्वामी भजनानन्दगिरी महाराज का नवम निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। स्वामी कर्मानन्दगिरी महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि धर्म व सत्य की सदेव जीत होती है। भगवान की सेवा करने वाले भाग्यशाली होते है। उनकी सेवा करने से ही मनोकामनाए पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि गुरू की सेवा करना सबसे बडा धर्म है। गुरू की सेवा करने से ईश्वर की प्राप्ती होती है। इस दौरान कई पदयात्राएं पंचदश नाम जुना अखाडा सन्यास आश्रम पहुंची। पदयात्रा के जुलूस का जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामेश्वर पोसवाल, गोविन्द हाकला, गजबसिंह डोई, नादान करीरिया, शिवजीराम गुर्जर चाकसू, उमाशंकर पोसवाल, जगदीश बैद्य, रामेश्वर पोसवाल, मोहरसिंह कुंडेर, नेहनूलाल गुर्जर, रतन जाट, आशाराम गुर्जर, सूरज गुर्जर, देवराज गुर्जर, तेजकरण गुर्जर, ओपी गुर्जर, सूरज चौधरी, धर्मा चौधरी, कर्मचन्द मीणा, हंसराज यादव, कानाराम गुर्जर, रघु कसाणा व बबलेश जीवली सहित कई श्रद्धालु व जनप्रतिनिधि मौजद थे।

सांभर के युवा खिलाड़ियों का अभिनंदन

सांभरझील। सब-जूनियर स्टेट थ्रोबॉल चैंपियनशिप (बालक एवं बालिका वर्ग) के लिए जयपुर जिला टीम में सांभर की तीन युवा खिलाड़ियों का चयन होने पर श्री गोपाल गौशाला के पूर्व अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा के नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद (सांभर) के प्रखण्ड अध्यक्ष शरद कालानी, प्रखण्ड सचिव सुनील शर्मा, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुरेन्द्र सिंह राठौड़ तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय (कोच्या की ढाणी) की शारीरिक शिक्षिका संगीता कुमावत सहित अनेक खेल प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों ने अभिनंदन किया व पुष्प हार पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। शारीरिक शिक्षका संगीता कुमावत व सांभर स्पोर्ट्स फाउंडेशन के सचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक राजेंद्र कुमावत बताते है कि जोधपुर में होने वाली 9वीं सब-जूनियर स्टेट थ्रोबॉल चैंपियनशिप के लिए जयपुर टीम में दक्षराज सिंह, प्रद्युम्न कुमावत व चन्देश कुमावत का चयन क्षेत्र के लिए हर्ष का विषय है। यह तीनों खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बताना जरूरी है कि विगत कई सालों से राजकीय शाकंभर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुरेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में विभिन्न खेलों में क्षेत्र के सैकड़ो खिलाड़ियों ने देश भर में अपना लोहा मनवाया है।

213 बाल वाहिनी वाहनों के चालान बनाकर 27 वाहन जब्त

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशानुसार परिवहन विभाग द्वारा जिले में संचालित समस्त बाल वाहिनियों में स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक माह तक विशेष जांच अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत 29 जुलाई से 7 अगस्त तक 213 बाल वाहिनी वाहनों के चालान बनाकर 27 वाहनों को जब्त किया गया है। जिला परिवहन अधिकारी सविता भारद्वाज ने बताया कि अभियान के दौरान विभागीय टीम एवं पुलिस विभाग द्वारा नियम विरूद्ध संचालित वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 23 बाल वाहिनी वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई की गयी, जिनमें से बिना फिटनेस के 7 चालान, बिना परमिट के 10 चालान, बिना वैध पोल्यूशन सर्टिफिकेट के 7 चालान, बिना फर्स्टएड किट के 1 चालान एवं बिना वैध बीमा के 5 बनाए गए तथा 2 वाहनों को जप्त किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को लाने ले जाने के निजी वाहनों का व्यवसायिक रूप से बिना परमिट एवं बिना कर के संचालित होता पाये जाने पर 9 वाहनों के चालान बनाये गये। उक्त वाहनों से कर एवं जुर्माना राशि की वसूली नियमानुसार की जावेगी।

राजू ने मकान का पट्टा मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा फॉलोअप शिविर आमजन के सपनों को साकार करने में महती भूमिका निभा रहे हैं। शिविरों में एक ही जगह पर आमजन के मूलभत काम मौके पर होने से राज्य सरकार की अन्त्योदय के कल्याण की परिकल्पना साकार हो रही है। वहीं केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होकर आमजन राहत महसूस कर रहे हैं। गोविन्दगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भैंसडावत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में ग्राम बंधेडी निवासी राजू को मौके पर ही मकान का पक्का प्रदान कर राहत प्रदान की गई। लाभार्थी राजू को पट्टे के रूप में भूमि के स्वामित्व का हक मिलने पर लाभार्थी के चेहरे पर मुस्कान आ गई। तथा मकान पट्टा मिलने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

बंध बरेठा बांध का जलस्तर 27 फीट पहुंचा, दर्जनों गांवों में अलर्ट

भरतपुर। बयाना उपखंड के बंध बरेठा बांध क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बांध में पानी की तेज आवक बनी हुई है। बांध का जलस्तर बढ़कर 27 फीट तक पहुंच गया है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकता पड़ने पर बांध के गेट कभी भी खोले जा सकते हैं। यदि गेट खोले जाते हैं तो बांध से पानी की निकासी शुरू होने के साथ ही बहाव क्षेत्र के दर्जनों से अधिक गांव प्रभावित हो सकते हैं। इनमें ककरुआ, कंजौली, पूराबाई खेड़ा सहित कई गांवों में पानी भरने की आशंका है। इसके अलावा कई संपर्क मार्ग जलमग्न होने से आवागमन भी बाधित हो सकता है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बांध में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए प्रशासन और जल संसाधन विभाग पूरी स्थिति पर निगरानी रखे हुए हैं। प्रशासन ने बहाव क्षेत्र के गांवों के लोगों से अपील की है कि बांध के डाउनस्ट्रीम एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी स्थिति में बहते पानी को पार करने का प्रयास न करें। साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

नशा-मुक्ति की शपथ दिलाई

निवाई। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के 10 करोड़ नशा-मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत निवाई सेवा केंद्र द्वारा पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ, संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज निवाई सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने महाअभियान की जानकारी देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर के साथ-साथ मन, बुद्धि, परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त जीवन केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ व खुशहाल भविष्य की नींव है। युवा पीढ़ी यदि दृढ़ संकल्प व सकारात्मक सोच के साथ नशे से दूर रहे, तो समाज को नई दिशा दी जा सकती है। ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राजयोग का अभ्यास करवाते हुए मन को शांत, एकाग्र एवं शक्तिशाली बनाने की विधि बताई। उन्होंने कहा कि जब मन को सकारात्मक विचारों एवं श्रेष्ठ संगति का सहारा मिलता है, तो नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहना आसान हो जाता है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटने से युवक-युवती की मौत

जयपुर-अजमेर हाईवे पर गुरूवार देर रात हुआ दर्दनाक हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर-अजमेर हाईवे पर बगरू थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक और युवती की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि बारिश के पानी में तेज रफ्तार से दौड़ रही स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर तीन बार पलटी खाते हुए डिवाइडर से जा टकराई।

■ **प्रारंभिक पुलिस जांच में स्कॉर्पियो से शराब की बोतल मिलने की बात सामने आई है।**

हादसे में मृतकों की पहचान अमन मान (21), निवासी श्रीमाधोपुर (सीकर) और रेवती (24), निवासी डूंगरगढ़ (बीकानेर) के रूप में हुई है। वहीं नितेश (24), निवासी झाड़ली (सीकर) घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है।

हैड कांस्टेबल भंवरलाल के अनुसार हादसा बगरू स्थित बड़ के बालाजी के पास रात करीब 2 बजे हुआ। हेड कांस्टेबल अंजनी जांगिड़ ने बताया कि बारिश के दौरान स्कॉर्पियो की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक थी। सड़क पर जमा पानी में तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। ब्रेक लगाने के दौरान कार पलट गई और तीन बार पलटी खाते हुए डिवाइडर की रेलिंग पर चढ़कर रुक गई। हादसे में कार के साइड शीशे टूट गए। पुलिस के अनुसार सीट बेल्ट नहीं लगाने के कारण युवती रेवती कार से बाहर जा गिरी, जबकि कार चला रहा अमन स्टेयरिंग और सीट के बीच फंस गया। पीछे की सीट पर बैठा नितेश बेहोशी की हालत में मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अमन और रेवती को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो से शराब की बोतल मिलने की बात सामने आई है। इससे हादसे के समय शराब सेवन की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। पुलिस के अनुसार कार नितेश के चाचा की थी। तीनों युवक-युवती सिरसी रोड क्षेत्र से देर रात घूमने निकले थे। बगरू पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए हैं और मामले की जांच की जा रही है। मृतक अमन मानसरोवर में किराए पर रहकर पढ़ाई कर रहा था, जबकि रेवती मानसरोवर स्थित एक पीजी में रहकर राजस्थान पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी।

सहकारिता की योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

जयपुर । सहकारिता रजिस्ट्रार एवं शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। नेहरू सहकार भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में मुख्य प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के आधार पर संभाग व जिलों की प्रगति की समीक्षा की गई। संभाग स्तर पर उदयपुर प्रथम और जयपुर द्वितीय, जबकि जिला स्तर पर टोंक प्रथम और सीकर द्वितीय रहे। बैठक में 'सहकार से समृद्धि' अभियान के तहत गोदाम निर्माण, भूमि आवंटन, निष्क्रिय गोदामों के उपयोग, कस्टम हायरिंग सेंटर, ई-पैक्स तथा डेयरी समितियों की प्रगति की समीक्षा की गई। डॉ. शर्मा ने कहा कि गोदाम निर्माण केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि उनका प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों, लेखा परीक्षण, ई-फाइलों, न्यायालयीन मामलों और मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

फॉर्च्यूनर सवार युवकों पर गोलियां बरसाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों ने पिछले दिनों किया था जानलेवा हमला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । दौलतपुरा थाना क्षेत्र में फॉर्च्यूनर सवार युवकों पर जानलेवा फायरिंग करने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फायरिंग गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर फायरिंग करना स्वीकार किया है। पुलिस अब फरार साथी, वारदात में इस्तेमाल हथियार, वाहन और हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की तलाश में जुटी है।

दौलतपुरा थाना पुलिस ने फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

■ **पुलिस अब फरार आरोपियों, वारदात में इस्तेमाल हथियार, वाहन और हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की तलाश में जुटी है।**

जयपुर पश्चिम पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि 3 अगस्त को परिवादी राजेंद्र मीणा ने दौलतपुरा थाने में फायरिंग की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी के अनुसार वह अपने साथी रविंद्र मीणा उर्फ राजवीर के साथ फॉर्च्यूनर से जा रहा था। लक्की पंजाबी ढाबे के पास साथी को उतारने के लिए रुकने के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने जान से मारने की नीयत से उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वारदात के बाद आरोपी बाइक से फरार हो गए।

दिनदहाड़े हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और संदिग्धों की जानकारी जुटाने के साथ पुलिस ने करीब 50 लोगों से पूछताछ की। लगातार जांच के बाद पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर फायरिंग की वारदात करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद नितेश कुमार मीणा (26) निवासी बाड़ी सदर जिला धौलपुर और अनिल कुमार मीणा उर्फ सुख्खा (23) निवासी बसेड़ी जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। नितेश मीणा के खिलाफ बाड़ी सदर और हिंडौन सदर सहित विभिन्न थानों में मारपीट, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। वहीं अनिल उर्फ सुख्खा के खिलाफ नादनपुर और विश्वकर्मा थाने में मारपीट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर फायरिंग के कारणों, वारदात में शामिल अन्य लोगों और हथियारों के स्त्रोत का पता लगा रही है। फरार साथी और अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

संविदा नर्सिंगकर्मियों का उग्र प्रदर्शन

जयपुरिया अस्पताल की 90 फीट ऊंची टंकी पर चढ़े तीन कर्मचारी

जयपुर (कासं)। अपनी मांगों को लेकर संविदा नर्सिंगकर्मियों ने शुक्रवार को जयपुरिया अस्पताल परिसर में उग्र प्रदर्शन किया। एक महिला सहित तीन संविदा नर्सिंगकर्मी अस्पताल परिसर स्थित करीब 90 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गए और भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर नीचे उतरने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि राज्य सरकार जल्द से जल्द नर्सिंग ऑफिसर के 12 हजार और एएनएम के 7 हजार पदों पर भर्ती जारी करे तथा भर्ती प्रक्रिया मेरिट और बोनस अंक के आधार पर की जाए।

जानकारी के अनुसार संविदा नर्सिंगकर्मी विमल शर्मा (32), रॉबिन शर्मा (28) और संजीता चौधरी (30) शुक्रवार तड़के करीब 3:40 बजे जयपुरिया अस्पताल परिसर की पानी की टंकी पर चढ़े थे। दिनभर हुई तेज बारिश के बावजूद तीनों अपनी मांगों पर अड़े रहे और नीचे उतरने से मना कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद दोपहर में बड़ी संख्या में अन्य संविदा नर्सिंगकर्मी भी उनके समर्थन में जयपुरिया अस्पताल पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वहीं इस मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए टंकी के नीचे सुरक्षा जाल लगाया गया है। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने टंकी के आसपास जमा हुए समर्थक नर्सिंगकर्मियों को नियंत्रित कर उन्हें कुछ दूरी पर कर दिया।

टंकी पर चढ़े नर्सिंगकर्मियों का कहना है कि वे पिछले दो वर्षों से सरकार, मंत्रियों और अधिकारियों के समक्ष अपनी मांगें रख रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि संविदा कर्मचारी लंबे समय से कम वेतन पर सेवाएं दे रहे हैं और नियमित कर्मचारियों की तरह काम करने के बावजूद उन्हें स्थायी नियुक्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आर्थिक और मानसिक परेशानियों के कारण उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिलहाल प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत जारी है।

नगरीय निकाय चुनावों के लिए प्रत्याशियों की खर्च सीमा तय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका) चुनाव में प्रत्याशियों के लिए चुनाव खर्च की सीमा तय कर दी गई है। इस बार नगर निगम और नगर परिषद् के पार्षद प्रत्याशियों के लिए चुनावी खर्च सीमा 1-1 लाख रुपए बढ़ाई गई है, जबकि नगर पालिका के पार्षद उम्मीदवारों के लिए 50 हजार रुपए की खर्च सीमा राशि में वृद्धि की गई है। इसके साथ ही चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों की गाड़ियों की संख्या भी निर्धारित कर दी गई है।

आयोग की ओर से जारी गाइडलाइन के मुताबिक, नगर निगम में पार्षद प्रत्याशी अब 2.5 लाख रुपए के बजाय 3.5 लाख रुपए चुनाव में खर्च कर सकेंगे। जबकि नगर परिषद के प्रत्याशी भी 1.50 लाख रुपए के बजाय इस बार 2.50 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे। वहीं नगर पालिकाओं के पार्षद उम्मीदवार अब 1 लाख रुपए के बजाय डेढ़ लाख रुपए चुनाव प्रचार में खर्च कर सकेंगे।

आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक, मतदान (वोटिंग) वाले दिन अगर कोई प्रत्याशी गाड़ी का उपयोग करना चाहता है, तो उसे इसके लिए अलग से अनुमति लेनी होगी। चुनाव कार्यालय (ऑफिस) पर लाउड स्पीकर लगाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध (बैन) रहेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव में होने वाले खर्च के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को बजट का भी आवंटन कर दिया है। प्रदेश के 10 नगर निगमों में चुनाव के दौरान चुनाव कर्मचारियों के के लिए आयोग ने सभी निर्वाचन अधिकारियों को कुल 10.31 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के चुनाव के लिए 19.33 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। आयोग ने प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने के लिए जो गाइडलाइन जारी की है, उसमें हर प्रत्याशी को चुनाव परिणाम आने के 15 दिन बाद हर हाल में चुनाव खर्च का ब्यौरा देने के लिए कहा है।

श्री विष्णु गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर । श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी रविवार को छोटी काशी जयपुर के मंदिरों में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा-अर्चना करेंगे। कामिका एकादशी के पावन अवसर पर आराध्य देव श्री गोविंद देवजी मंदिर में सुबह 8 बजे से नि:शुल्क श्री विष्णु गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं को आहुतियां प्रदान करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए किसी भी श्रद्धालु को अपने साथ पूजन सामग्री लाने की आवश्यकता नहीं है। इस धार्मिक महायज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ, ब्रह्मपुरी की टोली द्वारा संपन्न कराया जाएगा।

सार-समाचार

8-9 अगस्त को एआईबीओए का राष्ट्रीय अधिवेशन केरल के त्रिवेंद्रम में होगा

सूरज भान सिंह आमेरा

जयपुर (कासं)। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) का नौवां राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अगस्त को त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित होगा। अधिवेशन में देशभर के वाणिज्यिक, सहकारी, ग्रामीण एवं निजी बैंकों के करीब 1500 अधिकारी प्रतिनिधि शामिल होंगे। एआईबीओए के राजस्थान महासचिव नरेश शर्मा ने बताया कि राजस्थान से सहकारी बैंकों का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव एवं सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा करेंगे। राजस्थान से अन्य बैंकों के 18 अधिकारी प्रतिनिधि भी अधिवेशन में शामिल होंगे। आमेरा के अनुसार अधिवेशन में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह, अधिकारियों के निर्धारित कार्य घंटे, गैर-बैंकिंग कार्यों से राहत, थर्ड पार्टी उत्पादों की गलत बिक्री पर रोक, बैंक निजीकरण पर रोक, पेंशन व्यवस्था सहित सहकारी बैंकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। सहकारी बैंकों में दो-स्तरीय बैंकिंग व्यवस्था, नेट बैंकिंग व व्यवसाय विस्तार के मापदंडों में बदलाव तथा प्रबंध निदेशक पद के लिए 'फिट एंड प्रॉपर' नीति लागू करने के मुद्दे भी प्रमुख रहेंगे।

चोट के कारण शारीरिक दक्षता टेस्ट में शामिल होने में असमर्थ अभ्यर्थियों को राहत

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उप निरीक्षक, प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2025 में चोट के चलते शारीरिक दक्षता टेस्ट में शामिल नहीं हो पाने वाले अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत दी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि याचिका लंबित रहने के दौरान प्रार्थी के अधिकार सुरक्षित रहेंगे तथा उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल निर्णय नहीं लें। वहीं मामले में राज्य सरकार, राजस्थान लोक सेवा आयोग व पुलिस विभाग से जवाब मांगते हुए सुनवाई 14 अगस्त को रखी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश दिनेश कुमार व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा व अभिषेक देवंदा ने बताया कि प्रार्थी लिखित परीक्षा के बाद शारीरिक दक्षता टेस्ट के लिए पात्र घोषित हुए, लेकिन दौड़ और लंबी कूद का अभ्यास करते समय उसके घुटने में गंभीर चोट आ गई। चिकित्सक ने उसे दौडऩे, कूदने और अन्य शारीरिक गतिविधियों से बचने की सलाह दी है। उसे शारीरिक दक्षता परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी हो गया है, लेकिन तय तिथि पर दौड़ और लंबी कूद में भाग लेना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए स्वस्थ होने के बाद उसे समान मापदंडों के अनुसार टेस्ट में शामिल होने का मौका दें। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को राहत दी है।

बीएसएनएल टीमों को दिए इलेक्ट्रिक वाहन

जयपुर । अमेण्डेड भारतनेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए बीएसएनएल राजस्थान ने ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस कार्यों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को रवाना किया। मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को निर्धारित कार्यक्षेत्रों के लिए रवाना किया। इन वाहनों का उपयोग फॉल्ट रिपेयर टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की तकनीकी खराबियों को जल्द दूर करने में करेंगी। करीब 35 टीमों को आधुनिक टेस्टिंग एवं मेजरिंग किट भी उपलब्ध कराई गईं। मालवीय ने कहा कि बीएसएनएल राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। परियोजना से ग्रामीण क्षेत्रों में तेज एवं विश्वसनीय इंटरनेट के साथ डिजिटल शिक्षा, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाओं और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा।

स्तनपान को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प

जयपुर । विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने यूनिसेफ और प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के साथ मिलकर स्तनपान को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम आहार है और स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव रखता है। शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में विशेषज्ञों ने कहा कि स्तनपान शिशु के पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे कुपोषण, संक्रमण और बाल मृत्यु के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। राठौड़ ने कहा कि जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू, छह माह तक केवल मां का दूध और इसके बाद पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को नवप्रसूताओं की नियमित काउंसलिंग कर स्तनपान के लाभों की जानकारी देने के निर्देश दिए।

तेज बारिश के बीच हवामहल व सिटी पैलेस घूमने पहुंचे ब्रिक्स प्रतिनिधि

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में ''ब्रिक्स'' मीटिंग में हिस्सा लेने विभिन्न देशों ब्राजील, ईरान, चीन, इथोपिया और भारत के उद्योग जगत के प्रतिनिधि पिंकसिटी आए हुए हैं। शुक्रवार को पांच देशों के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को तेज बारिश के बीच गुलाबी नगरी के हैरिटेज जगहों पर विजिट की। बारिश के बावजूद प्रतिनिधियों ने पहले सिटी पैलेस का भ्रमण किया। इसके बाद हवामहल पहुंचकर जयपुर की ऐतिहासिक धरोहर को करीब से जाना।

ब्रिक्स प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को जयपुर में बारिश के बीच ही हवामहल और सिटी पैलेस का भ्रमण किया। इस दौरान हवामहल के सामने फोटो की खिंचवाई।

इस मौके पर ब्राजील के एक डेलीगेट ने कहा कि, अगर हवामहल नहीं आते तो बहुत मिस करते। सिटी पैलेस में बने भव्य दरवाजे खास तौर पर प्रीतम चौक के चारों ओर बने चार दरवाजे देख मेहमान आकर्षित हुए। प्रतिनिधियों ने सिटी पैलेस परिसर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया। यहां की स्थापत्य शैली, कलाकृतियों, दरवाजों और उनसे जुड़ी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जानकारी ली।

हवामहल पर डेलीगेट्स का ऑफिशियल फोटो शूट भी हुआ। वहीं तेज बारिश में भी हवामहल देखने को लेकर मेहमानों का उत्साह चरम पर रहा। सिटी पैलेस में पर्यटक गाइड मदन सिंह राजपुरा ने प्रतिनिधियों को दरवाजों पर बनी गणेश और मोर की आकृतियों के सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि भारतीय संस्कृति में घरों के प्रवेश द्वार पर भगवान गणेश की उपस्थिति शुभ मानी जाती है। वहीं मोर भारत की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

सिटी पैलेस के बाद प्रतिनिधिमंडल हवामहल पहुंचा। इस दौरान जयपुर में तेज बारिश हो रही थी, लेकिन विदेशी मेहमानों ने मौसम की परवाह किए बिना ऐतिहासिक स्मारक देखने का उत्साह बनाए रखा। हालांकि बारिश तेज होने के कारण प्रतिनिधियों का हवामहल पूरा नहीं घूम सके। हालांकि यहां मुख्य रूप से फोटो सैशन किया गया।

फुलेरा में रेलवे की संरक्षा संगोष्ठी

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ की जयपुर मंडल की फुलेरा शाखा के तत्वावधान में रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में संरक्षा संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठी की अध्यक्षता संघ के जोनल महामंत्री विनोद मेहता ने की, जबकि मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन मुख्य अतिथि रहे। रवि जैन ने कहा कि सुरक्षित ट्रेन संचालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कर्मचारियों में लगातार जागरूकता जरूरी है।

जोनल महामंत्री विनोद मेहता ने आधुनिक ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों, जोखिम प्रबंधन, सिग्नल नियमों, गति सीमा और सतर्कता आदेशों के पालन पर जोर दिया।

सीनियर मंडल सेफ्टी ऑफिसर मनमोहन मीणा ने कहा कि जयपुर मंडल में किसी कर्मचारी के साथ अनहोनी न हो, इसके लिए समय-समय पर संरक्षा संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इस दौरान कर्मचारियों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं भी अधिकारियों के समक्ष रखीं। संघ पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के साथ वार्ता करने का आश्वासन दिया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने युवा मतदाताओं से किया संवाद

श्रीराधा गोविंद राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को युवा मतदाता संवाद को राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने संबोधित किया।

जयपुर (कासं)। श्रीराधा गोविंद राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए मतदान के अधिकार, दायित्व और लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने युवाओं से निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने तथा अन्य नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का चयन जाति और धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, कर्तव्यनिष्ठा, चरित्र और विकासोन्मुख कार्यों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने निर्वाचन आयोग की भूमिका, चुनावी खर्च, उम्मीदवारों की उम्र व शिक्षा, छात्रसंघ चुनाव, जातिवाद और परिवारवाद सहित विभिन्न विषयों पर सवाल किए, जिनका आयुक्त ने जवाब दिया। महाविद्यालय निर्वाचन साक्षरता क्लब की प्रभारी प्रो. नीलम शर्मा ने मतदाता जागरूकता से जुड़ी आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पी.पी.पी. मॉडल के प्रभावी क्रियान्वयन पर उच्चस्तरीय मंथन किया

राजस्थान में आधुनिक स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास के लिए निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता और निवेश का लाभ लेने पर जोर

जयपुर (कासं)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को नई दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए पीपीपी मॉडल की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। राजस्थान की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल, उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा, राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के ओएसडी डॉ. अजीत सिंह तथा वित्त विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. भारती दीक्षित सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि पीपीपी मॉडल के माध्यम से राज्य में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी जांच केंद्र, डायलिसिस सेंटर, हृदय रोग उपचार सुविधाएं, टेलीमेडिसिन, चिकित्सा परिवहन तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा सकता है। इससे निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता और निवेश का उपयोग करते हुए आमजन को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

बैठक में भारत सरकार की व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण (वीजीएफ) तथा इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट डेवलपमेंट फंड (आईआईपीडीएफ) योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इनके माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र की पीपीपी परियोजनाओं को वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें अधिक व्यावहारिक एवं मजबूत बनाया जा सकता है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और ओडिशा में पीपीपी मॉडल के तहत स्थापित मेडिकल कॉलेजों, आधुनिक जांच केंद्रों, हृदय रोग केंद्रों एवं अस्पतालों के सफल मॉडलों के अनुभव भी साझा किए गए। बैठक में राजस्थान की स्थानीय आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप पीपीपी मॉडल के विभिन्न विकल्पों का अध्ययन कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि इसका उद्देश्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर आमजन को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

जर्जर मकान तोड़ने के दौरान बिजली पोल पर गिरा मलबा

जयपुर । राजधानी जयपुर में एक दिन पहले हुए जर्जर घर को मकान मालकिन ने खुद ही तुड़वाना शुरू कर दिया। मकान में गुरुवार को दरारें आने से 8 परिवारों के करीब 40 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था।

मामला गलता गेट थाना क्षेत्र के मोहल्ला टिक्कीग्रान ईदगाह पांच नीम का है। वहीं नगर निगम ने मकान मालकिन रेहना सुल्ताना को नोटिस जारी किया था। निगम ने इस मकान को तोड़ने के लिए 12 लाख रुपए का खर्चा बताया था। इस पर मकान मालिक ने खुद शुक्रवार शाम से यह कवायद शुरू कर दी। इस दौरान आसपास क्षेत्र की बिजली बंद नहीं की गई थी। वहीं कार्रवाई के दौरान मकान का मलबा बिजली पोल पर गिर गया। इससे चिंगारियां निकली तो आसपास के लोग डर गए। मकान तोड़ने से पहले आसपास के घरों को एहतियातन खाली कराया गया। गलता गेट थाना पुलिस ने मकान के आसपास निकलने वाली तीनों गलियों में बैरिकेडिंग कर आवाजाही पूरी तरह रोक दी। पुलिस ने लोगों को बैरिकेड्स के आगे नहीं जाने की हिदायत दी और चेतावनी दी कि मकान कभी भी गिर सकता है। वहीं नगर निगम ने गुरुवार को मकान के जर्जर होने की सूचना मिलने के बाद नोटिस चस्पा किया था। जांच में मकान जर्जर अवस्था में मिला। निगम ने बताया कि मरम्मत संभव नहीं है, इसलिए मकान को तोड़ना ही एकमात्र विकल्प है। नगर निगम ने मकान मालिक को घर तोड़ने के लिए 12 लाख रुपए का अनुमानित खर्च बताया था।

It's Time to Celebrate Our Furry Companions

International Cat Day, celebrated on August 8, is a global tribute to our feline companions, honouring their charm, independence, and playful spirit. Established in 2002 by the International Fund for Animal Welfare (IFAW), the day also raises awareness about the welfare and protection of cats worldwide. Whether they're curling up on windowsills or confidently patrolling their territories, cats have a unique ability to comfort and entertain. On this day, cat lovers share adorable pictures, adopt shelter cats, and support feline-focused charities. It's a purr-fect reminder to appreciate the joy and companionship that cats bring into our lives.

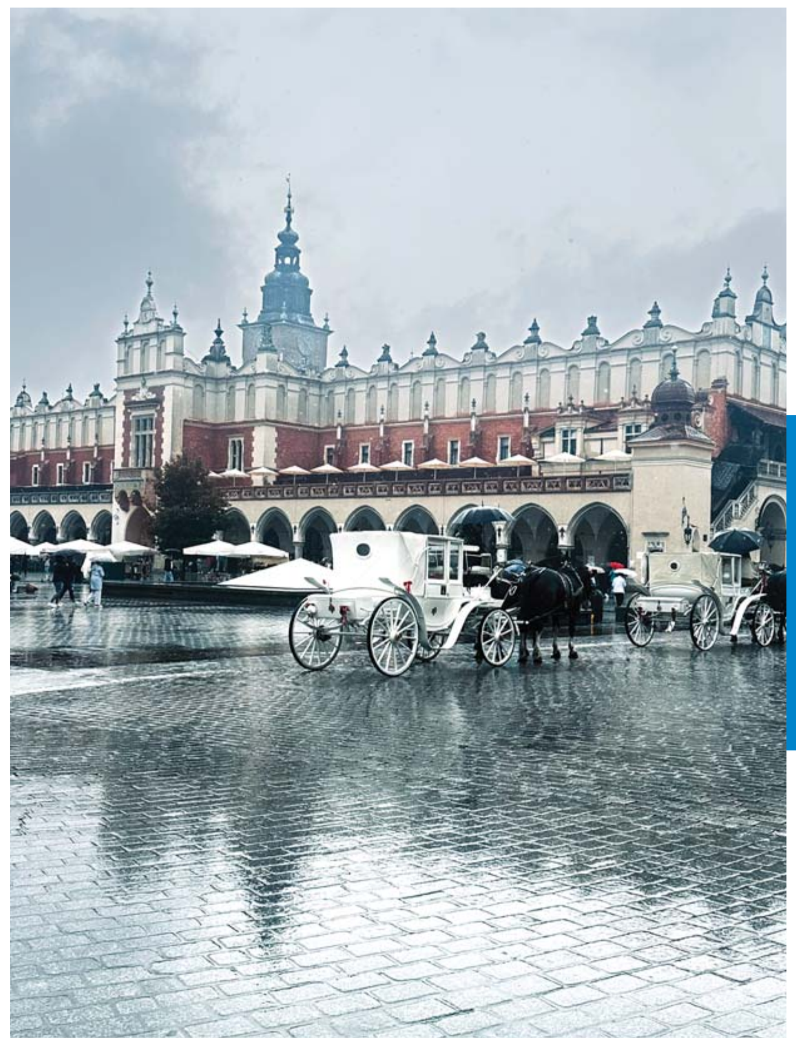

What Poland Left Me With

Ghetto Heroes Square was perhaps the quietest place we visited. Seventy bronze chairs stand across the square, marking the site of the former Kraków Ghetto. They represent the belongings left behind by Jewish families who were forced from their homes and deported during the Holocaust. There are no grand sculptures or dramatic memorials, just empty chairs, and the silence they leave behind.

#TRAVELOGUE

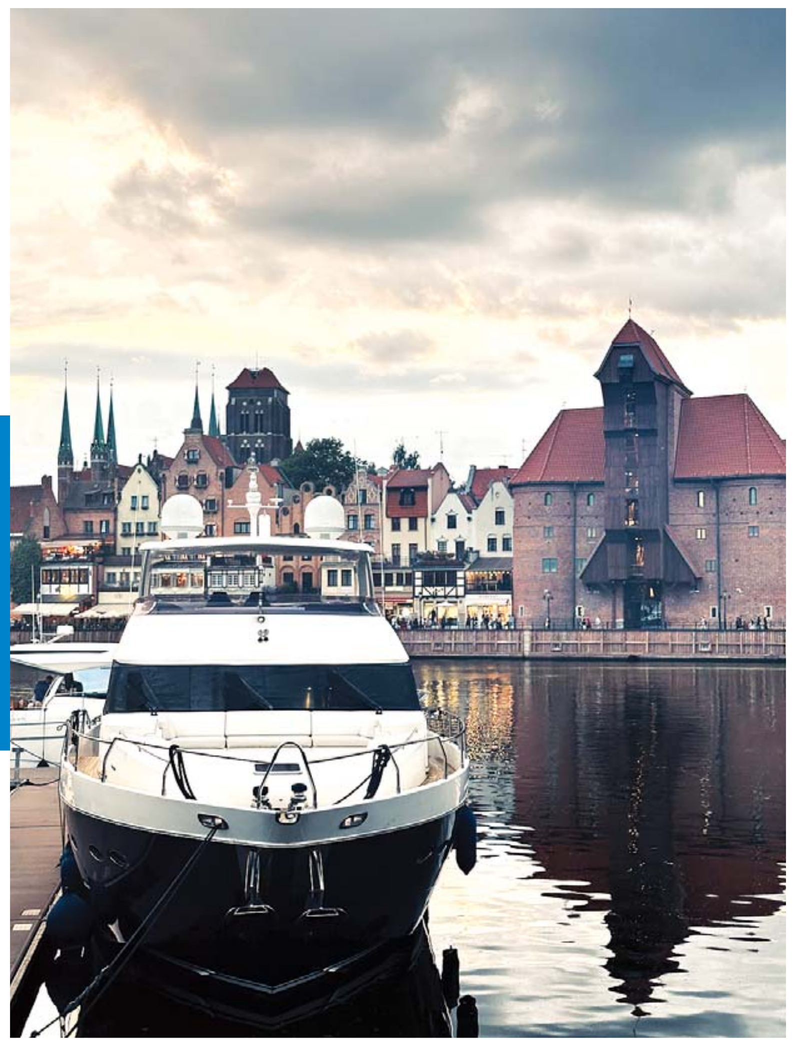

● Divija Singh

Some journeys begin months before you pack your bags. Mine began during a three-hour layover at Warsaw Airport. I was on my way to Paris earlier that year, but something about those few quiet hours in Warsaw stayed with me. I couldn't explain it then. I only knew I wanted to return.

A few months later, with my Schengen visa nearing its expiry and my mother's seventieth birthday approaching, I asked her, "How about Poland?" It became my birthday gift to her, and perhaps, an unexpected gift to myself.

Poland wasn't a destination many people spoke about. Very few had travelled there or had stories to tell. Perhaps, that was exactly what drew us there, the chance to experience somewhere unfamiliar.

To understand Poland, I realised, you first have to understand its history. Few countries have endured what Poland has. In the late eighteenth century, it disappeared as an independent nation from the map of Europe for 123 years after being partitioned between Russia, Prussia and Austria. It regained its independence only in 1918, only to be invaded again by Nazi Germany and the Soviet Union in 1939. Warsaw was reduced to rubble during the Second World War, with nearly 85% of the city destroyed. Yet, from those ruins, Poland rebuilt itself with remarkable resilience. The Holocaust forever altered Poland's social and cultural fabric. Before the war, Poland was home to Europe's largest Jewish community; today, only a small community remains, a quiet reminder of a history that continues to shape the country.

The French have a word I have always loved, flâneur. A flâneur is someone who wanders without urgency, discovering a city simply by walking through it. That is exactly how I like to travel. Of course, I always have a short list of sights I want to see and food I refuse to leave without trying. But once that is done, I put away the map and simply walk. The cafés tucked into side streets, the neighbourhood bakeries, the conversations overheard, the parks and bars filled with locals rather than tourists, that is when I feel I have truly begun to know a place.

Warsaw rewarded exactly that way of travelling and curiosity. The first thing I noticed was the space. European capitals often feel crowded with tourists; Warsaw never did. The city moved at an unhurried pace. Wide boulevards gave way to cobbled lanes, restored façades stood alongside reminders of another era, and there was a quiet confidence about the city.

I always tend to stay near the Old Town when in Europe, the charm it holds is hard to beat. Warsaw was calm and understated, beautiful without trying too hard. What fascinated me most was its architectural landscape. The meticulously reconstructed Old Town, rebuilt after the Second World War, is a harmonious blend of Renaissance, Baroque and Gothic architecture, recreated with remarkable fidelity to its original form. Just beyond it, elegant Neoclassical buildings along the Royal Route give way to gleaming contemporary skyscrapers and reminders of the city's Socialist Realist past. It is this contrast that stayed with me most, a city where history and modern life sit comfortably alongside one another.

At the heart of the Old Town stands Warsaw's beloved Syrenka, the legendary mermaid armed with a sword and shield, a symbol of the city's courage and resilience. By evening, the square came alive with people, cafés and music. I loved the hustle and bustle, and we settled down for what would be our introduction to Polish cuisine.

This is where we discovered *pierogi*, Poland's iconic handmade dumplings, traditionally filled with everything from potatoes and cheese to mushrooms, meat or seasonal fruits. Soft, comforting and wonderfully versatile, they are as much a part of Polish identity as pasta is to Italy.

Zurek was the other dish we fell completely in love with. September had brought a slight chill to the air and the occasional shower, and this comforting soup made from fermented rye flour, served with smoked sausage, boiled egg and potatoes, was exactly what we found ourselves craving. By the end of the trip, we were ordering it almost everywhere we went.

As someone who happily orders pork over almost anything else, and plans holidays around what to eat next, Polish food was impossible not to fall in love with.

Poland's *kielbasa* is more than just a sausage; it is part of the country's culinary identity. With centuries of shared borders, trade and history, Poland and Germany have long influenced each other's cuisines.

Poland's sausage-making tradition is distinctly its own. Smoky, beautifully seasoned and predominantly made from pork, every variety we tried was exceptional.

Our next stop was Gdansk, a train journey that introduced us to a completely different side of Poland, which won us over because of its maritime history with quiet confidence, and became my mother's favourite place.

Walking along the Motlawa River, the medieval Zuraw wooden crane, once among the largest port cranes in Europe, still stands as a reminder of the city's centuries as one of the Baltic's great trading ports.

A short twenty minute train ride, from Gdansk railway station, with its red brick façade was an architecture marvel, took us to Sopot, any city built around water just slows us down. We spent an afternoon by the Baltic Sea with fresh fish, local beer and nowhere in particular to be. Some places don't ask you to sightsee, they simply ask you to stay a little longer. We wandered along its famous wooden pier before settling down to fresh fish and local beer, seafood is what stood out here being around the water, there are fish restaurants on both sides of the streets serving literally just fish and chips, the freshest catch.

Another thing I love about travelling is the coffee breaks far outnumber my usual quota, if I see a pretty café, I just have to stop, and then chat and chat about my day, recall all that we did and make plans for the next

Wroclaw was not part of our original plan. I had read about it almost on a whim, and I am so glad we decided to include it. It turned out to be one of the highlights of the trip.

The city's famous dwarfs added immensely to its charm. As you walk through Wroclaw, you find yourself doing two things at once, taking in the sights while constantly looking out for the tiny bronze dwarfs tucked away in the most unexpected corners. At first, it feels like a game, but you soon discover that they represent something far more meaningful. The dwarfs trace their origins to the Orange Alternative movement of the 1980s. During communist rule, anti-government graffiti was often painted over by the authorities, so, activists began painting dwarfs over the covered-up spots as a humourous form of protest. Today, more than 800 bronze dwarfs are scattered across the city, transforming a symbol of quiet defiance into one of Wroclaw's most beloved traditions. We managed to spot around forty of them, though, I suspect we walked past many more without even noticing.

The frescoed ceilings inside the churches were equally unforgettable. I spent so much time looking up at them that I was convinced I'd return home with a crick in my neck.

Kraków ended up being my favourite city in Poland. We stayed near Kazimierz, the city's historic Jewish Quarter, while the magnificent Old Town was just a short walk away. The contrast between the two was fascinating. The Old Town was grand and bustling, while Kazimierz felt more intimate, with its cafés, independent galleries, bookshops and bars tucked into almost every corner.

Once the centre of Jewish life in Kraków for centuries, Kazimierz fell silent after the devastation of the Holocaust. In recent decades, however, it has been revitalised into one of the city's most vibrant neighbourhoods, where synagogues, cafés, galleries and restaurants exist side by side. It is a place where history isn't hidden, it quietly lives alongside everyday life.

Kazimierz also offered a glimpse into Poland's Jewish culinary heritage. We tried a comforting bowl of *cholent*, the traditional slow-cooked *Sabbath stew* whose simplicity belied its depth of flavour. In a neighbourhood where history is woven into every street, even the food seemed to carry stories of the community that once thrived there.

One of the purest ways to understand a country is to eat the way its people do, that brings me to one of Poland's iconic institutions, the Milk Bars (Bar Mleczny), originated in the late 19th century but became an important part of everyday life during the communist era. They were government-subsidised canteens serving simple, affordable Polish food to workers, students and families. Today, many still operate, preserving traditional recipes and offering a glimpse into Poland's culinary and social history.

While Poland is often synonymous with vodka, it was the country's beer culture that won me over. Brewing traditions here date back to the Middle Ages, and every city seemed to have another brewery worth discovering. From crisp lagers and wheat beers to rich porters and fruit-infused brews, there was always something new to try. Kazimierz, with its lively bars and breweries, was the perfect place to experience that side of Poland. Almost every memorable meal ended the same way, with a small glass of wiśniówka, Poland's traditional cherry liqueur. Sweet, gently warming and never overpowering, it felt less like an after-dinner drink and more like a quiet ritual of hospitality. Yet, Ghetto Heroes Square was perhaps the quietest place we visited. Seventy bronze chairs stand across the square, marking the site of the former Kraków Ghetto. They represent the belongings left behind by Jewish families who were forced from their homes and deported during the Holocaust. There are no grand sculptures or dramatic memorials, just empty chairs, and the silence they leave behind.

Poland didn't leave me with postcard memories. It left me with perspective.

A country that has rebuilt itself with such quiet dignity teaches you that resilience doesn't always announce itself.

I travelled to Poland expecting another European holiday. I came back carrying a history I hadn't expected to feel so deeply. Perhaps, that is what stayed with me most, a country that wears its history with honesty, preserves its traditions with quiet pride and is completely comfortable in its own identity.

That, more than anything else, is what Poland left me with.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

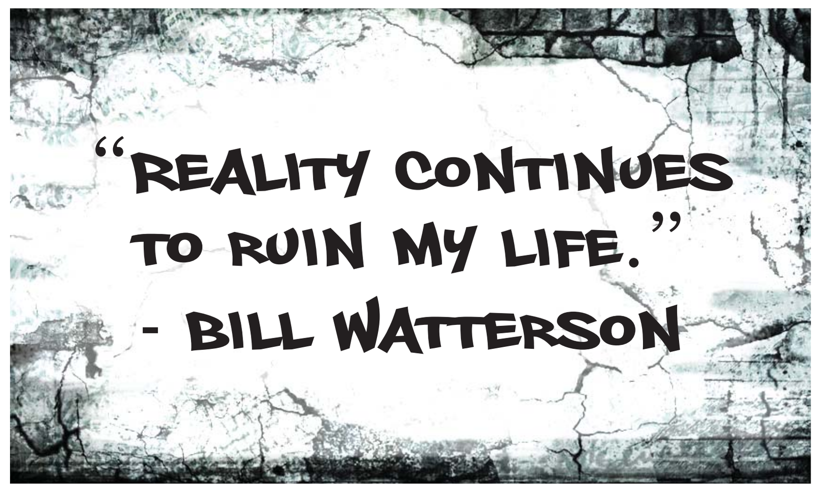

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

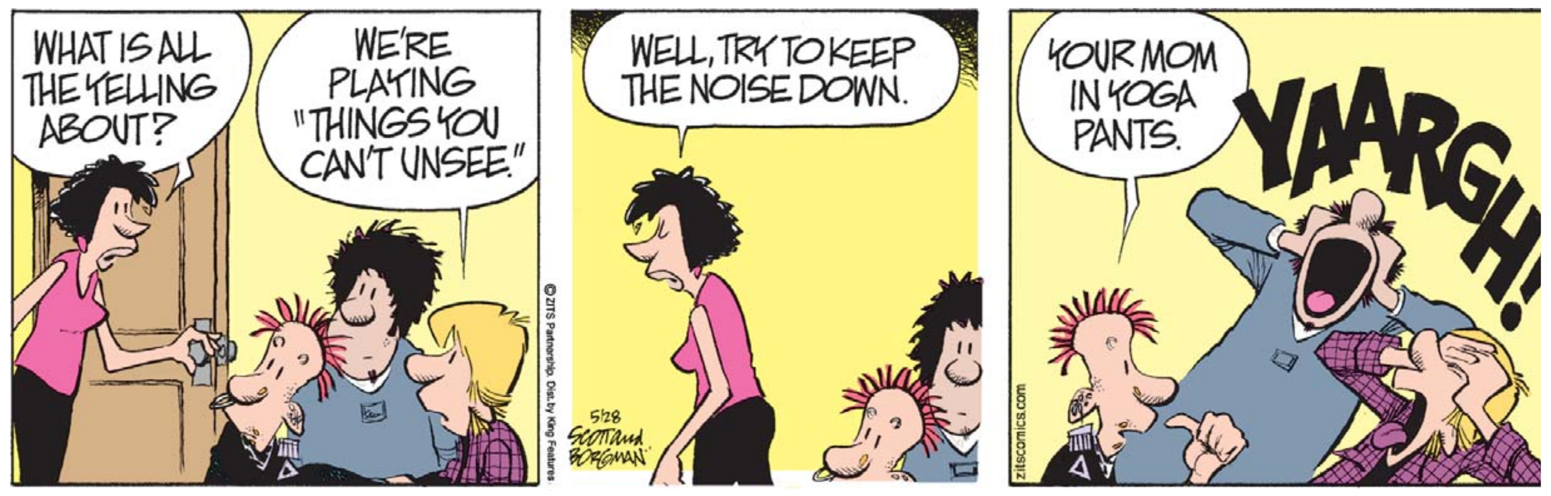

अवैध बजरी के डंपर से पुलिस को कुचलने का प्रयास किया

फरार बिना नंबर के डंपर और उसके चालक सहित अन्य आरोपियों की तलाश जारी

जोधपुर, (कासं)। शहर की माता का थान पुलिस की नाकाबंदी के समय अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते समय एक बिना नंबर का डंपर पुलिस को कुचलने का प्रयास करते हुए फरार हो गया। आरोप है कि डंपर को बचाने के लिए स्विफ्ट और ब्रेजा कार से पुलिस वाहन का रास्ता रोका गया। पुलिस ने इस मामले में एक कार चालक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी डंपर चालक और स्विफ्ट चालक फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब नौ बजे की घटना है। सारण नगर पुलिया पर पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। उसी समय वहां पहुंचे एक डंपर को पुलिस द्वारा रोका गया। डंपर चालक ने बताया कि वह डंपर को

- **डंपर को दो कारों ने एस्कॉर्ट किया, चार जने गिरफ्तार, हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज**

खाली करके लौट रहा है। इस पर चालक ने अपना नाम-पता अयुब खान निवासी तालों की ढाणी रामदेव नगर आऊ भोजासर फलौदी होना बताया। इस बीच एक अन्य खाली डंपर वहां से आते दिखाई देने पर रुकवाया गया। इसमें सवार चालक को पूछताछ करने पर डंपर खाली होना बताया और खुद का नाम-पता गणपतराम निवासी झालामलिया पुलिस थाना भोपालगढ़ तथा डम्पर के अन्दर चालक सीट के पास बैठा व्यक्ति ने अपना नाम-पता सुनिल निवासी चान्दरख खेड़ापा हाल करणी विहार नान्दड़ा खुर्द बनाड़ होना बताया। दोनों डंपर खाली मिले, लेकिन चालकों के पास वाहन के दस्तावेज नहीं थे। एमवी एक्ट के तहत चालान बनाकर दोनों डंपरों को जब्त कर लिया गया। इसके बाद एक बिना नंबर का डंपर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक तेज रफ्तार से नाकाबंदी तोड़कर भाग निकला। पीछा करने पर चालक ने कथित रूप से पुलिस की सरकारी बोलेरो पर डंपर चढ़ाने का प्रयास किया। चालक ने डंपर से आवाज लगाकर कहा कि वाहन में बजरी भरी है और वह किसी भी हाल में नहीं रुकेगा।

पुलिस का आरोप है कि डंपर चालक ने मोबाइल पर फोन कर अपने साथियों को बुलाया। इसके बाद स्विफ्ट कार और ब्रेजा कार ने सरकारी वाहन के आगे आकर कई बार रास्ता रोका, जिससे डंपर भाग निकला। डंपर चालक ने चलते-चलते डंपर की लिफ्ट उठाकर सड़क पर बजरी भी बिखेर दी। घटना की सूचना खनिज विभाग को भी दी गई। पुलिस ने ब्रेजा चालक महेन्द्र को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसके रिश्तेदार रवि ने फोन कर कहा था कि पुलिस अवैध बजरी से भरे डंपर का पीछा कर रही है, इसलिए अपनी गाड़ी बीच में लगाकर डंपर को निकलवा दो। पुलिस ने महेन्द्र की ब्रेजा भी दस्तावेज नहीं होने पर जब्त कर ली।

पुलिस ने बताया कि महेन्द्र ने मौके पर पुलिस से अभद्रता और हंगामा किया, जिस पर उसे गिरफ्तार किया गया। बाद में जब पहले जब्त किए गए दोनों डंपरों के चालक अयुब खान, गणपतराम और उनके साथ सुनिल थाने पहुंचे तो उन्होंने भी पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा किया। समझाइश के बावजूद नहीं मानने पर तीनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बिना नंबर डंपर चालक, स्विफ्ट चालक रवि, ब्रेजा चालक महेन्द्र और अन्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस के राजकार्य में बाधा डालने, जान से मारने के प्रयास, अवैध बजरी परिवहन और एमएमडीआर एक्ट सहित बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज किया है। फरार बिना नंबर डंपर और उसके चालक सहित अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जोधपुर में शादी के बाद महिला गहने और रुपए लेकर फरार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शादी के बाद महिला घर से गहने और रुपए लेकर फरार हो गई। इतना ही नहीं, जब रुपये और जेवरात लौटाने को कहा तो उसने झूठे केस में फंसाने की धमकी तक दे डाली। मामला शहर के रातानाडा थाना क्षेत्र का है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवादी ने रिपोर्ट में बताया कि साल 2024 में वे अपने छोटे भाई की शादी के लिए लड़की की तलाश रहे थे। इसी दौरान परिचितों के माध्यम से एक महिला से पहचान हुई। उसने मध्य प्रदेश निवासी सोनिया बाई के बारे में बताया और कहा कि लड़की का परिवार गरीब है, इसलिए शादी का पूरा खर्च परिवादी को ही उठाना होगा। आरोप है कि शादी के लिए ढाई लाख रुपए कैश दिए गए थे। रिपोर्ट में परिवादी ने बताया कि 1 जून 2024 को वह परिचितों और भाई के साथ मध्य प्रदेश के खरगोन गया था। 3 जून 2024 को सोनिया बाई से मुलाकात हुई। वहां 500 रुपए के स्टांप पेपर पर शादी का करार लिखा गया और इसके बाद दोनों ने मंदिर में एक-दूसरे को माला पहनाई। इस दौरान पीड़ित

- **जब रुपये और जेवर लौटाने को कहा तो महिला ने झूठे केस में फंसाने की धमकी दी**

परिवार की ओर से सोनिया को सोने-चांदी के जेवर और कपड़े भी दिए गए।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद सोनिया को जोधपुर लाया गया। कुछ दिनों तक उसका व्यवहार सामान्य रहा। रिपोर्ट के अनुसार, 19 जून को परिवादी का भाई गांव चला गया था और वह खुद अपनी ड्यूटी पर था। इस दौरान जब दोपहर 3 बजे परिवार के लोग घर आए तो वहां सोनिया नहीं थी। इसके साथ ही अलमारी में रखे गहने और रुपये भी गायब थे। आरोप है कि वह घर में रखे 4 तोले जेवरात और 50 हजार रुपए लेकर फरार हो गई। पीड़ित परिवार ने रिपोर्ट में बताया कि शुरुआत में जब सोनिया को कॉल किया गया तो उसने फोन रिसीव नहीं किया। बाद में जब उससे बात हुई तो उसने कहा कि वह वापस नहीं आना चाहती। जब परिवार की ओर से जेवरात और रुपये लौटाने को कहा गया, तो उसने कुछ दिनों में हिसाब करने की बात कही। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जब दोबारा सामान लौटाने को कहा गया, तो उसने उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

जेल में बंदी से मारपीट : जोधपुर जेल में एक बार फिर बंदी से मारपीट किए जाने का केस दर्ज हुआ है। इस बार मटकी में पानी भरने की बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद तीन बंदियों ने मिलकर एक बंदी को पीट दिया। घटना 30 जुलाई की है। इस बारे में बंदी की तरफ से रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी गई है। थानाधिकारी शफीक मोहम्मद ने बताया कि बंदी कुशालावा देचू निवासी रावलराम उर्फ राहुल की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह केंद्रीय कारागार में पानी की मटकी भर रहा था। तब इमरान और दो अन्य बंदियों ने विवाद किया और फिर मारपीट की। जिससे वह चोटिल हो गया। उसने जेल प्रशासन से शिकायत की। अब रातानाडा थाने में इमरान और दो अन्य बंदियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

प्रागपुरा के बिदाला गांव में सूने मकान से लाखों की नकदी और जेवर चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के कारोली ढाणी बिदाला गांव में दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात से क्षेत्र में दहशत फैल गई। अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान का ताला तोड़कर ढाई लाख रुपये की नकदी और लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण पार कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार पीड़िता संतोष देवी पत्नी कैलाश चंद सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री के पुत्र का छूछक (पेज) कार्यक्रम 20 अगस्त को आयोजित होना है। इसी कार्यक्रम की तैयारियों के लिए घर में 2.50 लाख रुपये नकद और परिवार के सोने-चांदी के आभूषण सुरक्षित रखे

- **वारदात के दौरान पड़ोस की महिलाओं ने एक युवक को मकान की दीवार फांदकर भागते हुए देखा था**

हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार चार अगस्त को सुबह करीब 11:15 बजे संतोष देवी घर पर ताला लगाकर पड़ोसी के यहां गई थीं। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने सूने मकान का ताला तोड़कर कमरे में रखी नकदी और कीमती जेवर चोरी कर लिए। वारदात के दौरान पड़ोस की महिलाओं ने एक संदिग्ध युवक को मकान की दीवार फांदकर भागते हुए देखा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ने काली पैंट, सफेद शर्ट पहन रखी थी तथा गले में सफेद तौलिया डाला हुआ था। महिलाओं द्वारा शोर मचाने के बावजूद वह मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद जब संतोष देवी घर लौटीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। प्रागपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

29 लाख की हेरोइन बरामद

चूरू, (कासं)। पुलिस थाना सरदारशहर ने एनडीपीएस की बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 29 लाख रुपए की अनुमानित कीमत की 144 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम आईपीएस ने बताया कि अवैध बिक्री से पूर्व ही पुलिस द्वारा मादक पदार्थ के साथ परिवहन वाहन स्वीफ्ट कार जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में मय पुलिस टीम द्वारा मेगा हाईवे रोड सरदारशहर से पल्लू पर एचपी पेट्रोल पम्प के पास नाकाबंदी में पल्लू की तरफ से आ रही एक स्वीफ्ट कार ने नाकाबंदी तोड़ कर भागने का प्रयास किया, जिस पर उक्त गाड़ी को रुकवा कर चैक किया।

एसआई भर्ती का फर्जी प्रवेश पत्र बनाने वाले बंदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बीकानेर, (निसं)। एसआई भर्ती की फिजिकल परीक्षा में शामिल होने के लिए फर्जी परमिशन लेटर तैयार करने के मामले में केंद्रीय जेल के विचाराधीन बंदी संदेश सिद्ध (25) के खिलाफ बीछवाल थाने में एक और मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एडिशनल एसपी (ग्रामीण) बनवारी लाल मीणा ने स्वयं परिवादी बनकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जांच एसपी (शहर) चक्रवर्ती सिंह राठौड़ करेंगे। पुलिस ने आरोपी संदेश सिद्ध से पूछताछ भी शुरू कर दी है। पूछताछ में उसने फर्जी परमिशन लेटर तैयार कराने की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने उसके बयान का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है।

पुलिस पूछताछ में संदेश सिद्ध ने फर्जी परमिशन लेटर तैयार करने की बात स्वीकार कर ली है। वीडियो ने

- **जमानत पर जेल से बाहर जाने की प्लानिंग थी, लेकिन फेल हो गई**

विचाराधीन बंदी ने कहा कि उसका टारगेट जमानत पर बाहर जाना था, जिसके बाद वह लौटकर नहीं आता। लेकिन उसका यह प्लान फेल हो गया। पुलिस ने उसके बयान का वीडियो भी रिकॉर्ड किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाला कौन है, इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा क्या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है। जामसर निवासी संदेश सिद्ध एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में केंद्रीय जेल में विचाराधीन बंदी के रूप में बंद था। एसआई भर्ती की फिजिकल परीक्षा में शामिल होने के लिए उसने जेल से बाहर आने की योजना बनाई और इसके लिए फर्जी परमिशन लेटर तैयार कराया। इसी दस्तावेज के आधार पर वह पुलिस अभिरक्षा में परीक्षा केंद्र तक पहुंच गया। पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल में फिजिकल परीक्षा के दौरान जब दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तो उसका परमिशन लेटर फर्जी निकला। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कोर्ट में भी इसी फर्जी दस्तावेज को पेश करने का प्रयास किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए अलग से मुकदमा दर्ज कर लिया।

एएसपी (शहर) चक्रवर्ती सिंह राठौड़ का कहना है कि पुलिस अब फर्जी परमिशन लेटर तैयार करने की पूरी प्रक्रिया, इसमें इस्तेमाल हुए दस्तावेजों और सहयोग करने वाले लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। ये पता लगाया जा रहा है कि फर्जीवाड़ा किस स्तर पर किया गया है। जांच में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

स्कूल की बस ट्रेलर से टकराई

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में एक निजी स्कूल बस और ट्रेलर के बीच टकराने का मामला सामने आया है गनीमत रही कि कोई भी बच्चा इसमें चोटिल नहीं हुआ है। सभी बच्चे सुरक्षित घर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार एक निजी स्कूल की बस नान्ता क्षेत्र में बैक आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में बस में एक तरफ रगड़ लग गई, हादसे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। नान्ता थाने के थानाधिकारी महावीर मीणा ने बताया कि एक निजी स्कूल की बस शुक्रवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद शहर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज पर एक ट्रेलर सीमेंट से भरा हुआ था। ट्रेलर चालक ट्रेलर को बैक ले रहा था। इस दौरान ट्रेलर से स्कूल बस की टक्कर हो गई। दुर्घटना में बस में स्क्रैच एक साइड से लगा है दुर्घटना के समय बच्चे बस में थे, इसीलिए बस में थोड़ा बहुत हड़कंप मच गया था। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में किसी भी बच्चे को चोट नहीं लगी है।

मेडिकल स्टोर से नशीले कैप्सूल जब्त

उदयपुरवाटी, (निसं)। जिले में अवैध नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उदयपुरवाटी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो मेडिकल स्टोरों पर अलग-अलग छापेमारी कर 272 नशीले कैप्सूल जब्त किए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में मेडिकल स्टोर संचालकों विनोद कुमार और पिंटूराम माली को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी रामपाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने घूमचक्कर स्थित गुंजन मेडिकल स्टोर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान संचालक विनोद कुमार के कब्जे से 214 नशीले कैप्सूल स्ट्रिप सहित बरामद किए गए। वहीं एक अन्य कार्रवाई में उपनिरीक्षक संतोष को मिली सूचना के आधार पर सीकर रोड स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गई।

यहां संचालक पिंटूराम माली के कब्जे से 58 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आवश्यक वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने दवाइयां जब्त कर दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पांचना आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग

गंगापुर सिटी, (निसं)। पांचना आंदोलन के दौरान किसानों और आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर शुक्रवार को वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सैकड़ों किसानों ने शक्ति प्रदर्शन किया। पीलोदा, खेड़ली, बागलाई, किशोरपुर, खेड़ा सहित आसपास के गांवों से सैकड़ों किसान, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, जीप, बसों, कारों और बाइकों पर सवार होकर करौली जिले के गांवड़ी मीना स्थित धरना स्थल की ओर रवाना हुए। किसानों ने अपने वाहनों पर तिरंगा झंडा लगाकर रैली निकाली। यह रैली पीलोदा, किशोरपुर और वजीरपुर से होकर गुजरी। इस दौरान किसानों ने पांचना आंदोलन के मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की।

रैली का जगह-जगह ग्रामीणों ने स्वागत किया। कई स्थानों पर किसानों पर पुष्पवर्षा की गई, जिसमें बड़ौली मोड़ पर जेसीबी की सहायता से भी गई पुष्पवर्षा भी शामिल थी। पूरे मार्ग में लोगों ने हाथ हिलाकर किसानों का अभिवादन किया और उनकी मांगों का समर्थन किया। गांवड़ी मीना स्थित धरना स्थल पहुंचने पर किसानों ने आंदोलन में शामिल होकर सरकार से पांचना आंदोलन के दौरान दर्ज सभी मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। किसानों ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों के लिए आवाज उठाने वालों पर दर्ज प्रकरण वापस लिए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक मुकदमे वापस नहीं लिए जाएंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा।

नींबू तोड़ते समय मधुमक्खियों का हमला, किसान की मौत

वैर/भरतपुर, (निसं)। थाना वैर क्षेत्र के नगला गोठरा गांव में नींबू तोड़ते समय मधुमक्खियों के हमले से बचने के प्रयास में एक व्यक्ति की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पूरन (50) पुत्र रामजी लाल कुम्हार, निवासी भुसावर गेट, वैर के रूप में हुई है। संतरा पत्नी पूरन कुमार ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया है कि पूरन ने नगला गोठरा गांव में प्रेमसिंह पुत्र नंदन जाति जाटव की नींबू की बगीची को एक वर्ष के लिए लिया हुआ था। शुक्रवार 7 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे पूरन बगीची में नींबू तोड़ रहा था। इसी दौरान मधुमक्खियों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों से बचने के लिए पूरन भागने लगा। इसी दौरान अचानक वह बगीची में स्थित कुएं में गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और पूरन को कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

निहालगंज डकैती कांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। निहालगंज थाना क्षेत्र की दुर्गा कॉलोनी में 29 जुलाई को हुई सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को

- **बेटे की शादी का रिश्ता लेकर घर में घुसे थे बदमाश, हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया था**
- **आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा, कारतूस और नकदी बरामद की**

गिरफ्तार किया है। बदमाश बेटे की शादी का रिश्ता लेकर घर में घुसे थे और हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों को सूचना मिली थी कि

पुलिस अधिकारियों ने मामले को लेकर जानकारी दी।

परिवार ने हाल ही में जमीन बेची है और घर में बड़ी रकम रखी हुई है। इसी सूचना के आधार पर आरोपी बेटे की शादी का रिश्ता कराने के बहाने घर में दाखिल हुए। घर में प्रवेश करते ही बदमाशों ने कट्टा दिखाकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और नकदी, सोने-चांदी के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीमों का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार की गई जांच के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा, कारतूस और कुछ नकदी भी बरामद की गई है। इस कार्रवाई का खुलासा सीओ सिटी कृष्णराज जांगिड़ और निहालगंज थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में किया गया। वहीं, स्पेशल टीम के हेड कांस्टेबल दीनदयाल की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पुलिस अब डकैती में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मामूली बारिश भी नहीं झेल पाया राजाखेड़ा का 'मछला की पार तालाब'

धौलपुर, (निसं)। राजाखेड़ा नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड नं 12 स्थित मछला की पार तालाब का सौंदर्यकरण पूरा होने से पहले ही लगातार विवादों के साए में आ रहा है।

मामूली बारिश से तालाब की

- **तालाब की दीवार के किनारे जमींदोज होने पर नागरिकों में आक्रोश फैल गया**

मामूली बारिश से तालाब की दीवार के किनारे जमींदोज हो गए।

दीवार से पहले किनारे जमींदोज हो गए। जिससे पालिका के अधिकारियों के निर्माण कौशल पर तो सवाल खड़े हो ही गए, वहीं नागरिकों में भी आक्रोश फैल गया। गौरतलब है कि इस कार्य के निर्माण के साथ ही गंभीर आरोपों के साथ स्थानीय लोग लगातार शिकायतें कर रहे थे, लेकिन पालिका प्रशासन ने न इनकी जांच की, न ही कार्रवाई की। जिसके चलते यह निर्माण पहली मामूली बारिश में ही जमींदोज होना आरम्भ हो गया।

राजाखेड़ा का रियासतकालीन जल निष्क्रमण और संरक्षण तंत्र प्राचीन अभियांत्रिकी की मिसाल माना जाता था, लेकिन प्रभावशालियों के संरक्षण में चारों तरफ अतिक्रमणों की बाढ़ जिसके कारण विशाल तालाब छोटे से गड्ढे के रूप में सिमट कर रह गया। तालाब पर हुए अतिक्रमणों और बाद में इनके राजनीतिक कारणों से अतिक्रमणों को नियमित कर दिए जाने से यह पूरा तालाब पूरी तरह खत्म हो चुका था, जो विशाल तालाब छोटे गड्ढों में सिमट कर रह गया था उनको सौंदर्यकरण कर उन्हें तालाब और पार्क बना कर पिकनिक स्पॉट बनाने के लिए मछला की पार तालाब के लिए सवा दो करोड़ से अधिक का कार्य स्वीकृत किया गया था। जो अब पूर्ण होने वाला है, लेकिन पालिका में लगातार शिकायतों के बाद भी इस महत्वाकांक्षी कार्य का उचित गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं करा सके। नतीजतन यह पूरा होने से पहले ही ध्वस्त होने लगा। ऐसे में इस कार्य पर खर्च की जा रही बड़ी राशि के औचित्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दीप्ति देव तहसीलदार एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका राजाखेड़ा का कहना है कि तालाब की सौंदर्यकरण करने में अनियमितताओं की शिकायत मिली है, जिसकी जांच में स्वयं ही करूंगी।

बयाना में गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बयाना/भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए बाइक सवार दो युवकों को 700 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजे के अलावा तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कोतवाली थाना प्रभारी रामनिलास गुर्जर ने बताया कि पुलिस टीम भीमनगर पहरिया से मुर्रकी होते हुए रेलवे स्टेशन जाने वाले कच्चे मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों घबरा गए और बाइक मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 700 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मवीर गुर्जर (33), निवासी बयाना तथा गणेशपुरी (36), निवासी धुरेरी मठ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विराटनगर के बजरंगपुरा गांव में लापता युवक का शव कुएं में मिला

ग्रामीणों की सहायता से पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला।

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के बजरंगपुरा गांव में एक लापता युवक का शव कुएं में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बजरंगपुरा निवासी शिंभुदयाल गुर्जर (42) पुत्र मोहनलाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह मृतक के परिजनों ने भाबरू थाने में शिंभू दयाल गुर्जर के लापता होने की सूचना दी थी। इसी बीच गांव के एक कुएं में युवक का शव होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर भाबरू थाना प्रभारी प्रदीप सिंह पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को कुएं से बाहर निकलवाया और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। थानाधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि सुबह युवक की गुमशुदगी की सूचना मिली थी, जिसके कुछ समय बाद उसका शव गांव के एक कुएं में बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पावटा उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

गंगापुर सिटी में बारिश जारी, जलस्रोतों में पानी की आवक बढ़ने की उम्मीद

बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी बारिश हुई। सुबह करीब 5.30 बजे से शुरू होकर यह बारिश रुक-रुककर सुबह नौ बजे तक जारी रही। इस दौरान गंगापुर सिटी में 71 मिमी (करीब तीन इंच) और तलावड़ा में 81 मिमी (सवा तीन इंच) वर्षा दर्ज की गई। इससे पहले गुरुवार को भी गंगापुर सिटी में अच्छी बारिश हुई थी। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कभी तेज तो कभी हल्की वर्षा का सिलसिला चला। शाम तक रुक-रुककर फुहारें गिरती रहीं। गुरुवार शाम चार बजे तक गंगापुर सिटी में कुल 68 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। बारिश से तालाबों, जोहड़ों और अन्य जलस्रोतों में भी पानी की आवक बढ़ने की उम्मीद है।

गंगापुर सिटी में बारिश से शहर की सड़कें जलमग्न हो गई।

- गंगापुर सिटी में करीब तीन इंच और तलावड़ा में सवा तीन इंच वर्षा दर्ज की गई
- सावन माह में हुई इस वर्षा से खेतों में नमी बढ़ी, खरीफ फसलों को मिलेगा लाभ

लगातार दो दिनों की बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली है। वर्षा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया। हालांकि, सुबह बारिश के दौरान सड़कों और बाजारों में आवाजाही प्रभावित हुई। कामकाज के लिए घरों से निकले लोगों को जलभराव और फिसलन के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। नया बाजार, फव्वारा चौक, उदेई मोड़, सालौदा और ईदगाह सहित कई क्षेत्रों की सड़कों पर पानी जमा हो गया। जल निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण पानी काफी देर तक सड़कों पर भरा रहा।

इस जलभराव से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, जिन्हें चालकों को धक्का लगाकर निकालना पड़ा। यह बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। सावन माह में हुई इस वर्षा से खेतों में नमी बढ़ी है, जिससे खरीफ फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद हुई यह बारिश फसलों की वृद्धि के लिए फायदेमंद साबित होगी।

भरतपुर में बारिश से कई इलाकों में जलभराव

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में शुक्रवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे, जिसके बाद दोपहर में रिमझिम बारिश होने से लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत मिली।

बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली। जिले में खरीफ फसलों की बोई हुई है और खेतों में फसल अच्छी स्थिति में खड़ी है। बारिश से फसलों को पर्याप्त पानी मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन बेहतर होने की संभावना जताई जा रही है। खेत-खलिहान पानी से लबालब नजर आ रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश को कृषि के लिए काफी लाभदायक माना जा रहा है। हालांकि, लगातार हो रही बारिश का असर शहर की व्यवस्थाओं पर भी दिखाई दिया। भरतपुर के कई निचले इलाकों, कॉलोनियों और बाजारों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी जिले में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

भारी बारिश के चलते भरतपुर जिले में आज विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में अवकाश

भरतपुर, (निसं)। जिले में हो रही अत्यधिक वर्षा एवं मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर जिला कलैक्टर कमर चौधरी ने जिले के समस्त सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में शनिवार, 8 अगस्त को एक दिवस का अवकाश घोषित किया है। जिला कलैक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में संचालित कक्षा प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 8 अगस्त को अवकाश रहेगा। इसके साथ ही जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी एक दिवस का अवकाश रहेगा।

- विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर जिला कलैक्टर ने आदेश जारी किए

आदेशानुसार जिले में लगातार हो रही भारी बारिश तथा मौसम विभाग की चेतावनियों को देखते हुए विद्यार्थियों को आवागमन के दौरान संभावित जोखिम से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। शिक्षण एवं अन्य स्टाफ की उपस्थिति यथावत रहेगी। अवकाश केवल विद्यार्थियों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले लाभार्थियों के लिए रहेगा। विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का समस्त स्टाफ पूर्व की भांति अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा। जिले के समस्त संस्था प्रधानों एवं संबंधित अधिकारियों को आदेश की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी शिक्षण संस्था द्वारा निर्धारित अवकाश अवधि में विद्यालय का संचालन किया गया अथवा आदेश की अवहेलना की गई तो कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पार्क में खेलने गई आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां झूला झूलने के लिए घर से निकली 8 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। बच्ची पार्क में अचेत अवस्था में मिली। परिजन उसे पहले स्थानीय सरकारी हॉस्पिटल ले गए, जहां से गंभीर हालत में श्रीगंगानगर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- परिजन बच्ची को पहले स्थानीय सरकारी हॉस्पिटल ले गए, जहां से गंभीर हालत में श्रीगंगानगर रेफर कर दिया गया

पुलिस के अनुसार, बच्ची घर से पार्क में खेलने और झूला झूलने गई थी। शाम करीब 3:30 बजे एक रिश्तेदार ने परिवार को सूचना दी कि बच्ची पार्क में बेहोश पड़ी है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने बच्ची का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। फिलहाल बच्ची का इलाज जारी है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि बच्ची को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ रेप किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी इलाके का ही रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी बोल और सुन सकता है, लेकिन उसे गूंगा कहा जाता है। पदमपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले की जांच श्रीगंगानगर के डीएसपी कैलाशदान की निगरानी में की जा रही है।

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को उपभोक्ता अदालत का नोटिस

कोटा, (निसं)। कोटा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक बड़े मामले में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमिर खान को नोटिस जारी कर 18 सितंबर 2026 को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। यह मामला फर्जी उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट की जवाबदेही से जुड़ा है।

- स्नेपडील ऑनलाइन कंपनी द्वारा कथित फर्जी सामान बेचने का मामला

अधिवक्ता अशपाक अंसारी और अधिवक्ता रिपु दमन सिंह ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला वर्ष 2019 का है। शिकायतकर्ता और अधिवक्ता इन्दमोहन सिंह हना ने ऑनलाईन शॉपिंग प्लेटफॉर्म स्नैपडील पर वुडलैंड कंपनी के बेल्ट और वॉलेट का आकर्षक विज्ञापन देखकर ऑर्डर किया था। जब सामान प्राप्त हुआ, तो वह पूरी तरह नकली था। इन्द्र मोहन सिंह ने जब इस सामान की जांच अधिकृत वुडलैंड शोरूम पर कराई, तो शोरूम प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि उक्त सामान नकली है। अधिवक्ताओं ने आगे बताया कि इस संबंध में परिवादी इंद्र मोहन सिंह द्वारा गुमानपुरा थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी गई। जिसके बाद इंद्र मोहन सिंह ने न्यायालय में प्रोटेस्ट पिटीशन दायर की।

हाल ही में, उपभोक्ता अदालत में चल रहे परिवाद में एक संशोधित परिवाद पेश किया गया। जिसमें स्नैपडील कंपनी के मालिक कुणाल बहल, रोहित बंसल के साथ-साथ कंपनी के पूर्व ब्रांड एंबेसडर आमिर खान को भी प्रतिवादी बनाया गया है। न्यायालय ने इस परिवाद को स्वीकार करते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता इन्द्र मोहन सिंह हनी ने इस संबंध में कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बड़े-बड़े सेलिब्रिटी करोड़ों रुपये के विज्ञापन लेकर फर्जी कंपनियों, हानिकारक पान मसालों और सट्टेबाजी जैसे उत्पादों का प्रचार करते हैं। उन्हें यह आभास नहीं होता कि इसके परिणाम कितने गंभीर हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2024 में अपने ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया है कि सेलिब्रिटी अपने विज्ञापनों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं। इसी कानूनी आधार पर हमने न्यायालय से आमिर खान को भी इस मामले में पक्षकार बनाने का निवेदन किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब 18 सितंबर 2026 को आमिर खान, कुणाल बहल और रोहित बंसल को अदालत में अपना पक्ष रखना होगा।

ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के लूणी स्टेशन के पास सलताना में ट्रेन से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड से युवक की पहचान हुई। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। रेलवे पुलिस बल की लूणी चौकी के रमेश मीणा ने बताया कि युवक की पहचान गोपाल सिंह (44) पुत्र हड़वंत सिंह निवासी राजपूतों का बास, रानीवाड़ा जालोर के रूप में हुई है। वह ट्रेन नंबर 19407 (साबरमती एक्सप्रेस) से सफर कर रहा था। ट्रेन से कैसे गिरा, इसके बारे में पता नहीं लग पाया है।

भीलवाड़ा के पास चंद्रभागा नदी में अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। अवैध बजरी खनन और इसके अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भीलवाड़ा जिले की गंगापुर थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए देर रात खांखला गांव के पास चंद्रभागा नदी के पेटे में चल रहे अवैध बजरी खनन के काले कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से बजरी भर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली, माफियाओं द्वारा एस्कॉर्ट में इस्तेमाल की जा रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी और 3 मोटरसाइकिलों को जब्त किया है। वहीं मौके से एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गठित विशेष पुलिस टीम ने गुप्त आसूचना के आधार पर यह कार्रवाई की।

- पुलिस टीम ने रेड डालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली, एस्कॉर्ट स्कॉर्पियो व तीन बाइक जब्त की
- अचानक रेड से माफिया के गुर्गे भागने लगे, पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी को दबोचा

जानकारी के अनुसार हैड कांस्टेबल नेतराम मय जाब्ता जब देर रात गश्त पर थे, तभी उन्हें चंद्रभागा नदी के ग्राम खांखला क्षेत्र में संगठित गिरोह द्वारा अवैध बजरी खनन की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रात करीब दो बजे चंद्रभागा नदी में दबिश दी। उस समय माफिया गिरोह बेखौफ होकर नदी से बजरी का अवैध दोहन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली में लोड कर रहा था। पुलिस की अचानक रेड से मौके पर हड़कंप मच गया और माफिया के गुर्गे भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर बजरी भरते हुए, 1 स्कॉर्पियो गाड़ी माफिया द्वारा पुलिस की निगरानी व एस्कॉर्ट हेतु प्रयुक्त और 3 मोटरसाइकिलें गिरोह के सदस्यों द्वारा इस्तेमाल की जा रही थी, उसे जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से जगदीश जाट (26), पिता प्यारचंद जाट, निवासी उल्लाई थाना गंगापुर, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि यह गिरोह एक संगठित नेटवर्क के रूप में काम कर रहा था। गंगापुर पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी जगदीश जाट को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल कर लिया है।

थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी से गिरोह के अन्य सरगनाओं, अवैध बजरी के खरीदारों और एस्कॉर्ट में शामिल अन्य गाड़ियों के चालकों के संबंध में कड़ाई से अनुसंधान किया जा रहा है। एसपी सागर राणा ने सख्त लहजे में कहा है कि जिले में बजरी माफिया को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बजरी भरे सात ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। बीगोद थाना पुलिस टीम ने अवैध खनिज बजरी से भरे सा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार बीगोद थाना पुलिस टीम छह अगस्त को अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम के लिए गश्त पर रवाना हुई थी। गश्त के दौरान सिंगोली की तरफ से ग्राम देवलिया की ओर आ रहे रोड पर बजरी से भरी हुई सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोका गया और चेकिंग के बाद सभी वाहनों को डिटेन कर जब्त कर लिया गया। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि ये ट्रैक्टर चालक और मालिक गिरोह बनाकर लंबे समय से अवैध बजरी का उत्खनन और परिवहन कर रहे थे। अवैध बजरी परिवहन में लिप्त ट्रैक्टर चालकों, मालिकों एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ बीगोद थाने में मामला दर्ज किया गया है।

सरकार ब्यावर जिले के विकास को लेकर संवेदनशील है : मंत्री अविनाश गहलोत

जयपुर/ब्यावर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने ब्यावर में जिला प्रगति प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए ब्यावर जिले में पिछले तीन वर्षों में हुए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। स्थानीय विधायक शंकर सिंह रावत ने भी अपने विधानसभा क्षेत्र समेत पूरे जिले में हुए अभूतपूर्व विकास यात्रा की झांकी प्रस्तुत की।

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने ब्यावर में जिला प्रगति प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने ब्यावर के विकास के संबंध में राज्य सरकार के विजन को पत्रकार वार्ता में सामने रखा।

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ब्यावर जिले के विकास को लेकर संवेदनशील है। जिले की आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ब्यावर जिले के विकास को नए पंख लगेंगे और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ जिले के विकास की गति को और तेज किया जाएगा। शंकर सिंह रावत ने कहा कि जिले के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासन और आमजन मिलकर प्रयास करेंगे। सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा,नगरीय सुविधाओं सहित आधारभूत आवश्यकताओं को मजबूत करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे ताकि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके।

पत्रकार वार्ता में जिला कलैक्टर कमल राम मीना ने मिनी सचिवालय की प्रस्तावित योजना एवं विकास रोडमैप से मीडिया प्रतिनिधियों को रूबरू करवाया। उन्होंने मिनी सचिवालय के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप किए जाने वाले निर्माण एवं विस्तार कार्यों की जानकारी दी। जिला कलैक्टर ने बताया कि मिनी सचिवालय को आने वाले वर्षों की प्रशासनिक एवं जनसंख्या संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित, आधुनिक एवं सुविधायुक्त विकसित करने की योजना तैयार की गई है। इसमें विभिन्न विभागों के कार्यालयों के लिए आवश्यक स्थान, आमजन के आवागमन एवं सुविधा, पार्किंग, आधारभूत सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समाहित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मिनी सचिवालय का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास की आधारशिला तैयार की जाएगी। इससे जिला मुख्यालय पर विभिन्न विभागीय सेवाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने तथा आमजन को एक ही परिसर में अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेडा थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नरेन्द्र कुमार गुरूवार रात्रि को खाना खाकर हर रोज की तरह पैदल घुमने गये थे, जहां रेलवे ट्रैक के पास घूमते समय नरेन्द्र कुमार की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई, सूचना पाकर बोरखेड़ा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मृतक की शिनाख्त आदित्य नगर निवासी नरेन्द्र कुमार (45) के रूप में हुई। मृतक निजी स्कूल में कार्यरत था। बोरखेड़ा थाने की एसआई ज्यौती मौर्य ने बताया कि मामले मे सामने आया कि ग्रामीण पुलिस लाईन के पास आदित्य नगर निवासी नरेन्द्र कुमार गुरूवार रात्रि को खाना खाने के बाद टहलने के लिये निकले थे। एसआई ने बताया कि मृतक की शिनाख्त होने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

अजमेर में आठ फर्मों से 75 हजार रुपये का जुर्माना वसूला

अजमेर, (निसं)। उपभोक्ता मामले एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान विभाग के विशेष जांच दल ने अजमेर जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाकर माप-तौल एवं पैक्ड वस्तुओं से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वाली 8 फर्मों के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित फर्मों से कुल 75 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

- विधिक माप विज्ञान ने जांच अभियान में माप-तौल नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की

विभाग द्वारा यह कार्रवाई विधिक माप विज्ञान (पैक्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत की गई। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों पर असत्यापित नाप-तौल उपकरणों का उपयोग, पैक्ड कमोडिटी पंजीकरण का अभाव तथा सही माप-तौल नहीं होने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। विशेष जांच दल ने केशरीमल माणकचंद राठी (मदनगंज), पल्प पेक इंडिया (खोड़ा गणेश रोड), शिवम ट्रेडर्स (साहू मसाला), मुख्य बाजार किशनगढ़, टीआर प्रोडक्ट्स (सोमलपुर), जैन नमकीन (बकरा मंडी रोड, सोमलपुर), आरके प्रोडक्ट्स (सोमलपुर), सतगुरु फूड प्रोडक्ट (पालरा) तथा सुरक्षा पेंट (पालरा) सहित कुल आठ फर्मों का निरीक्षण किया। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर इन फर्मों से जुर्माना वसूला गया तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए।

विभाग ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा, माप-तौल में पारदर्शिता बनाए रखने तथा व्यापारिक गतिविधियों में नियमों की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाएंगे। इस विशेष जांच दल में सहायक नियंत्रक भावना दयाल, विधिक माप विज्ञान अधिकारी महिपाल सिंह राठौड़ तथा महेन्द्र चौधरी शामिल रहे।

फतहसागर झील में बुजुर्ग का शव मिला

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर की फतहसागर झील में शुक्रवार को एक बुजुर्ग का तैरता हुआ शव मिला है। आसपास के लोगों ने जब फतहसागर पाल के किनारे झील में शव को तैरते देखा तो तुरंत अंबामाता थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सिविल डिफेंस की टीम ने कुछ ही देर में शव को पानी से बाहर निकाला और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शव को एमबी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा दिया है। सिविल डिफेंस टीम के कैलाश मेनारिया ने बताया कि मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार उसकी पहचान यूसुफ अली हुसैन निवासी बी.ब्लॉक, हयात मेंशन,न्यू अश्विनी बाजार के रूप में हुई है। अंबामाता थाने के एएसआई राजेंद्र सिंह झाला ने बताया कि बुजुर्ग के पानी में डूबने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

कोटा, (निसं)। बोरखेडा थाना इलाके में पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए दुपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी से चोरी की बाइक बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 24 दिसम्बर 2024 को फरियादी ने बोरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि बाइक को घर के बाहर खड़ा किया, थोडी देर बाद देखा तो बाइक घर के बाहर नहीं थी। जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि बोरखेडा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में मय जाप्ता टीम द्वारा इलाके में नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस नाकाबंदी के दौरान टीम ने कार्यवाही करते हुए जिला बारां के नया मोहल्ला डुगरी रास्ता छीपाबड़ौद निवासी लोकेश कुमार (36) को गिरफ्तार किया, आरोपी से चोरी की बाइक बरामद की। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

दो जुआरी गिरफ्तार, नगदी जब्त : चूरू में पुलिस थाना सालासर की टीम ने दो जुआरियों को गिरफ्तार करके सट्टा रकम 3,2410 रुपए तथा एक स्कार्पियो वाहन जब्त किया है।थानाधिकारी पुलिस थाना सालासर शंकरलाल भारी पु.नि. के नेतृत्व में सालासर पुलिस टीम ने जुआ खेलने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ताराचन्द पुत्र राजुराम मेघवाल निवासी खारिया कनीराम, पुलिस थाना सालासर, जिला चूरू और लोकेश पुत्र छोटूराम मेघवाल निवासी खारिया कनीराम, पुलिस थाना सालासर, जिला चूरू को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से सट्टा राशि 3,2410 रुपए तथा एक स्कार्पियो वाहन बरामद कर प्रकरण दर्ज किया गया।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के दो साल से अधिक पुराने मामले में पॉक्सो क्रम-2 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई है। विशिष्ट लोक अभियोजक वीरेन्द्र सिंह भानावत ने बताया कि नाबालिग पीड़िता ने 3 जुलाई 2024 को शहर के एक थाने में शिकायत दी। शिकायत में कहा सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक के साथ मित्रता हुई। शिकायत में कहा कि 27 अप्रैल 2024 को युवक ने उसे होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा कि युवक डरा-धमका कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया। मामलें में 22 गवाहों के बयान दर्ज करवाये गये।

महिला ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथानिया पुलिस थाना क्षेत्र में वैष्णव कॉलोनी में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसके पिता की तरफ से फिलहाल मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। मथानिया पुलिस ने बताया कि मोटाई चाखू फलोदी निवासी बलवीरसिंह ने रिपोर्ट दी है। इसमें उसने बताया कि उसकी पुत्री 28 वर्षीय खेतुकंवर की शादी मथानिया के वैष्णव कॉलोनी निवासी देवीसिंह के साथ हो रखी थी। इन दिनों खेतुकंवर अपने ससुराल में ही थी। उसने किसी कारणवश ससुराल में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मथानिया पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव परिजन को सुपुर्द किया।

यौन शोषण का मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला को उसके बहनोई द्वारा नौकरी लगवाने का झांसा देकर यौन शोषण किए जाने का प्रकरण पुलिस में दर्ज हुआ है। पीड़िता का पति से अनबन होने की बात सामने आई है। पीड़िता ने बहनोई को नामजद कर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने रिपोर्ट दी कि उसकी अपने पति से अनबन के चलते वह अपने पीहर में ही रह रही है। कुछ दिनों पूर्व उसके बहनोई ने नौकरी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया। उसके बाद वह लगातार यौन शोषण करने लगा। आरोपी बहनोई ने उसके जेवरात और रूपए भी नौकरी दिलवाने के नाम पर हड़प लिए। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। अग्रिम जांच जारी है।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री गोपाल बागडा पुत्र श्री गंगाराम, निवासी-किशनपुरा पंचायत समिति हरदत्तपुरा, तहसील रामपुरा डाबडी, जयपुर के कब्जे एवं काश्त कि कृषि भूमि वाकेग्राम चक सरना डूंगर, तहसील कालवाड जिला जयपुर मे स्थित भूमि खसरा नम्बर 14/65 कुल रकबा 19 बीघा 12 बिस्वा मे हिस्सा 4.73 बीघा अविभाजित भूमि राजस्व रिकॉर्ड मे दर्ज अमल है, मेरे अभिभाष्य का पुत्र रामनिवास मेरे अभिभाष्य के कहने मे नही है तथा मादक पदार्थो का नशे करने का आदि है। मेरे अभिभाष्य के पुत्र रामनिवास से जो कोई भी व्यक्ति, संस्था, कम्पनी मेरे अभिभाष्य की उक्त आराजीयात के सम्बन्ध मे किसी भी प्रकार का लेनदेन या संव्यवहार करता है तो उक्त सभी लेन-देन, संव्यवहार मेरे अभिभाष्य के विधिक अधिकारो के विरूद्ध अवैध व शून्य होगे, अगर मेरे अभिभाष्य के पुत्र रामनिवास से किसी भी व्यक्ति संस्था या कम्पनी के द्वारा किसी भी प्रकार का धन सम्बन्धी, चल सम्पत्ति सम्बन्धी या अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित संव्यवहार किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं व्यक्ति, संस्था एवं कम्पनी, दीगर व्यक्ति की होगी मेरे अभिभाष्य की नही होगी। सूचित रहे।
जयपुर रामलाल शर्मा / देशराज रावत, एडवोकेट्स
दिनांक 07-08-2026 मो.-9414249243

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे०एल०एन० मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक-2507 दिनांक-17/07/26
आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 5/इ/16 नाहरी का नाका, जयपुर, क्षेत्रफल 114.00 वर्ग मीटर का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 5445 दिनांक 14/03/1995 श्री रमेश चन्द पुत्र श्री राम चन्द के पक्ष में जारी किया गया। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर-द्वितीय मे दिनांक 23/03/1995 को करवाया गया है। तत्पश्चात श्री रमेश चन्द पुत्र श्री राम चन्द के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री बालकिशन पुत्र श्री आतुमल जी सिंधी जसवानी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर-द्वितीय मे दिनांक 02/05/1998 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री बालकिशन पुत्र श्री आतुमल जी सिंधी जसवानी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री पवन कुमार चौहान पुत्र श्री विजयपाल सिंह को कर दिया गया। उक्त विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर-पंचम मे दिनांक 02/05/2007 को करवाया गया। श्री पवन कुमार चौहान पुत्र श्री विजयपाल सिंह के द्वारा उक्त आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख मे दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध मे किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री पवन कुमार चौहान पुत्र श्री विजयपाल सिंह का नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत तृतीय, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक:- 2769 **आम जाहिर सूचना** दिनांक:- 05.08.26
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 8/H/171 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 236.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री विक्रम मंगवानी पुत्र श्री रघुनाथ को किया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 10111 दिनांक 16/07/2010 जारी किया गया था। भूखण्ड के मूल आवंटी श्री विक्रम मंगवानी पुत्र श्री रघुनाथ मंगवानी के द्वारा उक्त भूखण्ड के संबंध में अपने पिता श्री रघुनाथ मंगवानी को मुख्त्यारनामाआम नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनाआम Consul General of India Tenerife में दिनांक 27/08/2010 को निष्पादित है। तत्पश्चात मुख्त्यारनाआम आधार श्री रघुनाथ मंगवानी के द्वारा उक्त भूखण्ड आवंटन पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर, षष्टम में दिनांक 23/07/2010 को करवाया गया। तत्पश्चात भूखण्ड के मूल आवंटी श्री विक्रम मंगवानी पुत्र श्री रघुनाथ मंगवानी के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती नीलम बलाना पत्नी श्री विनोद बलाना को कर दिया गया गया। उक्त विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर षष्टम में दिनांक 17/10/2011 को करवाया गया। श्रीमती नीलम बलाना पत्नी श्री विनोद बलाना के द्वारा आवेदन पत्र के साथ प्रशासनिक शुल्क जमा की रसीद की प्रति, अण्डरटेकिंग, मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की छाया प्रति, स्वयं एवं गवाह का पहचान पत्र प्रस्तुत कर उक्त विकसित भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर करने हेतु आवेदन किया गया हैं। उक्त हस्तान्तरण के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती नीलम बलाना पत्नी श्री विनोद बलाना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी। सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.म., जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 19/26
उत्तराधिकार के लिए प्रार्थना-पत्र
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम निशा टांक पत्नी सुरेन्द्र टांक
विवाद स्थान……
मृतक सुरेन्द्र कुमार टांक की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक-…..
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम सुरेन्द्र कुमार टांक पुत्र मोतीलाल टांक जाति… निवासी 10/136 सेक्टर नं.10 मालवीय नगर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 08 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 05 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश
संख्या-11, जयपुर महानगर प्रथम
मुख्यालय सांगानेर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने खरीदे हैंडलूम उत्पाद

'स्थानीय उत्पाद अपनाकर बुनकरों और कारीगरों के श्रम को सम्मान दें'

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के एमआई रोड स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न हथकरघा उत्पाद खरीदे और 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया।

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के एमआई रोड स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न हथकरघा उत्पाद खरीदे और 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हथकरघा उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के बाड़मेर, सांगानेर और बगरू सहित विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय उत्पाद देश-विदेश में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पाद खरीदने की अपील करते हुए कहा कि इससे बुनकरों, कारीगरों और छोटे दुकानदारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों में कारीगरों का परिश्रम और पसीना जुड़ा है, इसलिए इनके उपयोग के माध्यम से उनके श्रम का सम्मान किया जाना चाहिए। राज्य सरकार 'एक जिला-एक उत्पाद' और 'पंच गौरव' कार्यक्रमों के माध्यम से जिलों के विशिष्ट उत्पादों, स्थानीय संस्कृति और कला को प्रोत्साहित कर रही है।

देशी पिस्टल के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर शहर में अवैध हथियारों की धरपकड़ और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अरेस्ट गन (आग) के तहत मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को अवैध देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हथियार लेकर घूम रहा था। जयपुर पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अरेस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए संदीप वैष्णव (23) निवासी केकड़ी जिला अजमेर हाल मुहाना मंडी जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर में कल निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार, 9 अगस्त को जयपुर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। अभियान के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. मिथिलेश गौतम ने बताया कि तिरंगा यात्रा सुबह 9 बजे अल्बर्ट हॉल से प्रारंभ होकर बड़ी चौड़ तक जाएगी। यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे। डॉ. गौतम ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को बढ़ावा देना है।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज.)
क्रमांक :आयोजना शाखा/सीएलयू/विज्ञप्ति/2026-27 दिनांक - यथा हस्ताक्षर
सार्वजनिक विज्ञप्ति
आवेदक श्रीमती प्रियंका बघेला पत्नी श्री गजेन्द्र पाल निवासी- 600, एसपीएम नगर, भरतपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 195-ए क्षेत्रफल 248.25 वर्गमीटर, योजना एसपीएम नगर, भरतपुर का आवासीय भू-उपयोग से मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन (आवासीय से मिश्रित) प्रयोजनार्थ के लिए कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण में आवेदन प्रस्तुत किया है।
अतः आवेदक श्रीमती प्रियंका बघेला पत्नी श्री गजेन्द्र पाल के पक्ष में उक्त भूखंड का प्राधिकरण द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ से मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन (आवासीय से मिश्रित) किये जाने पर, किसी व्यक्ति या संस्था आदि को कोई आपत्ति/आक्षेप हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद म्याद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं भूखण्ड का मिश्रित भू-उपयोग परिवर्तन कर दिया जावेगा।
निदेशक नगर आयोजना, भरतपुर विकास प्राधिकरण

'तथ्यों के बिना सत्यापन अधिकारी जारी नहीं करें जन्म प्रमाण पत्र'

- **भरतपुर एसपी अदालती अवमानना को लेकर दें जवाब : हाईकोर्ट**

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने किशोरियों के अवैध हिरासत से जुड़े मामलों में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र पेश करने के बढ़ते चलन पर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी करें कि वे वैधानिक प्रावधानों के परे और तथ्यों के उचित सत्यापन के बिना इतनी लापरवाही से जन्म प्रमाण पत्र जारी ना करें। अदालत ने ऐसे दोषी अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि अतिरिक्त महाधिवक्ता मुख्य सचिव को ऐसे मामलों की सूची उपलब्ध करा सकते हैं। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश भूरी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिए।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अन्य आरोपों के साथ-साथ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का आरोप लगाते हुए भरतपुर के चिकसना थाने में शिकायत दी थी, लेकिन उसकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। वहीं पंजीकृत डाक से एसपी ऑफिस को भेजे प्रार्थना पत्र पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में भरतपुर एसपी बताए कि संज्ञेय अपराध का खुलासा होने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं करने पर क्यों ना उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई आरंभ की जाए। अदालत ने आदेश की पालना रिपोर्ट पेश करने के लिए एजी को दो सप्ताह का समय देते हुए लापता लड़की को पेश करने के लिए तीन दिन का समय दिया। अदालत ने कहा कि कोर्ट में ऐसी कई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं आई हैं जिनमें नाबालिग लड़कियों को बंधक बनाने का आरोप है। इन मामलों में पक्षकार बनाए गए लोगों की ओर से सक्षम अधिकारी के लड़की को बालिग बताते हुए जारी जन्म प्रमाण पत्र पेश किया जाते हैं, लेकिन बाद में वे वैधानिक प्रावधानों की अवहेलना कर जारी किए हुए पाए जाते हैं। दरअसल इस मामले में एक नाबालिग लापता हो गई थी। जिसकी बरामदगी के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश हुई। वहीं भरतपुर के सेवर के सक्षम अधिकारी की ओर से जारी जन्म प्रमाण पत्र सामने आया, जिसमें लापता बालिग बताई गई।

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निर्मला भट्टड़ धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश भट्टड़ के प्लाट नं. 21 न्यू कोहिनूर सिटी चाकसू में है । जो 111.11 गज का है जिसके मूल दस्तावेज मेरे से खो गये है जिसकी FIR भी करवा दी गई। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे सूचित करें अन्यथा मेरे द्वारा जारी करने वाली सोसाइटी बाबा आर एन गौड़ गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया है सूचित रहे अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो मुझे या सोसाइटी को 7 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें।
चन्द्रप्रकाश भट्टड़ 6350286057

नाम परिवर्तन
मैं मेरा नाम मनीष से बदल कर मनीष कुमार चंदानी पुत्र शिर चेतन दास निवासी 61/72, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर रख रहा हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावे

खोया पाया
मेरी एम.बी.बी.एस. (MBBS) प्रथम प्रोफेशनल एवं द्वितीय प्रोफेशनल की मूल अंकतालिकाएँ, जिसका एनरोलमेंट नंबर 144173 है, वास्तव में खो गई हैं। मिलने पर सूचित करे । ऋत्विक अग्रहरि पुत्र धनेश अग्रहरि, निम्स मेडिकल कॉलेज जयपुर (राजस्थान)

खरगे जैसे वरिष्ठ नेता भी प्रश्नकाल में कर रहे हंगामा : मदन राठौड़

- **कांग्रेस महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा से बचकर केवल हंगामा कर रही : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संसद के दोनों सदनों में विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस द्वारा लगातार किए जा रहे हंगामे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुकी है और जनहित, विकास तथा राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर चर्चा करने के बजाय सदन में हंगामा कर सुर्खियां बटोरना उसका मकसद रह गया है।

राठौड़ ने कहा कि संसद में कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें राष्ट्रहित के साथ परीक्षाओं में नकल रोकने से जुड़े प्रस्ताव भी शामिल हैं। ऐसे विषयों पर विपक्ष को गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने बहस से दूरी बनाकर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल सरकार से जवाबदेही तय करने और जनता के मुद्दे उठाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जैसे वरिष्ठ नेता भी प्रश्नकाल के दौरान हंगामा कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि शून्यकाल में भी गंभीर मुद्दों पर चर्चा के बजाय शोर-शराबा किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस से हंगामे की राजनीति छोड़कर जनहित और राष्ट्रहित के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा में भाग लेने का आह्वान किया।

कॉल रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी देकर महिला ने 20 हजार रु. ठगे

जयपुर। राजधानी जयपुर में एक व्यक्ति को निजी बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। एक महिला ने शादी के बहाने बातचीत शुरू कर पीड़ित की निजी कॉल रिकॉर्ड कर ली और उसे वायरल करने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 20 हजार रुपए ऐंठ लिए। अब महिला की ओर से दोबारा 1 लाख रुपए की मांग किए जाने पर पीड़ित ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार मामला वर्ष 2025 का है। पीड़ित की मुलाकात बारिश के दौरान एक दुकान के बाहर आरोपी महिला से हुई थी। बातचीत में महिला ने खुद को तलाकशुदा बताते हुए शादी के लिए अच्छे जीवनसाथी की तलाश की बात कही। उसने पीड़ित से भी कोई अच्छा रिश्ता होने पर बताने को कहा। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हो गई।

पीड़ित का आरोप है कि बातचीत के दौरान महिला ने धीरे-धीरे उसके परिवार, दोस्तों और परिचितों के बारे में जानकारी जुटा ली। इसके बाद योजना के तहत उनकी निजी बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग करना शुरू कर दी।

पीड़ित के अनुसार, अगस्त 2025 में महिला ने उसे कॉल रिकॉर्डिंग होने की जानकारी दी और उसे परिजनों व परिचितों के बीच वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राज.)

क्रमांक: 3556 दिनांक: 07.08.2026

सार्वजनिक आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे लिखित आवेदकों के आगे वर्णित स्थान पर 90ए/90बी/69ए/पुरानी आबादी के तहत पट्टा चाहा गया है जो निम्न है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवासीय/व्यवसायिक
1	राजीव शर्मा पुत्र श्री रामस्वरूप शर्मा	गंगापुर	456	121.60	आवासीय
2	प्रहलाद प्रजापत पुत्र श्री बच्चू सिंह प्रजापत	बाढसालोदा	15 से 20	124.79	आवासीय
3	पप्पू खां पुत्र श्री गवरू	घास मण्डी गंगापुर		38.49	आवासीय
4	उषा पत्नी श्री धर्मेन्द्र	मिर्जापुर	952,953,955	167.22	आवासीय
5	हरिप्रसाद शर्मा पुत्र श्री मोहनलाल	सूरसागर गंगापुर		75.80	आवासीय
6	बाबू लाल बैरवा पुत्र श्री मिश्रा बैरवा	सालोदा	443	92.90	आवासीय
7	रामावतार गुप्ता पुत्र श्री बाबूलाल	उदेईकलां	5758,5757 /6445	295.98	आवासीय
8	रामावतार गुप्ता पुत्र श्री बाबूलाल	उदेईकलां	5755	178.37	आवासीय
9	रमेश कुमार मीना पुत्र श्री रतन लाल मीना	गंगापुर	441 से 449	120.77	आवासीय
10	तोताराम बैरवा पुत्र श्री जगमोहन बैरवा	गंगापुर	463	109.25	आवासीय
11	कालूराम मीना पुत्र श्री सुक्याराम मीना	सालोदा	2	111.48	आवासीय
12	प्रकाशी देवी पत्नी श्री कालूराम मीना	सालोदा	2	111.48	आवासीय
13	रामप्रसाद माली पुत्र श्री रूपचंद माली	उदेईकलां	5612	109.88	आवासीय
14	लक्ष्मी देवी पत्नी श्री जगदीश प्रसाद	बाढसालोदा	69	104.05	आवासीय
15	हरिचरण मीना पुत्र श्री नाथूलाल मीना	महानन्दपुर	66	111.48	आवासीय
16	विजय कुमार मीना पुत्र श्री हरिकेश मीना	महानन्दपुर	66	111.48	आवासीय
17	श्रीमन मीना पुत्र श्री राजूलाल मीना	महानन्दपुर	61,65,63	111.48	आवासीय
18	श्रीमन मीना पुत्र श्री राजूलाल मीना	महानन्दपुर	61,65,63	111.48	आवासीय

अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त **खसरा नम्बरों/69ए/पुरानी आबादी** में पट्टा देने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद **7 दिवस** में नगर परिषद में उपस्थित होकर लिखित रूप में पेश कर सकते है। उक्त अवधि में आपत्ति पेश नही होने पर आवेदन कर्ता को भूमि का नियमानुसार आवासीय/व्यवसायिक पट्टा जारी करने की कार्यवाही की जाएगी इसके पश्चात कोई भी आपत्ति पर सुनवाई नही की जायेगी। सूचित रहें।

आयुक्त
नगर परिषद गंगापुर सिटी

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक / शहरी सेवा शिविर / न.नि.भ. / 2026-27 / 10349 दिनांक : 06/08/2026

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रांट एक्ट / नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए / स्टेटग्रांट / नाम हस्तांतरण / भवन निर्माण स्वीकृति / उपविभाजन / रि-इस्यू / पुनर्गठन का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियाँ प्राप्त हुई है। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ग्रांट एक्ट / नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत / कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. सं.	ऑनलाइन पत्रावली सं०	आवेदक का नाम	पति/पत्नी का नाम	वार्ड नं.	भूखण्ड जहां स्थित है	आवेदन का प्रकार
1	446564	रामकला	रामफल	14	गोपाल नगला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
2	446579	मुन्नी देवी	कन्हैया लाल	42	बी-नारायण गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
3	446647	सरदार सिंह	लेखराज सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
4	446710	माया देवी	लक्ष्मी चन्द	38	बिजली घर के पास भरतपुर	स्टेट ग्रांट
5	446778	दिनेशचन्द, सुनील कुमार	प्रेम सिंह	21	कुम्हेर गेट, भरतपुर	स्टेट ग्रांट
6	446815	निरंजन सिंह	लेखराज सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
7	446882	पूरन देई	प्रेमानन्द	20	अटलबन्ध सिरकीपाडा भरतपुर	स्टेट ग्रांट
8	446944	रामवती देवी	कुंवर सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
9	447010	निरंजन सिंह	लेखराज सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
10	447037	गिरधारीलाल	जगदीश प्रसाद	18	अनाह गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
11	447056	रघुवीर सिंह	कलुआ राम	40	14 महादेव गली भरतपुर	स्टेट ग्रांट
12	447158	निरंजन सिंह	लेखराज सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
13	447292	भूरी सिंह	नारायन	27	माली मोहल्ला कुम्हेर गेट	स्टेट ग्रांट
14	447353	विजय बंसल	प्रकाश चन्द	7	अनाह गेट भरतपुर	69ए
15	447398	बसंत कुमार अग्रवाल	पुन्नालाल	39	अटलबन्ध भरतपुर	स्टेट ग्रांट
16	447409	शान्ति देवी	घनश्याम	NA	अटलबन्ध भरतपुर	69ए
17	447441	किशनलाल	बाबू लाल	22	बीनारायण गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
18	447550	विष्णुदत्त, दाऊदयाल शर्मा	कन्हैया लाल	20	पुराना बस स्टण्ड रूपला पायसा	स्टेट ग्रांट
19	447674	चन्द्रभान	धर्म सिंह	33	गोपाल नगला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
20	447778	कल्लूराम	फुसियाँ	13	अनाह सेवर रोड	स्टेट ग्रांट
21	447855	तोतीराम	निराती	12	अनाह सेवर रोड	स्टेट ग्रांट
22	447871	प्रहलाद सिंह	रामहेत सिंह गुर्जर	33	धाऊ पायसा अटलबन्ध भरतपुर	स्टेट ग्रांट
23	448008	अलोक सिंघल	गोपाल चन्द सिंघल	41	बी-नारायण गेट भरतपुर	69ए
24	448015	किरन देई	पदम सिंह	3	रहगानपुरा	स्टेट ग्रांट
25	448089	किशोरीलाल	पुन्ना	22	धीमर मोहल्ला बी नारायण गेट	स्टेट ग्रांट
26	448155	मेघन्द्र सिंह	सुरेन्द्र सिंह	NA	अटलबन्ध भरतपुर	स्टेट ग्रांट
27	448180	रवि प्रकाश सोनी	रामस्वरूप	23	लक्ष्मण मंदिर के पीछे भरतपुर	स्टेट ग्रांट
28	448216	राकेश	राधेलाल	22	धीमर मोहल्ला बी नारायण गेट	स्टेट ग्रांट
29	448237	यश कुमार शर्मा	चरन वल्लभ शर्मा	34	गोपालगढ़ भरतपुर	स्टेट ग्रांट
30	448239	जसवंत सिंह	सीताराम	10	पकडेडे वाली गली सेवर	स्टेट ग्रांट
31	448246	संजय सिंह	प्रताप सिंह	19	कुम्हेर गेट सैनी मोहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
32	448275	अमित	किशन सिंह	20	कुम्हेर गेट कसाई गली भरतपुर	स्टेट ग्रांट
33	448294	रामवती	पदम सिंह	NA	बुद्ध की हाट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
34	448308	निहाल सिंह	भौंगा	15	नगला राह गहाह भरतपुर	स्टेट ग्रांट
35	448329	संजय गुप्ता	निलाम्बर कुमार	26	कोतवाली भरतपुर	स्टेट ग्रांट
36	448333	रंजना सारस्वत	सतीश कुमार	NA	धीमर मोहल्ला बी नारायण गेट	69ए
37	448388	गौरी शंकर	किशन लाल	30	नमक कटरा भरतपुर	स्टेट ग्रांट
38	448389	सरोज देवी	गोपाल	23	नीम दरवाजा भरतपुर	69ए
39	448427	पुष्पेन्द्र सिंह	सोनाराम	1	मलाह भरतपुर	स्टेट ग्रांट
40	448429	माया देवी	लेखराज	26	कोडियन मोहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
41	448491	चतुर सिंह, बच्चू सिंह	पातीराम	17	मलाह भरतपुर	स्टेट ग्रांट
42	448500	महावीर	भमरा	17	मलाह भरतपुर	स्टेट ग्रांट
43	448511	रामकिशन	भोला राम	20	अनाह गेट भरतपुर	69ए
44	448565	निर्मल कुमार	भाग चन्द	37	कोतवाली बाजार कुम्हेर गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
45	448579	अशोक कुमार	शिवराम सिंह	34	गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रांट
46	448641	इन्द्रजीत सिंह	प्रीतम सिंह	38	कन्नी गुर्जर चौराहा भरतपुर	69ए
47	448732	राम कुमार	कन्नो राम	27	अनाह गेट रूपराम कुण्डा भरतपुर	स्टेट ग्रांट
48	448784	रघुराज सिंह	यदुवीर सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
49	448795	विक्रेन्द्र सिंह	पुन्ना लाल	20	अनाह गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
50	448807	शमशेर सिंह	यदुवीर सिंह	65	तुहिया भरतपुर	स्टेट ग्रांट
51	448832	जितेन्द्र व अजीत	किशन सिंह	31	नदिया मोहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
52	402886	प्रेमचन्द गोयल	कुंजी लाल गोयल	NA	कोतवाली के पीछे कोटमनिया	स्टेट ग्रांट
53	432844	गजेन्द्र मित्तल	नरेन्द्र मित्तल	24	कुम्हेर गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट
54	449143	कमलेश	छितर	10	सिकलीघर मोहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
55	449276	रामेश्वर प्रसाद शर्मा	केदार नाथ	20	रूपला प्यासा लक्ष्मण मंदिर भरतपुर	स्टेट ग्रांट
56	449305	कुलदीप शर्मा	गंगा सिंह धनकर	NA	गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रांट
57	449431	बलवंत सिंह	सोना सिंह	32	मथुरा गेट गोलबाग भरतपुर	स्टेट ग्रांट
58	449465	राजकुमार ओलिया	घनश्याम दास	NA	नदिया मोहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
59	449556	टुण्डाराम	शिवो	59	डिग्मब्र का नगला भरतपुर	स्टेट ग्रांट
60	449578	मनोज कुमार	नरेन्द्र कुमार	NA	वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रांट

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैन्टिनो ने विश्व कप से जुड़े कमर्शियल अधिकारों में हिस्सेदारी बेचने की योजना वापस लेने के बाद माफी तो मांग ली है उनकी कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से फीफा अध्यक्ष के समर्थन की पुष्टि की है। -पत्रिस मोत्सेपे

महासंघ के अध्यक्ष, फीफा अध्यक्ष के समर्थन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

वसीम जाफर

हाल के महीनों में टीम चयन को लेकर कई सवाल उठे हैं, लेकिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि अगर केवल नतीजों के आधार पर देखा जाए तो आगरकर का कार्यकाल सफल माना जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर का कार्यकाल एक बार फिर चर्चा में है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कुछ खिलाड़ियों के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ और चयन प्रक्रिया में जो फैसले लिए गए, उन पर बहस होना स्वाभाविक है। आगरकर का कार्यकाल जून 2026 में समाप्त होना था, लेकिन बीसीसीआई ने उन्हें तीन महीने का विस्तार दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... सर्वश्रेष्ठ संस्करण: साल 2010 का दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के लिए सबसे सफल रहा, जिसमें 38 स्वर्ण सहित 101 पदक जीते गए थे।

श्रीलंका ने आठ विकेट खोकर 363 रन बनाये

निशान फर्नांडो एवं रविंदु रसान्था ने अर्धशतक लगाया

कोलंबो, 7 अगस्त। श्रीलंका दौरे पर पहुंची भारतीय टीम ने अपने एकमात्र अभ्यास मैच की शुरुआत संघर्षपूर्ण अंदाज में की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर पहले दिन श्रीलंका ने आठ विकेट खोकर 363 रन बना लिए। दिन का खेल खत्म होने तक दिलुम सुदीरा एक रन और केसरा नुवंथा नौ रन बनाकर क्रीज पर मौजूद रहे। मुकाबले के पहले दिन बल्लेबाजों का दबदबा जरूर रहा, लेकिन भारतीय स्पिन गेंदबाजों ने समय-समय पर विकेट लेकर टीम को वापसी भी कराई।

बता दें कि श्रीलंका की ओर से सात बल्लेबाजों ने 30 से अधिक रन बनाए और तीन खिलाड़ियों ने अर्धशतक लगाया, लेकिन कोई भी बल्लेबाज बड़ी शतकीय पारी नहीं खेल सका। सबसे ज्यादा 71 रन रविंदु रसान्था के बल्ले से निकले। मौजूद जानकारी के अनुसार, श्रीलंका की टीम ने पूरे दिन लगभग चार रन प्रति ओवर की रफ्तार से रन बनाए और भारतीय गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। श्रीलंका की शुरुआत बेहद शानदार रही। सलामी बल्लेबाज निशान फर्नांडो और रविंदु रसान्था ने पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी की कड़ी परीक्षा ली। निशान फर्नांडो ने केवल 65 गेंदों में 66 रन बनाए। हालांकि दोनों बल्लेबाजों के बीच तालमेल की कमी के कारण रन आउट होने से उनकी पारी खत्म हो गई। इसके बाद भी श्रीलंका के बल्लेबाज लगातार छोटी-छोटी साझेदारियां बनाते रहे, लेकिन कोई भी जोड़ी बहुत बड़ी साझेदारी नहीं कर सकी।

भारतीय टीम की ओर से सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन स्पिन गेंदबाजों का रहा। कुलदीप यादव ने सबसे अधिक 18 ओवर गेंदबाजी की और दो महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। रवींद्र जडेजा ने भी अपनी सटीक गेंदबाजी से दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। वहीं मानव सुथार ने भी दो विकेट लेकर प्रभावित किया। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को एक विकेट मिला, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। दूसरी ओर मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और सारांश जैन को पहले दिन कोई सफलता नहीं मिल सकी।

यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए आगामी टेस्ट श्रृंखला की तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है। भारतीय टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें लाल गेंद के प्रारूप में ज्यादा अनुभव नहीं है। ऐसे में अभ्यास मैच का उद्देश्य खिलाड़ियों को मैच जैसी परिस्थितियों में खुद को परखने का अवसर देना भी है।

श्रीलंका की ओर से सोनल दिनुषा ने 52 रन और रमेश मेंडिस ने उपयोगी योगदान दिया। दोनों ने छठे विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की, लेकिन भारतीय स्पिनरों ने इस जोड़ी को भी ज्यादा देर तक टिकने नहीं दिया। दिन के अंतिम सत्र में भारत ने लगातार विकेट लेकर मेजबान टीम की रफ्तार पर कुछ हद तक रोक लगाई।

अब दूसरे दिन भारतीय टीम की कोशिश श्रीलंका क्रिकेट एकादश को जल्द समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 400 रन के आंकड़े तक पहुंचने का प्रयास करेगी। ऐसे में मुकाबले का दूसरा दिन दोनों टीमों के

प्रज्ञानानंद ने जीता ग्रैंड शतरंज टूर सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब

सेंट लुइस, 7 अगस्त । भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब एक दौर शेष रहते अपने नाम कर लिया। 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने गुरुवार को अंतिम से पहले दौर में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ ड्रॉ खेलकर खिताब पर कब्जा जमाया।

प्रज्ञानानंद ने पूरे पांच दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान बढ़त बनाए रखा। सिंदारोव ने अंत तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में वह 1.5 अंकों से पीछे रह गए।

खिताब जीतने के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, ''जब आप स्कोर देखते हैं तो सब कुछ आसान और सहज लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा बिल्कुल नहीं था। यह टूर्नामेंट बेहद कठिन और रोमांचक रहा। मैं जावोखिर को श्रेय देना चाहूंगा, उन्होंने आखिरी तक शानदार संघर्ष किया।''

इस खिताबी जीत के साथ प्रज्ञानानंद को 50 हजार अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और 13 जीसीटी अंक मिले। इसके साथ ही वह 2026 ग्रैंड शतरंज टूर सीजन अंकतालिका में अमेरिका के फैबियानो कारुआना के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

वहीं, उपविजेता रहे सिंदारोव ने कहा, ''मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन प्रैग ने वास्तव में बहुत अच्छा खेल दिखाया। कई बार सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं होता, आपको किस्मत का साथ भी चाहिए होता है।''

अब ग्रैंड शतरंज टूर का समापन सिंकफील्ड कप के साथ होगा, जिसकी शुरुआत 10 अगस्त से होगी। इस प्रतिष्ठित क्लासिकल टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंद सहित सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज में हिस्सा लेने वाले अधिकांश शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे।

नामीबिया दौरे पर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे, टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद वनडे मुकाबले

नई दिल्ली, 7 अगस्त । नामीबिया इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की मेजबानी करेगा। दौरे में पहले तीनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जाएगी, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला होगी। सभी मुकाबले विंडहोक स्थित नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे।

टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 6 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 9 सितंबर से शुरू होगी। यह त्रिकोणीय श्रृंखला 2027 में शुरू होने वाले अफ्रीका कप की तैयारी के रूप में भी देखी जा रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अफ्रीकी देशों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। श्रृंखला से होने वाला पूरा लाभ अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन को दिया जाएगा, ताकि महाद्वीप में क्रिकेट के विकास को बढ़ावा मिल सके। क्रिकेट नामीबिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जोहान मुलर ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड का सहयोग अफ्रीकी क्रिकेट के विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वहीं, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेटसी मोसेकी ने कहा कि यह श्रृंखला अगले वर्ष होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप 2027 से पहले उत्साह बढ़ाने का काम करेगी। विश्वकप 2027 की संयुक्त मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे।

अरिहा पंगंबम ने स्वर्ण पदक जीताः एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप में रचा इतिहास

जयपुर, 7 अगस्त। अरिहा पंगंबम एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप की सीनियर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। भारतीय जिम्नास्ट ने फाइनल में 19.100 के स्कोर के साथ पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस प्रतियोगिता में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। अरिहा ने 'आर्टिस्ट्री' के लिए 8.650, 'एक्ज़ीक्यूशन' के लिए 7.600 और 'डिफ़िकल्टी' के लिए 2.850 अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा, ''हमारे लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए जयपुर जिला टीम नागौर रवाना

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 में भाग लेने के लिए जयपुर जिला फुटबॉल टीम शुक्रवार को नागौर के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता में जयपुर की टीम अपने अभियान की शुरुआत 8 अगस्त से करेगी। टीम के कप्तान के रूप में अतीवीर धोका तथा उपकप्तान के रूप में आरव फौजदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, टीम के मुख्य प्रशिक्षक का दायित्व श्री विश्वजीत सिंह निभाएंगे। टीम की प्रबंधन समिति के सदस्य राजस्थान फुटबॉल संघ के

तकनीकी निदेशक सतीश जांगिड़ एवं जयपुर के वरिष्ठ राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी हितेश शर्मा ने बताया कि टीम ने प्रतियोगिता के लिए बेहतर तैयारी की है और सभी खिलाड़ी पूरे उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जयपुर की टीम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन करेगी। **जयपुर जिला टीम :** अयान उल्लाह, हिमांशु सैनी, नील नीरज सिंह, युवराज ठाकुर, आबिद खान, अतीवीर धोका (कप्तान), एंजो सचिन बैज, रणंजय सिंह भाटी, लव सिंह, आरव फौजदार (उपकप्तान), खुशेश दूत, प्रज्ञान कटारिया, आकर्ष शर्मा, आर्यन सोधानी, अद्वय महानोत, ऋषि अग्रवाल, केशरी प्रताप सिंह एवं लक्ष्य चौधरी।

सीनियर राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप से होगा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली सीनियर राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप-2026 केवल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के चयन का महत्वपूर्ण आधार भी होगी। 8 से 10 अगस्त तक रेलवे ग्राउंड, बीकानेर में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के श्रेष्ठ तीरंदाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में तीरंदाजी खेल का वातावरण लगातार मजबूत हुआ है। प्रदेश के तीरंदाज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर राजस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं। खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और संघ के सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि आज राजस्थान तीरंदाजी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका है।

आयोजन सचिव अनिल जोशी ने बताया कि राजस्थान के तीरंदाजी इतिहास में पहली बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के मेडल मुकाबले फ्लडलाइट की रोशनी में आयोजित किए जाएंगे। यह निर्णय प्रतियोगिता को और अधिक आकर्षक एवं रोमांचक बनाएगा तथा खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक नया अनुभव होगा।

आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए मैदान, टारगेट, तकनीकी उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हारीं तन्वी शर्मा

असान (दक्षिण कोरिया), 7 अगस्त । भारत की 17 वर्षीय स्टार शटलर तन्वी शर्मा का कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें ऑल-इंडियन मुकाबले में रक्षिता रामराज ने 18-21, 21-19, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने वाली तन्वी ने पहला गेम अपने नाम कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, रक्षिता ने दमदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम जीत लिया। इस जीत के साथ रक्षिता ने तन्वी के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

हार के बावजूद तन्वी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में कई उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जिससे इस महीने होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

जोधपुर ने झालावाड़ को 8-0 से रौंदा

जयपुर, 7 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में ग्राम फरड़ोद में राजस्थान जूनियर छात्र राज्य फुटबॉल चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जो आज 7 अगस्त से 10 अगस्त तक मैच चलेगे। राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन सचिव दिलीप सिंह शेखावत, डीडवाना पूर्व विधायक चेतन डूडी, पूर्व जायल प्रधान रिद्धकरण लोमरोड़, फरड़ोद सरपंच रामकुमार फरड़ोदा, मनोज जाट राजस्थान फुटबाल रैफरी हेड,ओर पदाधिकारीगण इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में पहुंचे और जूनियर बालक चैंपियनशिप का पहला मैच अजमेर व नागोर के बीच खेला गया जिसमें अजमेर 2-0 से जीती! जोधपुर से झालावाड़ को 8-0 से , करौली ने बूंदी को 4-0 से , धौलपुर से राजसमंद को 1-0 , भीलवाड़ा से टोंक को 2-1 से ,अलवर ने बांसवाड़ा को 2-1 से , प्रतापगढ़ ने चित्तौड़गढ़ को 2-1 से , उदयपुर ने हनुमानगढ़ को ट्राई ब्रेकर में 5-3 से हराया।

रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 47 रन से मुकाबला जीता

जयपुर, 7 अगस्त। सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप का मुकाबला रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल व मॉर्निंग स्टार सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया। बारिश से बाधित मुकाबला 10 ओवर का खेला गया। जिसमें रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 10 ओवर में 96/6 रन बनाए।

जिसमें तरुण डिलान ने 32 रन व प्रियांशु माली ने 28 रन बनाए। मॉर्निंग स्टार सेंट एनसलम स्कूल की ओर से गेंदबाजी में तनुज शर्मा व अब्दुल रहमान ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मॉर्निंग स्टार सेंट एनसलम स्कूल 10 ओवर में 49/6 रन ही बना सकी। जिसमें पुनीत राजपुरोहित ने 15 रन और जगरात व रूद्राराज ने 10-10 रनो का योगदान दिया। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में हेमंत सैनी ने दो विकेट लिए। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 47 रन से मुकाबला जीता।

मायरा और एस. कृष्ण ने रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण

जयपुर, 7 अगस्त। दिल्ली की मायरा सिंह साध और तमिलनाडु के एस. कृष्ण ने शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम स्विमिंग पूल में आयोजित 42वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के दूसरे दिन नया मीट रिकॉर्ड बनाते हुए प्रतियोगिता का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर सबसे अधिक सुर्खियां बटोरीं। वहीं तमिलनाडु की धिवाश्री केशवन और अब्दुल हफीज ने भी अपना-अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में गोल्डन डबल पूरा किया। मायरा सिंह साध ने लड़कियों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पर्धा में नया मीट रिकॉर्ड बनाकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। लक्ष्मी सहस्त्रा सिर्रापारापु को रजत और अनांसिया ईवा जे को कांस्य पदक मिला।

तमिलनाडु की धिवाश्री केशवन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कियों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में स्वर्ण पदक जीता। मान्या आर. वाधवा ने रजत और सानिथि मुखर्जी ने कांस्य पदक जीता। इसके बाद धिवाश्री ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में भी स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता का अपना दूसरा गोल्ड अपने नाम किया। श्रेया बिनिल को रजत और सेरेना सराओहा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

लड़कों के वर्ग में तमिलनाडु के अब्दुल हफीज ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले जीतकर प्रतियोगिता

का अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। कबीर आर्यमन खुबचंदानी को रजत और जस सिंह को कांस्य पदक मिला। लड़कों की एक अन्य 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पर्धा में डेनियल इमैनुएल सालदान्हा ने स्वर्ण पदक जीता। लैटनजाम पुंघेन ने रजत और युवराज ने कांस्य पदक हासिल किया। 100 मीटर बैकस्ट्रोक में एस. कृष्ण ने स्वर्ण पदक जीता। ए.पी. आर्या साथर ने रजत और कृष्विव दोशी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। आज के मुख्य अतिथियों, एम्स के निदेशक डॉ. एस.एस. अग्रवाल और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राज केश मीणा का राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने स्वागत किया।

MBM University, Jodhpur
(Central Store)

Dr. Rohit Rawal
OIC, Central Store
No. MBMU/OIC-CS/2026-27/509
mbmoics@gmail.com
90240 48770
Date : 07/08/2026

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.

1. Bids vide UBN No: **MBM2627GLOB00037** Tender No.10/2026-27 for **"Lab Equipment for Civil Department Under PM USHA"** in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹ 34.00 Lakhs and last date of bid submission 18.08.2026 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: **MBM2627GLOB00036** Tender No.16/2026-27 for **"Purchase and Installation of Cooling & Air Distribution System for Examination Hall" in MBM University, Jodhpur** with estimated amount **₹54.00 Lakhs** and last date of bid submission 18.08.2026 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: **MBM2627GSLB00035** Limited Tender No.13/2026-27 for **"Purchase of CCTV Camera and installation for COE Office" in MBM University, Jodhpur** with estimated amount **₹ 01.50 Lakh** and last date of bid submission 10.08.2026 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/26/9113
OIC-Central Store
MBM University, Jodhpur

University Law College, University Law College-II, University Five Year Law College, University of Rajasthan, Jaipur

NOTICE INVITING BID

Bids for Cleaning and Sanitization Work (Job Basis) is invited from interested bidders upto **12.08.2026** at **1:00 PM**. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in**) of the state: and **http://uniraj.ac.in**. The approximate value of the procurements is **Rs. 8.25 Lacs**.

UBN : URA2627SSRC00091
NIB : URA2627A0032

Principal & Convener
University Law College

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - राजकाज 23817339 दिनांक :- 04/08/2026

ई - बिड सूचना 13/2026-27

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, प्राधिकरण एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/bda** पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- BID2627WSOB00076 - 81

राज.संवाद/सी/26/9021 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांक :- 5208 - 11 दिनांक :- 04/08/2026

निविदा सूचना

नगर परिशद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: स्टोर/2026–27/5159 दिनांक 03/08/2026 की निविदा दिनांक 04/08/2026 से दिनांक 13/08/2026 06.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 14/08/2026 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 14/08/2026 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in** पर DLB2627SLOB14330 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/26/9045

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर

क्रमांक :- न.पा.नापा./2026-27/890 दिनांक :- 04/08/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 18/2026-27

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य (निविदा राशि 25.43 लाख रूपए) हेतु सक्षम/पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन बोलियाँ आंमत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है।

UBN Number :- DLB2627WSOB14823

राज.संवाद/सी/26/9074
प्रशासक, नगर पालिका नापासर
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका नापासर

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली जिला बाराँ (राज.)

क्रमांक :- न.पा.सी/2026-27/1356 - 1357 दिनांक :- 04/08/2026

निविदा सूचना

नगर पालिका सीसवाली द्वारा उक्त कार्य करवाये जाने हेतु फर्म/संस्था/व्यक्ति से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें ऑनलाईन दिनांक 04.07.2026 से 13.07.2026 तक निविदा वेबसाईट से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। दिनांक 04.07.2026 से 13.07.2026 तक सांय 5 बजे तक निविदा शुल्क, धरोहर शुल्क एवं MD RISL शुल्क ऑन-लाईन नगर पालिका सीसवाली के खाते में जमा करवाकर रसीद ऑन-लाईन पॉटल पर अपलोड की जायेगी। दिनांक 14.07.2026 को प्रातः 11 बजे पश्चात् तकनीकी बिड खोली जायेगी। संवेदक निविदा प्रपत्र लोक उपापन की वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त कर सकेगें।

निविदा संबंधी कार्य की UBN No निम्न प्रकार है।

UBN No. : DLB2627WSOB14485

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सीसवाली

राज.संवाद/सी/26/9069

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राज0)

क्रमांक : नपजा/विकास/2026/2825 दिनांक : 27.07.2026

:: निविदा सूचना 13/2026 ::

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान जयपुर व राजस्थान प्रदेश में अन्य नगरीय निकायों में पंजीकृत सभी संवेदक अपनी श्रेणी अनुसार तथा अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदार जो ए अथवा एए श्रेणी में पंजीकृत हैं। (पंजीकरण नियम Appendix XVI (Rules 334) Sec II.2 के अनुसार) निर्धारित प्रपत्रा में E-Procurement प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** डाउनलोड व अपलोड एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते है।

Total Work	15 work
Total Amount	327.04 lac
Nib Code	DLB2627A5145

आयुक्त
नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/26/9008

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर), सिरोही
(Sirohielection@gmail.com)

क्रमांक/निर्वाचन/लेखा/निविदा/2026/180 दिनांक-3.08.2026

ई-अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या

पंचायतीराज एवं नगरीय चुनाव 2026 एवं अन्य आगामी चुनाव / गतिविधियों हेतु निम्नलिखित सामग्री / सेवाओं/ कार्यों की आपूर्ति / व्यवस्था के लिये प्राधिकृत व्यापारियों / प्राधिकृत सेवा प्रदाताओं / सद्भाविक व्यवहारियों / प्रतिष्ठित पंजीकृत फर्मों से ऑनलाईन बोलियों दिनांक 04.08.2026 से दर संविदा हेतु Single Stage two cover e-bid पद्धित से आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	आईटम नम्बर	विवरण	UBN No.	अनुमानित लागत (राशि लाखों में)
1	5	मतपत्र मुद्रण कार्य	CSR2627SLRC00019	25 लाख

उक्त ई-बोली आमंत्रण सूचना का पोर्टल www.Sppp.rajasthan.gov.in www.eproc.Rajasthan.gov.in की अवलोकन किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी
(जिला कलक्टर) सिरोही

DIPR/C/14000/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत अलवर
सा.नि.वि. परिसर, अशोका टाकीज के पास, कचहरी रोड, अलवर
फोन- 0144-2737038, E-mail:-sealw.pwd@rajasthan.gov.in

क्रमांक-RajKaj Ref No.:23644317 दिनांक-27.07.2026

Short Term NIT No 09/2026-27

Strengthening and Widening of Road from Naugaon (NH-248) to Naswari Chowki (SH-45) Km 0/0 to Km 4/500, District Alwar are invited from interested bidder from 29-07-2026 02:00Pm up to 10-08-2026 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (Http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state and http:// pwd.rajasthan.gov.in departmental website. The approximate value of the procurements is 259.01/- Laces.

UBN No: PWD2627WSOB07742
NIB No:- PWD2627A1833

E-Sign
Superintending Engineer
PWD Circle Alwar

DIPR/C/13590/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांक:-अअ/वि.खण्ड/बी./ निविदा/2026-27/725 दिनांक :-31.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 23 / वर्ष 2026-27
(NIB Code No PWD2627A1906)

निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं सा.नि.वि., राज मे सक्षम श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक 31.07.2026 से 11.08.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 12.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेंगी। प्री-बिड मिटिंग की दिनांक 06.08.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 01 कुल लागत 56.37 लाख **UBN No. 1. PWD2627WSOB08151**

(पीयूष सिंह) अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/13730/2026

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक–निर्माण शाखा/निविदा/2026/2981–83 दिनांक : 04.08.2026

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 04.08.2026 से दिनांक 10.08.2026 सुबह 11 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 11.08.2026 को सुबह 09 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/– का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट **www.sppp.raj.nic.in** **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2627A5815
UBN:- DLB2627WSOB14450, DLB2627WSOB14452, DLB2627WSOB14456, DLB2627WSOB14458, DLB2627WSOB14460, DLB2627WSOB14462, DLB2627WSOB14464, DLB2627WSOB14466, DLB2627WSOB14468, DLB2627WSOB14470, DLB2627WSOB14472

राज.संवाद/सी/26/8980 अधिशाषी अधिकारी

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सिविल),जयपुर
(Registered Office Vidyut Bhawan, Jyoti Nagar, Jaipur)
E-Mail:- seciviljpr@jvvnl.org, Tel.No. 0141-2207932

अल्पकालीन ई – निविदा सूचना संख्या 08 से 10/2026–27

अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) ज. वि. वि. निगम लि. जयपुर के अधीन विभिन्न निर्माण, मरम्मत एवं विद्युत संबधित सिविल कार्यो के लिए अल्पकालीन ई –निविदा 08 से 10/2026–27 द्वारा मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बंधित अन्य विवरण वेबसाइट **www.energy.rajasthan.gov.in**, **www.tenders.gov.in** एव State Public Procurment Portal पर उपलब्ध है। भविष्य में तारीख बढाने की सूचना/संशोधन यदि कोई है तो उपरोक्त संदर्भित वेबसाईटों पर ही सूचित/प्रकाशित की जायेगी। ई–निविदा के लिए इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB Nos. VVN2627A0094, VVN2627A0095 and VVN2627A0096
UBN No. VVN2627WSOB00267 to VVN2627WSOB00329
जेपीआर–3206 (2026)

अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

राज.संवाद/सी/26/9130 बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, भैसरोड़गढ़, जिला चित्तौडगढ
पंचायत समिति परिसर, भैसरोड़गढ़ जिला-चित्तौड़गढ़
Email: aenwdscbhainsrodgarh@rajasthan.gov.in

क्रमांक : खण्ड/भैसरोड़गढ़ / निविदा/2026-27/77 दिनांक : 31/7/2026

ई-निविदा सूचना (02/2026-27)
(NIB Code: WSC2627A0799)

राजस्थान राज्यपाल महोदय की ओर से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत जिले में कार्यालय अधीन संचालित परियोजना / पंचायत समित क्षेत्रों में राशि रू. 70.14 लाख, रू. 64.46 लाख रू. 9.32 लाख, रू. 6.42 लाख, रू. 7.69 लाख एवं रू. 72.44 लाख के कुल 6 पेकेज में वर्णित कार्यो का डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि सहित सम्पादन कराने के लिये उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार के विभागो / अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से eproc.rajasthan.gov.in पर ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन ई-निविदाएं दिनांक 11.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्ते उक्त पोर्टल एवं sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर UBN :- WSC2627WSOB01365, WSC2627WSOB01367, WSC2627WSOB01368, WSC2627WSOB01369, WSC2627WSOB01370 and WSC2627WSOB01371 देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियंता
जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण,
पंचायत समिति भैसरोड़गढ़

DIPR/C/13689/2026

वन स्टेट -वन इलैक्शन : नवम्बर तक कार्यकाल पूरा होने वाले पंचायत व निकाय के चुनाव एक साथ होंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट ने ओबीसी आयोग की सिफारिशें स्वीकार कीं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 7 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों और पंचायत-निकाय चुनाव से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक के बाद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, कानून मंत्री जोगाराम पटेल और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में फैसलों की जानकारी दी।

कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि कैबिनेट ने ओबीसी कमीशन की रिपोर्ट का अनुमोदन भी किया। उन्होंने कहा, सरकार शुरू से ही "वन स्टेट वन इलेक्शन" की अवधारणा के पक्ष में रही है। हमने बजट में भी इसकी घोषणा की थी। कैबिनेट ने एक बार फिर इसी अवधारणा को दोहराया। उसी के अनुरूप हम इस साल पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन पंचायत और निकाय का कार्यकाल पूरा हो गया है और जिनका नवंबर तक पूरा होना है, उन सभी के चुनाव एक साथ होंगे। चुनावों को लेकर कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं, उनकी भी पूरी पालन की जाएगी। ओबीसी आयोग की सिफारिशें स्वीकार करते हुए स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में ओबीसी आरक्षण के लिए अब लॉटरी प्रक्रिया शुरू होगी।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया, कैबिनेट ने राज्य मजदूरी संहिता 2026 को मंजूरी दी है। इसमें मजदूर का वेतन तय करने के लिए वैज्ञानिक पद्धित अपनाई जाएगी। साल में 2 बार (1 अप्रैल और 1 अक्टूबर को) वेतन में बढ़ोतरी की जाएगी। इसके साथ ही, कर्मचारियों को सैलरी स्लिप देना भी अनिवार्य होगा। मजदूर से सप्ताह में 48 घंटे ही काम लिया जा सकेगा। 5 घंटे के काम के बाद आधे घंटे आराम देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों को अब राज्य बीमा का लाभ सेवानिवृत्ति की अंतिम तारीख तक मिलेगा। अभी तक

- कैबिनेट ने प्रदेश में एग्रो प्रोसेसिंग नीति - 2026, का अनुमोदन किया।
- सरकारी कर्मचारियों को अब राज्य बीमा का लाभ सेवानिवृत्ति की अंतिम तारीख तक मिलेगा।

सेवानिवृत्ति के साल में 1 अप्रैल तक ही यह लाभ मिलता था।

कैबिनेट बैठक में एग्रो फूड प्रोसेसिंग नीति-2026 का अनुमोदन किया गया। प्रदेश में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों-उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए यह नई नीति लाई गई है।

नीति के तहत, प्रदेश में नई एग्रो इंडस्ट्री स्थापित करने वाले उद्यमियों और निवेशकों को सरकार की ओर से विशेष छूट और प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कैबिनेट ने "ट्री" आउटसाइड पॉलिसी को भी मंजूरी दी है। "मिशन हरियालो राजस्थान" के तहत हर साल 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। नदी, नालों और सड़क के किनारों पर पेड़ लगाए जाएंगे।

प्र.मंत्री ने एनडीए में शामिल नए सांसदों से चाय पर चर्चा की

नई दिल्ली, 07 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुए लोकसभा के सांसदों से नाश्ते पर मुलाकात की। इस मुलाकात में शिवसेना (शिंदे) के 7, एनसीपीआई के 20, एनसीपी (अजीत पवार) के 2, उपेन्द्र कुशवाहा समेत, करीब 45

- सुबह के नाश्ते पर हुई इस मीटिंग में प्रधानमंत्री ने सांसदों से कई मुद्दों पर चर्चा की

सांसद शामिल हुए। इस दौरान राजग में शामिल हुए सभी नए सांसदों को प्रधानमंत्री ने संसद में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्वास्थ्य सहित कई मुद्दों पर बात की। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सत्ता के प्रभावी इस्तेमाल की सलाह दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी विकास कार्य के लिए सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक सांसद से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना।

फ़र्ज़ी एडमिट कार्ड से फिज़िकल परीक्षा देने पहुंची युवती गिरफ्तार

एसआई की शारीरिक दक्षता परीक्षा के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच में युवती पकड़ी गई

जयपुर, 7 अगस्त। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2025 के फिजिकल टेस्ट में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। चित्रकूट थाना पुलिस ने शुक्रवार को शारीरिक दक्षता परीक्षा देने पहुंची एक फेक कैंडिडेट को राउंडअप किया है। युवती एडिट कर तैयार किए गए फर्जी एडमिट कार्ड के आधार पर फिजिकल परीक्षा देने पहुंची थी।

डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया कि पकड़ी गई युवती की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी मोहिता (27) के रूप में हुई है। सब इंस्पेक्टर भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन चित्रकूट स्टेडियम में किया जा रहा था। शुक्रवार सुबह चयनित अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड की जांच के दौरान युवती के दस्तावेजों पर पुलिस को संदेह हुआ।

जांच में सामने आया कि एडमिट कार्ड पर दर्ज रोल नंबर एक ऐसे अभ्यर्थी का था, जो परीक्षा में सफल हो चुका

- उत्तर प्रदेश निवासी मोहिता लिखित परीक्षा में असफल रही थी। फ़र्ज़ी एडमिट कार्ड में दर्ज रोल नंबर वाले अभ्यर्थी की फिज़िकल परीक्षा 5 अगस्त को उदयपुर में हो चुकी थी।

था। जब रिटर्न परीक्षा के रिकॉर्ड की जांच की गई तो मोहिता के एडमिट कार्ड के फर्जी होने का खुलासा हुआ।

पुलिस जांच में सामने आया कि जिस रोल नंबर का इस्तेमाल कर फर्जी एडमिट कार्ड तैयार किया गया था, उस अभ्यर्थी की फिजिकल परीक्षा 5 अगस्त को उदयपुर में हो चुकी थी। ?

पूछताछ में युवती ने बताया कि उसने साइबर कैफे से सफल अभ्यर्थियों की सूची हासिल कर रोल नंबर लिया और उसमें बदलाव कर अपना एडमिट कार्ड तैयार किया।

पुलिस के अनुसार, मोहिता जयपुर के चित्रकूट नगर में रहकर एसआई भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी। लिखित परीक्षा में असफल होने के बावजूद, उसने यह बात अपने परिजनों को नहीं बताई और परीक्षा पास करने की जानकारी देती रही।

परिजनों को विश्वास दिलाने के लिए वह जयपुर में ही रिश्तेदारों के साथ रह रही थी और एसआई भर्ती के फिजिकल टेस्ट की तैयारी का बहाना बनाकर चित्रकूट स्टेडियम में दौड़ लगाने भी जाती थी। पुलिस आरोपी युवती से पूछताछ कर रही है और फर्जी एडमिट कार्ड तैयार करने में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने 40 साल पुराने बोफोर्स मामले को बंद किया

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने के खिलाफ दायर आखिरी अपील भी खारिज कर दी

नई दिल्ली, 07 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही, भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है।

मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता (अधिवक्ता अजय के. अग्रवाल) की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में अपील की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया

- वर्ष 1986 में हुआ यह रक्षा सौदा 40 साल तक भारतीय राजनीति का केन्द्र बना रहा और इसकी वजह से स्व. राजीव गांधी की सरकार तक चली गई थी।

था। 1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केन्द्र में रहा।

यह पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है, जिसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया।

सीबीआई ने जनवरी 1990 में एफआईआर दर्ज की। अक्तूबर 2000 में दायर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हिंदुजा बंधुओं (श्रीचंद, गोपीचंद और प्रकाश हिंदुजा) के नाम भी शामिल किये गये थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 31 मई 2005 को अपने फैसले में हिंदुजा ब्रदर्स और स्वीडिश फर्म एबी बोफोर्स के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाहियों को रद्द कर दिया था। साथ ही, हाईकोर्ट ने सीबीआई की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए यह भी टिप्पणी की थी कि इस जांच पर सरकारी खजाने के करीब 250 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने इस मामले के लंबे खिंचने पर हैरानी जताई। जब याचिकाकर्ता के वकील ने कुछ मृत प्रतिवादियों के नाम हटाने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा, तो जस्टिस पारदीवाला ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, हिंदुजा ब्रदर्स और सीबीआई को लेकर यह सब क्या चल रहा है? सभी कार्यवाही रद्द हो चुकी हैं, यह क्या है? कितने साल बीत चुके हैं? बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि अब इस मामले में और देरी या सुनवाई की कोई गुंजाइश नहीं है।

दिल्ली में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मौसम विभाग ने भारी बारिश का रैड अलर्ट भी जारी किया

नई दिल्ली, 07 अगस्त। दिल्ली-एनसीआर में सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। नोएडा, गुरुग्राम तक कई इलाके जलमग्न हैं। सड़कों पर ट्रैफिक रेंग रहा है। इस सबके बीच मौसम विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए एक और चेतावनी जारी कर दी है। आईएमडी ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए अनुमान लगाया है कि अगले कुछ घंटों में कई जगहों पर मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ-साथ मध्यम आंधी और बिजली कड़कने की संभावना है। आईएमडी ने दिल्ली और एनसीआर के निवासियों को सलाह दी है कि वे यात्रा करते समय सावधानी बरतें और जलज़माव वाले इलाकों से बचें, क्योंकि पूरे इलाके में भारी बारिश जारी है।

दिल्ली में भारी बारिश के बीच दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस)

- भारी बारिश के कारण मकान ढहने, इमारतों के हिस्से गिरने, पेड़ उखड़ने की दो दर्ज़न से अधिक शिकायतें मिली हैं, हालांकि, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

को मकान ढहने, इमारतों के हिस्से गिरने और पेड़ उखड़ने की दो दर्जन से ज्यादा सूचनाएं मिलीं। इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, गुरुवार को आधी रात 12 बजे से शुक्रवार को शाम 5:30 बजे के बीच लगातार बारिश के दौरान ये सूचनाएं दर्ज की गईं। इसने बताया कि एक घटना में, एक मकान पर पेड़ गिर जाने से उसमें तीन महिलाएं फंस गईं, जिन्हें अग्निशमनकर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दमकल विभाग ने बताया कि इनमें से नौ सूचनाएं मकान पूरी तरह ढहने या इमारतों का हिस्सा गिरने से संबंधित थीं।

गुरुग्राम से लेकर दिल्ली-नोएडा तक सड़कों पर जाम लग गया है। सोशल मीडिया पर लोग शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें कैब तक नहीं मिल पा रही है। जलभराव की वजह से लोग फंस गए हैं। पीक आवर्स में बारिश की वजह से समस्या और ज्यादा बढ़ गई है।

मौसम वैज्ञानिक नवदीप दहिया ने कहा है कि उत्तर-पश्चिम यूपी से भारी बारिश वाले बादल देर रात तक दिल्ली-एनसीआर में दाखिल होंगे। दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में अभी हो रही भारी बारिश का दौर रात 9 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद बारिश कम होने की उम्मीद है, लेकिन आधी रात तक हल्की बारिश होती रहेगी।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व 150 दिन की अवधि तक गौवंश के नहीं रहने के बावजूद, पूर्ण अवधि की सहायता राशि ली गई।

याचिका में आरोप लगाया कि नियमों के विपरीत जाकर यहां "सुरभि सदन" नाम से मैरिज गार्डन संचालित किया जा रहा है और गौशाला के पीछे बहने वाले नाले के दूषित जल का उपयोग चारा और फसल उगाने के लिए किया जा रहा है, जिससे गायों के साथ-साथ उनके दूध से आमजन का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है।

वहीं, यहाँ कार्यरत करीब 20 श्रमिकों पर श्रम कानून लागू नहीं किया जा रहा है।

कोई मंत्री कब सदन में आये, विपक्ष तय नहीं कर सकता- रिजिजू

नई दिल्ली, 07 अगस्त। राज्यसभा में शुक्रवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कोई मंत्री सदन में कब आएगा। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा के सभापति ने किसी मंत्री को सदन में मौजूद रहने का कोई निर्देश नहीं दिया है।

- राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग पर संसदीय कार्यमंत्री ने जवाब दिया।

रिजिजू ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं। हालांकि, किसी मंत्री का सदन में आना उस समय के निर्धारित काम-काज पर निर्भर करता है।

सुनेत्रा पवार की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहिए।" सुनेत्रा पवार की एनसीपी महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना महायुति की तीसरी प्रमुख सहयोगी पार्टी है। भाजपा मंत्री ने आगे कहा, "उन्होंने प्रशांत किशोर से मुलाकात क्यों की, इस पर मुझे और कुछ नहीं कहना है। लेकिन ऐसा कोई आचरण नहीं होना चाहिए, जिससे गठबंधन के भीतर अविश्वास या दरार की स्थिति पैदा हो।" एनसीपी के पदाधिकारी संजय खोडके ने बताया कि प्रशांत किशोर ने दक्षिण मुंबई स्थित सुनेत्रा पवार के आधिकारिक आवास देवगिरि में उनसे मुलाकात की। हालांकि, एनसीपी नेता पवार की ओर से इस बैठक में हुई बातचीत के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई। इस वर्ष जनवरी में बारामती के निकट विमान दुर्घटना में सुनेत्रा पवार के पति तथा तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद यह दूसरा अवसर है, जब प्रशांत किशोर ने उनसे मुलाकात की है। इससे कुछ महीने पहले हुई पहली मुलाकात के बाद सुनेत्रा पवार के पुत्र और एनसीपी नेता पार्थ पवार ने कहा था कि प्रशांत किशोर उनके परिवार के परिचित हैं। ज्ञातव्य है कि प्रशांत किशोर इससे पहले नरेन्द्र मोदी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल सहित कई प्रमुख नेताओं के लिए सफल चुनावी रणनीतियां तैयार कर चुके हैं।

लोकसभा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत छोड़ो आंदोलन देश की एकता, अदम्य साहस तथा अन्याय के विरुद्ध सत्य और अहिंसा पर आधारित संघर्ष का अमर प्रतीक है। इसके बाद विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट की रायः शहर के बीच में प्रदर्शन नहीं

नई दिल्ली, 07 अगस्त। दिल्ली हाई कोर्ट ने जंतर-मंतर पर 10 अगस्त को प्रस्तावित दलित ईसाइयों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने का फैसला दिल्ली पुलिस पर छोड़ दिया है। कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, इसलिए वही इस पर फैसला करेगी। जस्टिस अमित महाजन ने सुनवाई के दौरान कहा कि उनकी निजी राय में शहर के बीचों-बीच प्रदर्शन नहीं होने चाहिए, क्योंकि इससे आम लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा, "शहर को बंधक मत बनाइए, फैसला पुलिस को करने दीजिए।" याचिकाकर्ता ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी की ओर से वरिष्ठ वकील संजय घोष ने कहा कि संगठन सिर्फ 75 लोगों के साथ 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरना देना चाहता है।

चार दीवारी के मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यहां के हेरिटेज स्वरूप के साथ छेड़छाड़ को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जनहित याचिका में अधिवक्ता उमेश व्यास ने कहा कि चारदीवारी के चौड़ा रास्ता क्षेत्र में हेरिटेज स्वरूप के साथ छेड़छाड़ कर अवैध निर्माण किया गया है। इसके साथ ही, यहां आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं। याचिका में कहा गया है कि निगम की ओर से अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस भी जारी किए गए, लेकिन उसके बाद निर्माण हटाने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में राज्य सरकार और नगर निगम को निर्देश दिए जाएं कि वे हैरिटेज स्वरूप के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें।

क्या ऐसी टैक्नॉलजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप "झूठे, दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह मानहानिकारक" हैं तथा इनका उद्देश्य लोगों के बीच गलत धारणा बनाकर मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। इसमें यह भी बताया गया है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और ई-20 ईंधन नीति का संचालन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय करता है, न कि गडकरी का मंत्रालय।

याचिका में यह भी कहा गया है कि इस मामले का उद्देश्य सरकार की नीतियों की निष्पक्ष आलोचना या सार्वजनिक बहस को रोकना नहीं है। लेकिन जानबूझकर गढ़े गए आरोप और एआई से बनाई गई फर्ज़ी सामग्री अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आते और उन्हें मानहानि माना जाना चाहिए।

भाजपा और अकाली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संगठनात्मक मजबूती, संसाधनों तक बेहतर पहुंच और राजनीतिक अलगाव से बाहर निकलने का रास्ता खोल सकती है। साथ ही, उसे पार्टी के भीतर गुटबाजी जैसी चुनौतियों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। एक समय कई कार्यकाल तक पंजाब पर शासन करने वाला यह गठबंधन फिर से राज्य की राजनीति में केन्द्रीय भूमिका निभाने की स्थिति में आ सकता है।

लेकिन इस संभावित गठबंधन के कुछ नुकसान भी दिखाई दे रहे हैं। भाजपा को अपनी स्वतंत्र विकास रणनीति के कमज़ोर होने और उन वोटरों के दूर हो जाने का जोखिम है, जो बेअदबी की घटनाओं या पूर्व शासन से जुड़े विवादों के कारण शिरोमणि अकाली दल से दूरी बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, एस.ए.डी. को अपने पारंपरिक समर्थकों (कोर बेस) से अवसरवाद के आरोपों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि किसान आंदोलन और कृषि कानूनों का मुद्दा अभी भी उनके लिए संवेदनशील है।

इसके अलावा, भाजपा के प्रभाव वाले गठबंधन में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखना भी शिरोमणि अकाली दल के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दोनों को विरोधियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। इसकी झलक आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की उस टिप्पणी में पहले ही दिखाई दे चुकी है, जिसमें उन्होंने अनिच्छुक प्रेमियों के मिलन के बारे में बॉलीवुड के एक गीत का उल्लेख करते हुए, तंज किया था।

दूसरी ओर अकेले चुनाव लड़ने की अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने को लेकर भाजपा का जो रूख दिख रहा है, उसके पीछे चुनावी गणित की व्यवहारिकता को एक कारण माना जा रहा है। अलग-अलग चुनाव लड़ने की स्थिति में दोनों पार्टियों के लिए आप और कांग्रेस विरोधी मतों का बंटवारा होने तथा राजनीतिक रूप से हाशिये पर रह जाने का खतरा बना रहेगा। पंजाब विधानसभा चुनाव नज़दीक है और कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक का फायदा उठाते हुए, आप के दबदबे को चुनौती देने की ज़रूरत है, ऐसे में फिर गठबंधन करना ही चुनावी मुकाबले में उतरने का जबसे स्पष्ट रास्ता है।

टर्की, सऊदी अरब और पाक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सऊदी अरब तथा उसके सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले कर रहा है।

ईरान ने सऊदी अरब से बदला लेने के लिए उसपर हमले किए, क्योंकि उसने अमेरिकी सेनाओं को जगह दी और अपनी ज़मीन पर अमेरिकी एयरबेस बनाने की इजाज़त दी। अब एक बड़ा सवाल यह है कि क्या सऊदी अरब ईरान को शांत करने के लिए अपने यहां से अमेरिकी सैनिकों को बाहर करेगा?

भले ही अमेरिकियों को सऊदी अरब से बाहर निकाल दिया जाए, तो क्या ईरान उसके बाद सऊदी अरब पर हमले करना बंद कर देगा? सऊदी अरब कई वर्षों से हूती विद्रोहियों के हमलों का सामना कर रहा है। हूती विद्रोहियों को ईरान से धन और हथियार मिलते हैं। सऊदी अरब दशकों से हूती विद्रोहियों से लड़ रहा है, लेकिन उसे कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।

अब सवाल यह है कि क्या इस त्रिपक्षीय रक्षा संधि के बाद क्षेत्र में चल रहे छद्म युद्ध बंद हो जाएंगे? जैसे, यमन के हूतियों की सऊदी अरब के साथ लड़ाई और उत्तर में ईराकी उग्रवादियों की गतिविधियाँ। क्या ईरान पूरे मध्य पूर्व में अपने समर्थक लड़ाकों को समर्थन देना बंद कर देगा?

आखिरकार, ईरान और खाड़ी के अरब देशों के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है। शिया बहुल ईरान और सुन्नी बहुल सऊदी अरब तथा अन्य अरब देशों के बीच यह संघर्ष ऐतिहासिक रहा है। दोनों पक्षों के बीच की दुश्मनी सदियों पुरानी है और बहुत गहरी मानी जाती है

क्या ईरान इस संधि की ताकत को परखने के लिए जानबूझकर सऊदी अरब पर हमला कर सकता है, ताकि यह देखा जा सके कि क्या तुर्किये और पाकिस्तान उसकी मदद के लिए आगे आते हैं? हालांकि तुर्किये के लिए यह त्रिपक्षीय नाटो जैसा समझौता थोड़ी दूर की बात है, लेकिन पाकिस्तान के लिए यह बहुत ही तत्काल महत्व का मामला है।

अगर सऊदी अरब और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो क्या पाकिस्तान उसमें शामिल होगा? पाकिस्तान की ईरान के साथ लंबी सीमा लगती है और सीमा पर किसी भी तरह का तनाव उसके लिए कई तरह की मुश्किलें पैदा कर सकता है। ईरान, अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के अशांत प्रांतों, जैसे बलूचिस्तान और मौजूदा हालात में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भी अपना समर्थन दे सकता है।

भारत के लिए इस समझौते से ज़मीनी हकीकत शायद तुरंत न बदले। पाकिस्तान पहले से ही भारत का कट्टर दुश्मन है और तुर्किये लंबे समय से भारत की आलोचना करता रहा है। इस समझौते से ये बातें नहीं बदलतीं। हालांकि सऊदी अरब को भारत का मित्र माना जाता रहा है, लेकिन यह मान लेना उचित नहीं होगा कि वह हमेशा भारत का मजबूत समर्थक रहेगा।

अगर यह संधि प्रभावी रहती है और ईरान के खिलाफ सक्रिय रूप से काम करती है, तो भारत के सामने ईरान के साथ अपने संबंध और मजबूत करने का विकल्प हो सकता है। साथ ही, भारत को इज़रायल के साथ अपने अच्छे संबंधों और ईरान के साथ अपनी मित्रता के बीच संतुलन भी बनाए रखना होगा।

यदि इस संधि का सबसे अधिक नुकसान किसी को हो सकता है, तो वह अमेरिका की प्रतिष्ठा है। अब तक अमेरिका को मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा देने वाले भरोसेमंद देश के रूप में देखा जाता था। हालांकि, यदि यह संधि ईरान के खिलाफ काम करती है और अमेरिका इसका समर्थन करता है, तो इससे उसे कुछ लाभ भी मिल सकता है।

लेकिन ऐसे रक्षा समझौते बढ़ने से अमेरिका के लिए धीरे-धीरे केवल एक दर्शक बनकर रह जाने का खतरा बढ़ रहा है। इसके अलावा, यह त्रिपक्षीय रक्षा संधि क्षेत्र के अन्य देशों, जैसे संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन और कुवैत जैसे अन्य देशों को भी अलग-थलग कर सकती है।

फिर भी भारत को यह स्वीकार करना होगा कि एक तरह से "फेल स्टेट" (विफल देश) होने के बावजूद, पाकिस्तान ने पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में एक अलग तरह की कूटनीतिक पहचान हासिल कर ली है। लंबे समय में यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

'तनाव के बावजूद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एंड फैसिलिटीज़) के तहत होता है। यह समझौता 31 दिसंबर 1988 को हस्ताक्षिरत हुआ था और 27 जनवरी 1991 से प्रभावी हुआ।

इस समझौते के अनुसार, दोनों देश प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची एक-दूसरे को उपलब्ध कराते हैं। इस सूची का आदान-प्रदान नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों से एक साथ किया जाता है। यह प्रक्रिया 1 जनवरी 1992 से लगातार जारी है। वर्ष 2026 में 1 जनवरी को इस सूची का लगातार 35वां आदान-प्रदान किया गया।

इसी प्रकार वर्ष 2008 के "कांसुलर एक्सेस समझौते" के तहत, दोनों देश वर्ष में दो बार, 1 जनवरी और 1 जुलाई, एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची साझा करते हैं। इसका उद्देश्य संबंधित कैदियों को कांसुलर सहायता उपलब्ध कराना और उनकी संभावित स्वदेश वापसी की प्रक्रिया को सुगम बनाना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण की अग्रिम सूचना देने की व्यवस्था भी लंबे समय से लागू है, तथा विश्वास-निर्माण उपायों का हिस्सा है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार की गलतफहमी या सैन्य तनाव की आशंका को कम करना है।

ये सभी कार्यात्मक संपर्क ऐसे समय भी जारी हैं, जब अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के राजनीतिक और राजनयिक संबंधों में गंभीर तनाव बना हुआ है। इस हमले में 26 निर्दोष नागरिक, जिनमें अधिकांश हिंदू पर्यटक थे, मारे गए थे। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर स्थित सीमा पार आतंकवादी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई की थी।

107 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहना है कि बेदखली गैरकानूनी है और उसने अदालत से मान्यता रद्द करने तथा बेदखली के दोनों आदेश रद्द करने की मांग की है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908